जहाँ सेलेक्शन एक जिद है

GEOGRAPHY EXPLORER-II
(INDIA)

भारत का भूगोल

For All One Day Exams

The Institute

गुणवत्ता, ईमानदारी और सफलता

By : **M.M. Khan**

THE INSTITUTE
जहाँ सेलेक्शन एक जिद है.

समीर प्लाजा, मनमोहन पार्क, कटरा, बांसमण्डी के सामने, इला0
0532-3266722, 9956971111, 9235581475

THE INSTITUTE

टीम को

यह Notes प्रस्तुत करते हुए बड़ी खुशी की अनुभूति हो रही है। यह Notes सभी One Day Exam के पैटर्न को ध्यान में रखकर बनाया गया है। आज बदलते हुए One Day पैटर्न को देखते हुए यह Notes, One Day Exam के अभ्यर्थियों के लिए मददगार साबित होगा। इसमें अनावश्यक भ्रमपूर्ण सामाग्रियों से परहेज किया गया है और हर एक शब्द को आपके लिए उपयोगी बनाने की कोशिश की गयी है।

इसमें मैप, चार्ट और ग्राफ के जरिए विषय को अति सरल बनाया गया है। यह Notes क्लास लेक्चर को Supplement करने के लिए बनाया गया है। यह संपादन कार्य क्लास लेक्चर के साथ मिलकर संपूर्ण होता है और यह क्लास लेक्चर को सुदृण करने के लिए बनाया गया है। बिना क्लास लेक्चर के यह Notes अधूरा है।

इसमें बाजारू सामाग्रियों के सभी त्रुटियों को दूर किया गया है और अन्य प्रकार की त्रुटियों को सुधारने की पूरी कोशिश की गयी है यदि इसके बाद भी कोई मानवीय या मशीनी गलती हुई हो तो संस्था क्षमाप्रार्थी है।

इसके अतिरिक्त यह Notes आप सभी के सहयोग से बना है और इसमें किसी भी प्रकार का सुझाव सदैव स्वीकार्य है। संस्था अपने छात्रों से यह उम्मीद करता है कि छात्र इस Notes का पूरा उपयोग करेगा और संस्था के उम्मीदों पर खरा उतरेगा क्योंकि आप वहाँ पढ़ते हैं 'जहाँ सेलेक्शन एक जिद है'।

धन्यवाद

C. Shekhar

(THE INSTITUTE)

भारत का भूगोल

By : M.M. Khan

भारत का भूगोल– इस भाग में भौतिक, आर्थिक एवं सामाजिक भूगोल से संबंधित प्रश्न होंगे।

♦ स्थिति व सीमाएँ

- ❖ भारत एशिया महाद्वीप का एक देश है, जो एशिया के दक्षिणी भाग में हिन्द महासागर के शीर्ष पर तीन ओर समुद्रों से घिरा हुआ है। पूरा भारत उत्तरी गोलार्द्ध में पड़ता है।
- ❖ भारत का अक्षांशीय विस्तार 8°4' उत्तरी अक्षांश से 37°6' उत्तरी अक्षांश तक है।
- ❖ भारत का देशान्तर विस्तार 68°7' पूर्वी देशान्तर से 97°25' पूर्वी देशान्तर तक है।
- ❖ भारत का क्षेत्रफल 32,87,263 वर्ग किमी. है।
- ❖ क्षेत्रफल की दृष्टि से संसार में भारत का सातवाँ स्थान है। यह रूस के क्षेत्रफल का लगभग 1/5, सं.रा. अमेरिका के क्षेत्रफल का 1/3 तथा ऑस्ट्रेलिया के क्षेत्रफल का 2/5 है।
- ❖ जनसंख्या की दृष्टि से संसार में भारत का चीन के बाद दूसरा स्थान है।
- ❖ विश्व का 2.4% भूमि भारत के पास है जबकि विश्व की लगभग 17.5% जनसंख्या भारत में रहती है।
- ❖ भारत के उत्तर में नेपाल, भूटान व चीन, दक्षिण में श्रीलंका एवं हिन्द महासागर, पूरब में बांग्लादेश, म्यांमार एवं बंगाल की खाड़ी तथा पश्चिम में पाकिस्तान एवं अरब सागर है। भारत को श्रीलंका से अलग करने वाला समुद्री क्षेत्र मन्नार की खाड़ी (Gulf of Mannar) तथा पाक जलडमरूमध्य (Palk Strait) है।
- ❖ प्रायद्वीप भारत का दक्षिणतम बिन्दु – कन्याकुमारी है।
- ❖ भारत का सुदूर दक्षिणतम बिन्दु – इन्दिरा प्वाइंट (गेट निकोबार में है)।
- ❖ भारत का उत्तरी अन्तिम बिन्दु – इंदिरा कॉल है।

देश की चतुर्दिक सीमा बिन्दु

- **दक्षिणतम बिन्दु–** इन्दिरा प्वाइंट (ग्रेट निकोबार द्वीप)
- **उत्तरी बिन्दु–** इन्दिरा कोल (जम्मू–कश्मीर)
- **पश्चिमी बिन्दु–** राजहर कीक (गुजरात)
- **पूर्व बिन्दु–** वालांगू (अरुणाचल प्रदेश)
- **मुख्य भूमि की द. सीमा–** कन्याकुमारी (तमिलनाडु)

स्थलीय सीमाओं पर स्थित भारतीय राज्य

देश	सीमा पर अवस्थित भारतीय राज्य
• पाकिस्तान (4)	गुजरात, राजस्थान, पंजाब, जम्मू और कश्मीर
• अफगानिस्तान (1)	जम्मू और कश्मीर
• चीन (5)	जम्मू और कश्मीर, हिमांचल प्रदेश, उत्तरांचल, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश
• नेपाल (5)	उत्तर प्रदेश, उत्तरांचल, बिहार, पश्चिमी बंगाल, सिक्किम
• भूटान (4)	सिक्किम, पश्चिमी बंगाल, असम, अरुणाचल प्रदेश
• बांग्लादेश (5)	पश्चिमी बंगाल, असम, मेघालय, त्रिपुरा, मिजोरम
• म्यांमार (4)	अरुणाचल प्रदेश, नागालैण्ड, मणिपुर, मिजोरम

पड़ोसी देशों के मध्य सीमा विस्तार

• भारत–बांग्लादेश सीमा	4096 किमी.
• भारत–चीन	3439 किमी.
• भारत–पाक सीमा	3310 किमी.
• भारत–नेपाल सीमा	1761 किमी.
• भारत–म्यानमार सीमा	1643 किमी.
• भारत–भूटान सीमा	587 किमी.

– मुख्य बिन्दु –

- ❖ कर्क रेखा (Tropic of Cancer) भारत के बीचो–बीच से गुजरती है।
- ❖ भारत को पाँच प्राकृतिक भागों में बाँटा जा सकता है।
  - उत्तर का पर्वतीय प्रदेश
  - उत्तर का विशाल मैदान
  - दक्षिण का प्रायद्वीपीय पठार
  - समुद्रतटीय मैदान
  - थार मरुस्थल
- ❖ भारत का मानक समय (Indian Standard Time) इलाहाबाद के पास नैनी से लिया गया है, जिसका देशान्तर 82°30' पूर्वी है। (वर्तमान में मिर्जापुर) यह ग्रीनविच माध्य समय (GMT) से 5 घण्टे 30 मिनट आगे है।
- ❖ भारत की लम्बाई उत्तर से दक्षिण तक 3214 किमी. तथा पूर्व से पश्चिमी तक 2933 किमी. है।
- ❖ भारत की समुद्री सीमा 7516.6 किमी. लम्बी है जबकि स्थलीय सीमा की लम्बाई 15,200 किमी. है। भारत की मुख्य भूमि की तटरेखा 6,100 किमी. है।
- ❖ क्षेत्रफल की दृष्टि से राजस्थान भारत का सबसे बड़ा राज्य है।
- ❖ जनसंख्या की दृष्टि से उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा राज्य है।
- ❖ क्षेत्रफल की दृष्टि से गोवा भारत का सबसे छोटा राज्य है।

शीर्ष पाँच क्षेत्रफल वाले राज्य	
राज्य	क्षेत्रफल वर्ग किमी.
• राजस्थान	3422239
• मध्य प्रदेश	308245
• महाराष्ट्र	307713
• आन्ध्र प्रदेश	275069
• उत्तर प्रदेश	240928

शीर्ष पाँच भौगोलिक, क्षेत्र वाले जिले	
जिला	क्षेत्रफल वर्ग किमी.
• कच्छ	45652
• लेह	45110
• जैसलमेर	38428
• बाड़मेर	28387
• बीकानेर	27284

- जनसंख्या की दृष्टि से सिक्किम भारत का सबसे छोटा राज्य है।
- क्षेत्रफल की दृष्टि से अण्डमान–निकोबार द्वीप समूह सबसे बड़ा केन्द्र–शासित प्रदेश है।
- क्षेत्रफल की दृष्टि से लक्षद्वीप सबसे छोटा केन्द्र–शासित प्रदेश है।
- जनसंख्या की दृष्टि से दिल्ली सबसे बड़ा केन्द्र शासित प्रदेश है।
- जनसंख्या की दृष्टि से लक्षद्वीप सबसे छोटा केन्द्र शासित प्रदेश है।
- मध्य प्रदेश भारत का सबसे बड़ा पठारी राज्य हैं
- राजस्थान भारत का सबसे बड़ा मरुस्थलीय राज्य है।
- मध्य प्रदेश में वन (जंगल) सबसे अधिक है।
- भारत में द्वीपों की कुल संख्या 248 है बंगाल की खाड़ी में 223 तथा अरब सागर में 25 द्वीप हैं।
- भारत के सबसे दक्षिणी छोर का नाम 'इन्दिरा प्वाइंट' है और यह बंगाल की खाड़ी में ग्रेट निकोबार (Great Nicobar) द्वीप पर स्थित है। भारत का सबसे उत्तरी बिन्दु इन्दिरा कॉल, जम्मू–कश्मीर में स्थित है।
- पूर्वी घाट को कोरमण्डल तट के नाम से जाना जाता है।
- पश्चिमी घाट को मालाबार तट के नाम से जाना जाता है।
- भारत के जिन राज्यों में से होकर कर्क रेखा गुजरती है, वे हैं– गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखण्ड, पश्चिमी बंगाल, त्रिपुरा और मिजोरम।
- भारतीय मानक समय की देशांतर रेखा (82°30') उत्तर प्रदेश, मध्य उत्तीसगढ़, उड़ीसा एवं आन्ध्रप्रदेश से गुजरती है।

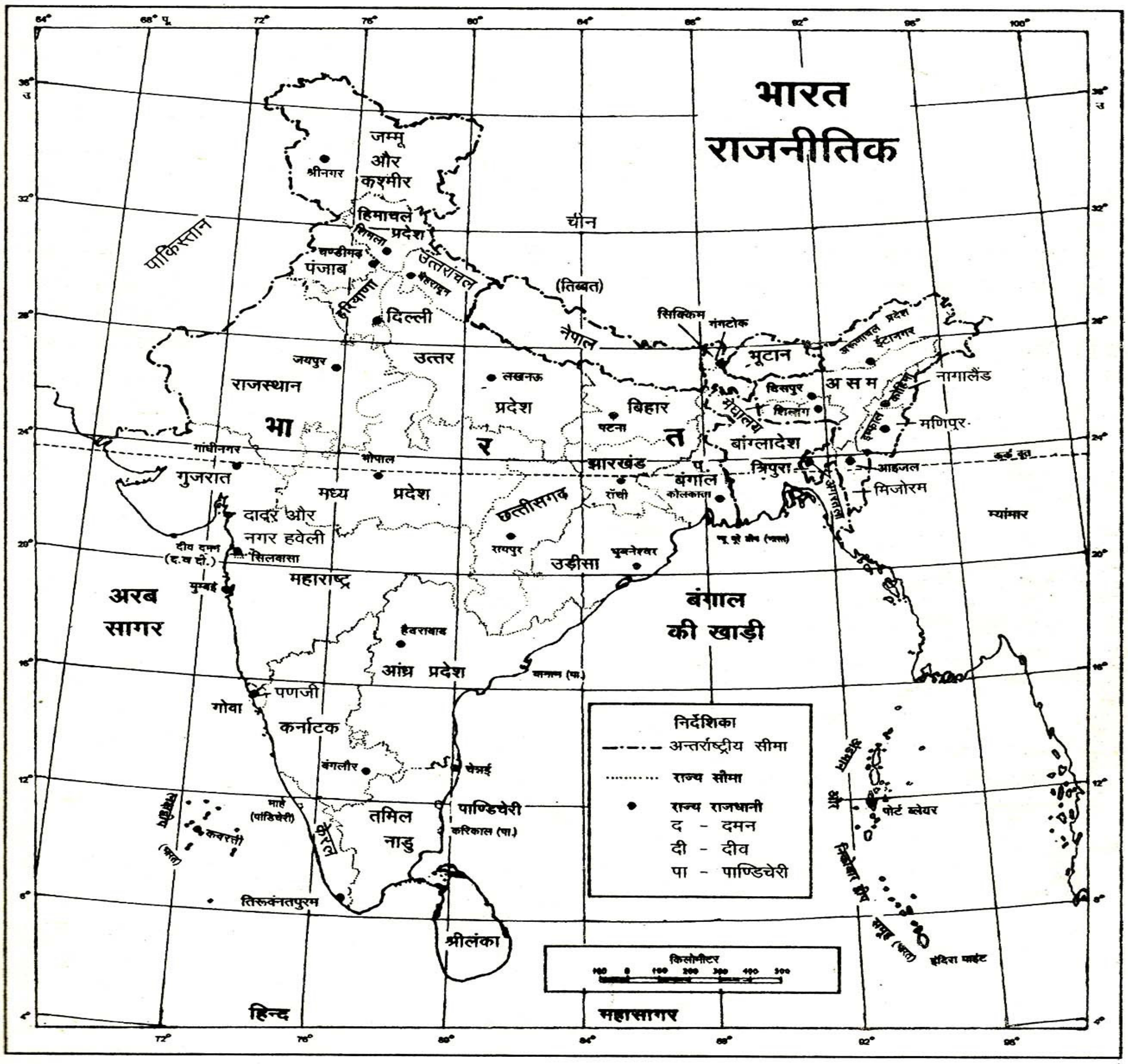

समीर प्लाजा, मनमोहन पार्क, कटरा, बांसमण्डी के सामने, इलाहाबाद
फोन नं. : 0532.3266722, 9956971111, 9235581475

❖ उत्तर प्रदेश की सीमा सबसे अधिक राज्यों (8) को छूती है– उत्तरांचल, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखण्ड एवं बिहार।
❖ भारत में सर्वाधिक नगरों वाला राज्य उत्तर प्रदेश है जबकि मेघालय में सबसे कम नगर हैं।
❖ भारत में सर्वाधिक नगरीय जनसंख्या वाला राज्य महाराष्ट्र है जबकि सबसे कम नगरीय जनसंख्या सिक्किम में है।
❖ भारत में कार्यशील व्यक्तियों की जनसंख्या 4.02 करोड़ है।
❖ भारत में सड़क मार्ग की कुल लम्बाई 18,43,420 किमी. है।
❖ भारत का सबसे लम्बा राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 7 है जो बनारस से कन्याकुमारी तक जाता है (2369 किमी.)।
❖ भारत में रेलमार्ग की कुल लम्बाई 64,140 किमी. है।
❖ तिरुअनन्तपुरम एवं कोचीन (केरल) नगरों में मानसून की सर्वप्रथम वर्षा होती है।

प्रमुख चैनल / जलडमरूमध्य	
विभाजित स्थल खण्ड	चैनल / खाड़ी / स्ट्रेट
• इन्दिरा प्वाइंट–इण्डोनेशिया	ग्रेट चैनल
• लघु अंडमान–निकोबार	10° चैनल
• मिनीकॉय–लक्षद्वीप	9° चैनल
• मालदीव–मिनीकाय	8° चैनल
• भारत–श्रीलंका	मन्नार की खाड़ी
• पाक की खाड़ी	पाक स्ट्रेट

♦ हिमालय पर्वत

❖ हिमालय (हिम + आलय) का अर्थ है 'हिम का घर' (Abode of snow)।
❖ इसकी कुल लम्बाई लगभग 5000 किमी. है तथा इसकी औसत ऊँचाई 2000 मीटर है। इसकी औसत चौड़ाई 240 किमी. है तथा क्षेत्रफल लगभग 5 लाख वर्ग किमी. का है।

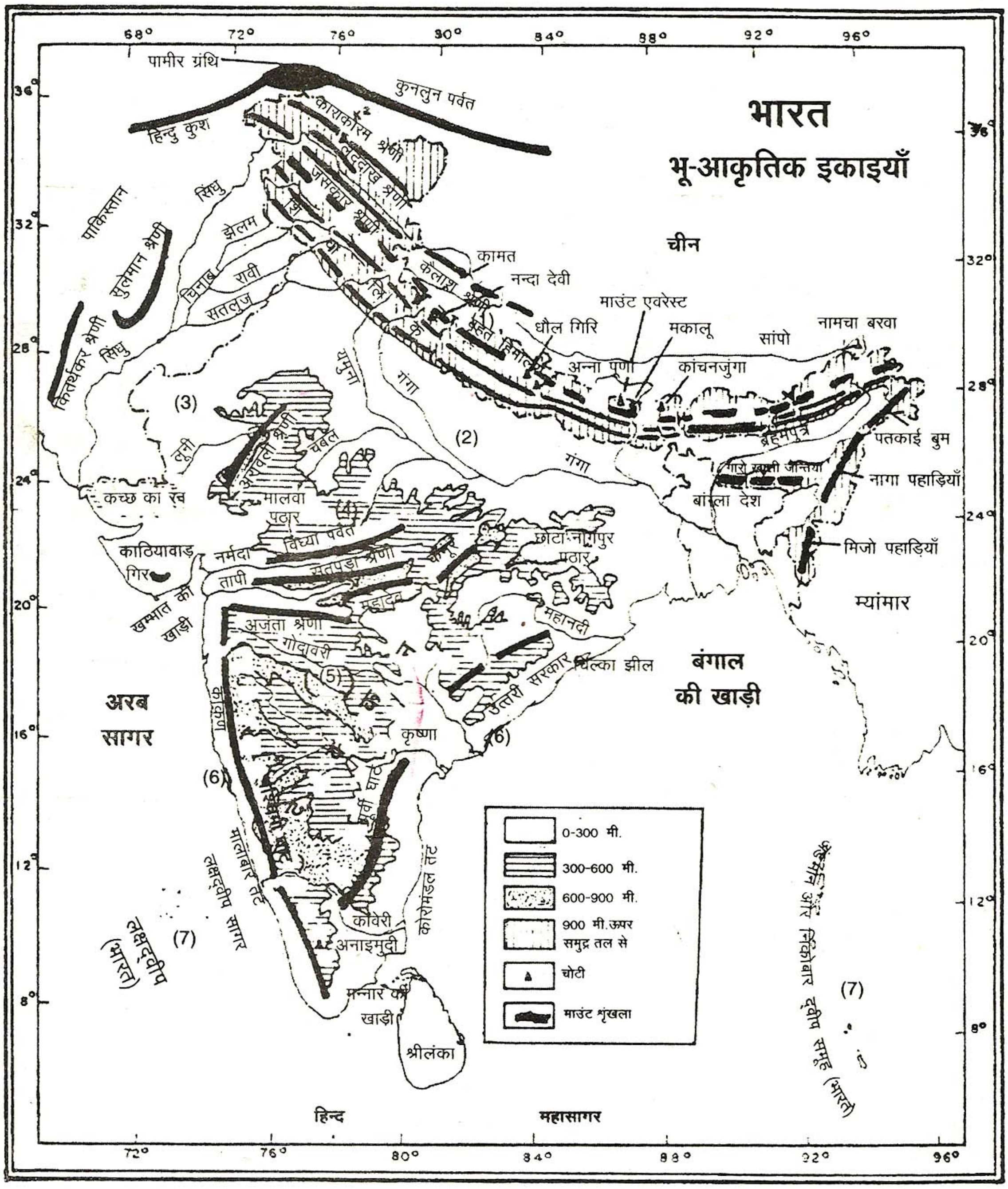

❖ हिमालय पर्वत श्रेणी को तीन भागों में बाँटा गया है–

1. **महान या वृहत हिमालय या हिमाद्रि**
(The Great Himalayas or The Himadri)
- इसकी औसत ऊँचाई 6000 मीटर है।
- यह हिमालय पर्वत की सबसे उत्तरी एवं सबसे ऊँची श्रेणी है। हिमालय के सभी सर्वोच्च शिखर इसी श्रेणी में हैं, जैसे– एवरेस्ट (8850 मी.), कंचनजंगा (8598 मी.), मकालू (8481 मी.), धौलागिरी (8172 मी.), चो ओऊ (8153 मी.), नंगा पर्वत (8126 मी.), अन्नपूर्णा (8078 मी.), नन्दा देवी (7817 मी.) आदि। इनमें कंचनजंगा, नंगापर्वत और नन्दादेवी भारत की सीमा में हैं और शेष नेपाल में हैं।
- इस श्रेणी में भारत के प्रमुख दर्रे अवस्थित हैं। इनमें शिपकी ला और बारालाचा ला हिमाचल प्रदेश में, बर्जिला और जोजिला कश्मीर में, नीति ला, लिपुलेख और थाग ला उत्तरांचल में तथा जेलेप ला और नाथू ला सिक्किम में स्थित हैं।
- **माउन्ट एवरेस्ट**–8850 मीटर (इसे नेपाल में सागर माथा व चीन में क्योमोलांगमा कहते हैं।) यह दुनिया की सबसे ऊँची चोटी है।
- **कंचनजंगा**– 8598 मीटर (यह भारत में हिमालय की सबसे ऊँची चोटी है– सिक्किम में)।

2. **लघु हिमालय, मध्य हिमालय या हिमाचल**
(Outer Himalayas or The Shiwaliks)
- यह हिमालय की सबसे दक्षिणी श्रेणी है। इसकी औसत ऊँचाई 1000 मी. है। इसमें मिट्टी और कंकड़ के बने ऊँचे मैदान मिलते हैं जिन्हें दुन या द्वार कहते हैं (Dehradun, Haridwar) इसके पश्चात् भारत के विशाल मैदान की शुरुआत होती है।

नोट– भारत की सबसे ऊँची चोटी के–2 (काराकोरम) या गॉडविन ऑस्टिन है (ऊँचाई : 8611 मी.) जो काराकोरम श्रेणी में है न कि हिमालय में। यह पाक–अधिकृत कश्मीर में है तथा वृहत् हिमालय के उत्तर में स्थित हैं।

❖ हिमालय के अलावा उत्तर–पूर्व भारत में कुछ अन्य पर्वत श्रेणियाँ भी हैं–
- जस्कर व लद्दाख श्रेणी– कश्मीर में
- पटकई, लुशाई, गारो, खासी, जयन्तिया, बुम, मीजो श्रेणी– पूर्वी राज्यों में।

3. **प्रायद्वीपीय पर्वत**

➢ **अरावली पर्वत**
- यह राजस्थान से लेकर दिल्ली के दक्षिण–पश्चिम तक विस्तृत है। इनकी कुल लम्बाई लगभग 880 किमी. है।
- यह विश्व की सबसे पुरानी पर्वतमाला है।
- गुरु शिखर 1722 मीटर इनकी सबसे ऊँची चोटी है। इस पर प्रसिद्ध पर्यटन–स्थल माउण्ट आबू स्थित है।

➢ **विन्ध्याचल पर्वत**
- यह पर्वतमाला पश्चिम में गुजरात से लेकर पूर्व में उत्तर–प्रदेश तक जाती है।
- यह विन्ध्याचल, भारनेर, कैमूर व पारसनाथ पहाड़ियों का सम्मिलित रूप है।
- विन्ध्याचल पर्वत ही उत्तर व दक्षिण भारत को स्पष्ट रूप से अलग करता है। इसकी औसत ऊँचाई 900 मी. है।

➢ **सतपुड़ा पर्वत**
- सतपुड़ा पश्चिम में राजपीपला से आरम्भ होकर छोटा नागपुर के पठार तक विस्तृत है।
- महादेव और मैकाल पहाड़ियाँ भी इस पर्वतमाला का हिस्सा हैं। 1350 मी. ऊँची धूपगढ़ चोटी इसकी सबसे ऊँची चोटी है।

➢ **पश्चिमी घाट या सह्याद्रि**
- इसकी औसत ऊँचाई 1200 मीटर है और यह पर्वतमाला 1600 किमी. लम्बी है।
- इस श्रेणी में दो प्रमुख दर्रे हैं– थालघाट (यह नासिक को मुम्बई से जोड़ता है) एवं भोरघाट (इससे मुम्बई–कोलकाता रेलमार्ग गुजरता है)।
- तीसरा दर्रा पालघाट (इससे तमिलनाडु व केरल जुड़ते हैं) इस श्रेणी के दक्षिणी हिस्से को मुख्य श्रेणी से अलग करता है।

➢ **पूर्वी घाट**
- इसकी औसत ऊँचाई 615 मीटर है और यह श्रेणी 1300 किलोमीटर लम्बी है।
- पूर्वी घाट के अंतर्गत दक्षिण से उत्तर की ओर पहाड़ियों को पालकोंड़ा, अन्नामलाई, जावादा और शिवराय की पहाड़ियों के नाम से जाना जाता है।
- इस शृंखला की सबसे ऊँची चोटी महेन्द्रगिरी (1501 मीटर) है।

➢ **नीलगिरि या नीले पर्वत**
- नीलगिरि की पहाड़ियाँ, पश्चिमी घाट व पूर्वी घाट की मिलन स्थली है।
- नीलगिरि की सबसे ऊँची चोटी दोद्दाबेट्टा (Doddabetta) है।

नोट–
✓ सुदूर–दक्षिण में इलायची की पहाड़ियाँ हैं। इन्हें इल्लामलाई पहाड़ी भी कहते हैं।
✓ प्रायद्वीपीय भारत का सबसे ऊँची चोटी अन्नाईमुडी (2695 मीटर) है जो अन्नामलाई पहाड़ियों में है।

पर्वत चोटी	देश	समुद्रतल से ऊँचाई (मीटर में)
• माउण्ट एवरेस्ट	नेपाल	8,850
• कंचनजंगा	भारत	8,598
• मकालू	नेपाल	8,481
• धौलागिरि	नेपाल	8,172
• नंगा पर्वत	भारत	8,126
• अन्नपूर्णा	नेपाल	8,078
• नन्दा देवी	भारत	7,817
• नामचबरवा	तिब्बत	7,756

भारत के प्रमुख दर्रे

कराकोरम दर्रा– यह जम्मू–कश्मीर राज्य के लद्दाख क्षेत्र में कराकोरम श्रेणियों में स्थित है। इसकी समुद्र तल से ऊँचाई 5,654 मीटर है।

जोजिला दर्रा– यह जम्मू–कश्मीर राज्य के जासकर श्रेणी में स्थित है। श्रीनगर से लेह जाने का मार्ग इसी दर्रे से गुजरता है। इसकी ऊँचाई 3529 मीटर है।

पीरपांजाल दर्रा– यह जम्मू–कश्मीर राज्य के दक्षिण–पश्चिम में स्थित है। यह पीरपांजाल के मध्य 3494 मीटर ऊँचा है।

भारत की भू–आकृतिक इकाइयां

इकाइयाँ	क्षेत्रफल (वर्ग किमी. में)	कुल क्षेत्रफल का प्रतिशत
उत्तरी पर्वत श्रेणियाँ	5,78,000	17.9
विशाल मैदान	5,50,000	17.7
थार मरुस्थल	1,75,000	5.4
मध्यवर्ती उच्च भूमि	3,36,000	10.4
प्रायद्वीपीय पठार	12,41,000	38.5
तटीय मैदान	3,35,000	10.4
द्वीपीय समूह	8,300	0.3

बानिहाल दर्रा– यह जम्मू–कश्मीर राज्य के दक्षिण–पश्चिम में पीरपांजाल श्रेणियों में स्थित है। इसकी ऊँचाई 2882 मीटर है। जम्मू से श्रीनगर का मार्ग इसी दर्रे से गुजरता है।

शिपकीला दर्रा– यह दर्रा हिमाचल प्रदेश राज्य के जास्कर श्रेणी में स्थित है। इस दर्रे से होकर शिमला से तिब्बत जाने का मार्ग है।

रोहतांग दरा– हिमाचल प्रदेश में पीरपांजाल श्रेणियों में यह दर्रा स्थित है। इसकी ऊँचाई 4631 मीटर है।

बाड़ालाचा दर्रा– यह हिमाचल प्रदेश में जासकर श्रेणी में स्थित है। इसकी ऊँचाई 4512 मीटर है। मंडी से लेह जाने वाला मार्ग इसी दर्रे से होकर गुजरता है।

माना दर्रा– यह उत्तराखण्ड के कुमायूं श्रेणी में स्थित है। इस दर्रे से होकर भारतीय तीर्थयात्री मानसरोवर झील और कैलाश पर्वत के दर्शन हेतु जाते हैं।

नीति दर्रा– यह दर्रा भी उत्तराखण्ड के कुमायूं श्रेणी में स्थित है। यह 5389 मीटर ऊँचा है। यहाँ से भी मानसरोवर झील व कैलाश घाटी जाने का रास्ता खुलता है।

नाथुला दर्रा– यह सिक्किम राज्य में डोगेक्या श्रेणी में स्थित है। भारत एवं चीन के बीच युद्ध में यह अपने सामरिक महत्व के कारण अधिक चर्चा में रहा। यहाँ से दार्जिलिंग और चुंबी घाटी होकर तिब्बत जाने का मार्ग है।

जेलेपला दर्रा– यह दर्रा भी सिक्किम राज्य में है। भूटान जाने वाला मार्ग इसी दर्र से होकर गुजरता हैं

बोमडिला दर्रा– यह अरुणाचल प्रदेश के उत्तर–पश्चिमी भाग में स्थित है। बोमडिला से तवांग होकर तिब्बत जाने का मार्ग है।

यांग्याप दर्रा– अरुणाचल प्रदेश के उत्तर–पूर्व में स्थित इस दर्रे के पास से ही ब्रह्मपुत्र नदी गुजरती है। यहाँ से चीन के लिए भी मार्ग खुलता है।

दिफू दर्रा– अरुणाचल प्रदेश के पूर्व में भारत–म्यांमार सीमा पर यह दर्रा स्थित है।

थाल घाट– यह महाराष्ट्र राज्य के पश्चिमी घाट की श्रेणियों में स्थित है। इसकी ऊँचाई 583 मीटर है। यहाँ से होकर दिल्ली–मुंबई के प्रमुख रेल व सड़क मार्ग गुजरते हैं।

भोरघाट– यह दर्रा भी महाराष्ट्र राज्य के पश्चिमी घाट श्रेणियों में स्थित है। पुणे–बेलगाँव रेलमार्ग और सड़क मार्ग इसी दर्रे से गुजरते हैं।

पालघाट– यह केरल राज्य के मध्य पूर्व में नीलगिरि की पहाड़ियों में स्थित है। इसकी ऊँचाई 305 मीटर है। कालीकट–त्रिचूर से कोयंबटूर–इंदौर के रेल व सड़क मार्ग इसी दर्रे से होकर गुजरते हैं।

पठार

प्रायद्वीपीय पठार	
मध्यवर्ती उच्च भूमि	**दक्कन का पठार**
• अरावली श्रेणी	• सतपुड़ा श्रेणी
• पूर्वी राजस्थान की उच्च भूमि	• महाराष्ट्र का पठार
• मालवा का पठार	• महानदी बेसिन
• बुन्देलखण्ड का पठार	• उड़ीसा उच्च भूमि
• विन्ध्यालच–बघेलखण्ड पठार	• दण्ड कारण्य
• छोटा नागपुर पठार	• तेलंगाना (आन्ध्र) पठार
• मेघालय का पठार	• तमिलनाडु पठार
	• पश्चिमी घाट
	• पूर्वी घाट

- यह भू–भाग उत्तर में गंगा–सतुलज मैदान से तथा शेष तीनों दिशाओं में समुद्र से घिरा है।
- भ्रंश घाटी में बहने वाली नर्मदा इस पठार को मुख्य रूप से दो भागों में बाँट देती है– उत्तर में मालवा का पठार तथा दक्षिण में दक्कन का पठार।
- दक्कन का पठार क्रिटेशियस–इओसिना युग (Cretaceous-Eocene Era) में लावा निकलने से निर्मित है।
- बेतवा, पार्वती, काली सिंध, माही आदि नदियाँ मालवा के पठार से होकर बहती हैं।
- मालवा पठार के दक्षिण में विन्ध्य पठार स्थित है।
- बुंदेलखण्ड पठार मालवा पठार के उत्तर व उत्तर–पूर्व में स्थित है।
- इनके पूर्व में छोटा नागपुर का पठार है जिसका सबसे बड़ा भाग रांची का पठार है। यहाँ खनिजों की भरमार है।
- दक्कन का पठार भारत में सबसे बड़ा पठार है। इसके अंतर्गत महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गुजरात, कर्नाटक और आन्ध्र प्रदेश राज्यों के भू–भाग आते हैं।
- गोदावरी नदी इसे दो भागों में विभक्त कर देती है– तेलंगाना पठार व कर्नाटक पठार।
- इसकी उत्तरी सीमा ताप्ती नदी बनाती है।

मैदान

- भारत का विशाल मैदान विश्व के सबसे अधिक उपजाऊ व घनी आबादी वाले भू–भागों में से एक है।
- इस विशाल मैदान का निर्माण नदियों द्वारा बहाकर लाये गये निक्षेपों से हुआ है।
- इसकी मोटाई गंगा के मैदान में सबसे ज्यादा व पश्चिम में सबसे कम है।
- इसकी पश्चिमी सीमा राजस्थान मरुभूमि में विलीन हो गयी है।
- केरल में इन मैदानों में समुद्री जल भर जाता है और ये लैगून बन जाते हैं। यहाँ इन्हें कयाल (Kayals or Backwaters) कहा जाता है। इनमें सबसे बड़ा लैगून वैम्बानद झील (Vembanad संमद्ध है। जो केरल में स्थित है।

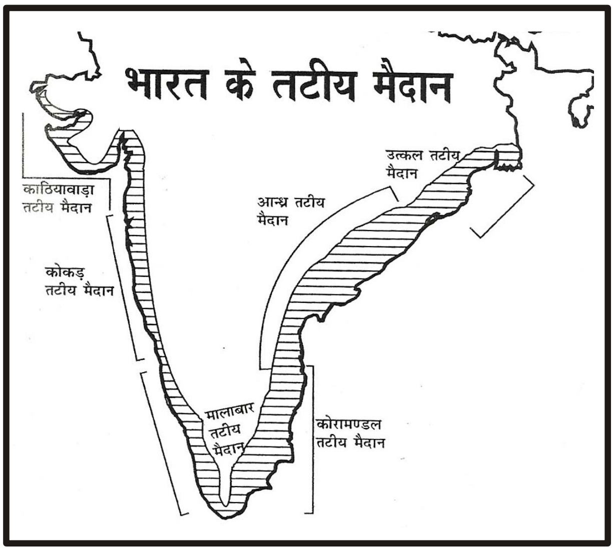

- मिट्टी की विशेषता और ढाल के आधार पर इन्हें प्रमुख तौर पर चार भागों में बाँटा गया है–
    - **भाभर प्रदेश–** हिमालयी नदियों द्वारा पर्वतीय क्षेत्रों से टूटकर गिरे पत्थरों–कंकड़ों को लाने से बना मैदान भाभर कहलाता है। इसमें पानी धरातल पर नहीं ठहरता है।
    - **तराई प्रदेश–** भाभर से नीचे तराई प्रदेश फैला रहता है। यह निम्न समतल मैदान है, जहाँ नदियों का पानी इधर–उधर दलदली क्षेत्रों का निर्माण करता है।
    - **बांगर प्रदेश–** यह नदियों द्वारा लाई गयी पुरानी जलोढ़ मिट्टी से निर्मित होता है। इसमें कंकड़ भी पाये जाते हैं जो कैल्शियम से बने होते हैं।
    - **खादर प्रदेश–** यह प्रत्येक वर्ष नदियों द्वारा लाई मिट्टी से निर्मित होता है। इसकी उर्वरा शक्ति सबसे ज्यादा होती है।

भारत के द्वीप

- भारत में सबसे लंबी तट रेखा (Coast line) गुजरात राज्य की, फिर आन्ध्र प्रदेश राज्य की और फिर महाराष्ट्र राज्य की है।

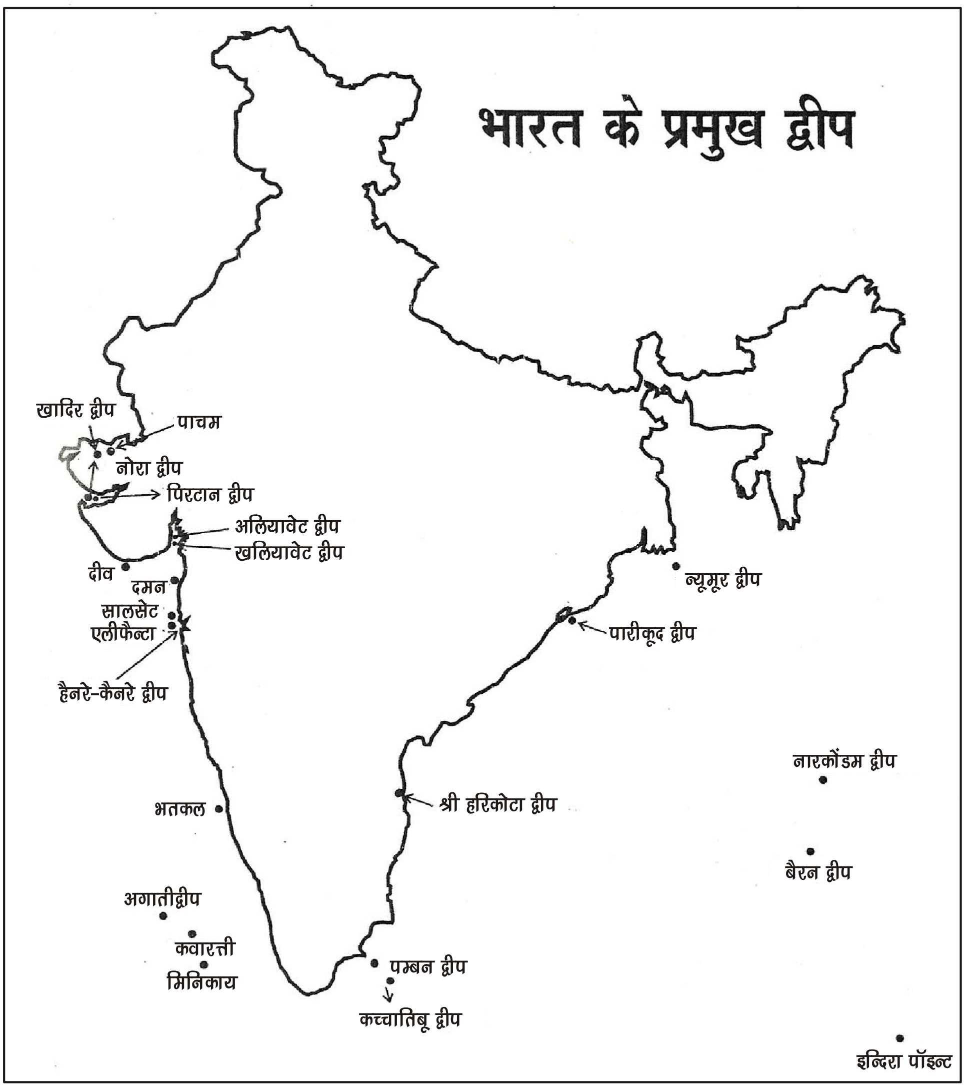

- भारतीय सीमा में निम्नलिखित द्वीप शामिल हैं–
    - **अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह**
        - यह द्वीप समूह बंगाल की खाड़ी में स्थित है।
        - अण्डमान समूह में 204 द्वीप है, जिनमें मध्य अण्डमान (Middle Andaman) सबसे बड़ा है।
        - यह विश्वास किया जाता है कि ये द्वीप समूह देश के उत्तर–पूर्व में स्थित पर्वत श्रृंखला का विस्तार है।
        - उत्तर अण्डमान में स्थित कैंडल पीक (Sadale Peak) सबसे ऊँची (737 मीटर) चोटी है।
        - निकोबार समूह में 19 द्वीप हैं जिनमें ग्रेट निकोबार सबसे बड़ा है।
        - ग्रेट निकोबार सबसे दक्षिण में स्थित है और इण्डोनेशिया के सुमात्रा द्वीप से केवल 147 किमी. दूर हैं
        - बेरन (Barren) एवं नारकोन्डम (Narcondam) ज्वालामुखीय द्वीप हैं जो अंडमान निकोबार द्वीप समूह में स्थित है।
        - डंकन पैसेज (Duncan Passage) दक्षिण अण्डमान एवं लिटिल अण्डमान के बीच है।
        - 10 डिग्री चैनल लिटिल अण्डमान एवं कार निकोबार के बीच है। यह अण्डमान को निकोबार से अलग करता है।

- **लक्ष्यद्वीप समूह**
  - ये द्वीप अरब सागर में स्थित है।
  - इस समूह में 25 द्वीप हैं। ये सभी मूँगे के द्वीप (Coral Islands) हैं एवं प्रवाल भित्तियों (Coral Reefs) में घिरे हैं।
  - इनमें तीन द्वीप मुख्य हैं– लक्षद्वीप (उत्तर में), मिनीकॉय (दक्षिण में), कावारत्ती (मध्य में)।
  - 9 डिग्री चैनल कावारत्ती को मिनीकॉय से अलग करती है।
  - 8 डिग्री चैनल मिनीकॉय द्वीप (भारत) को मालदीव से अलग करता है।

हिमनद (Glacier)

- हिमनद (Glacier) एक बर्फ संहति है जो उच्च स्थल से निम्न स्थल की ओर धीरे–धीरे खिसकती रहती है।
- ध्रुवीय क्षेत्रों के बाहर भीतर में (काराकोरम तथा हिमालय श्रेणियों) विश्व के सबसे बड़े ग्लेशियर मिलते हैं।
- काराकोरम श्रेणी के कुछ मुख्य ग्लेशियर निम्न हैं–
  - सियाचिन (विश्व में सबसे बड़ा)– 72 वर्ग किलोमीटर (क्षेत्रफल)।
  - फेडचिनको (Fedchenko)
  - हिस्पर (Hispar)
  - बियाफो (Biafo)
  - बलतोरो (Baltoro)

भारत : नदी प्रणाली

- भारत में नदियों को मुख्य रूप से दो भागों में विभक्त किया जा सकता है–
  - हिमालयीय नदियाँ एवं
  - प्रायद्वीपीय नदियाँ

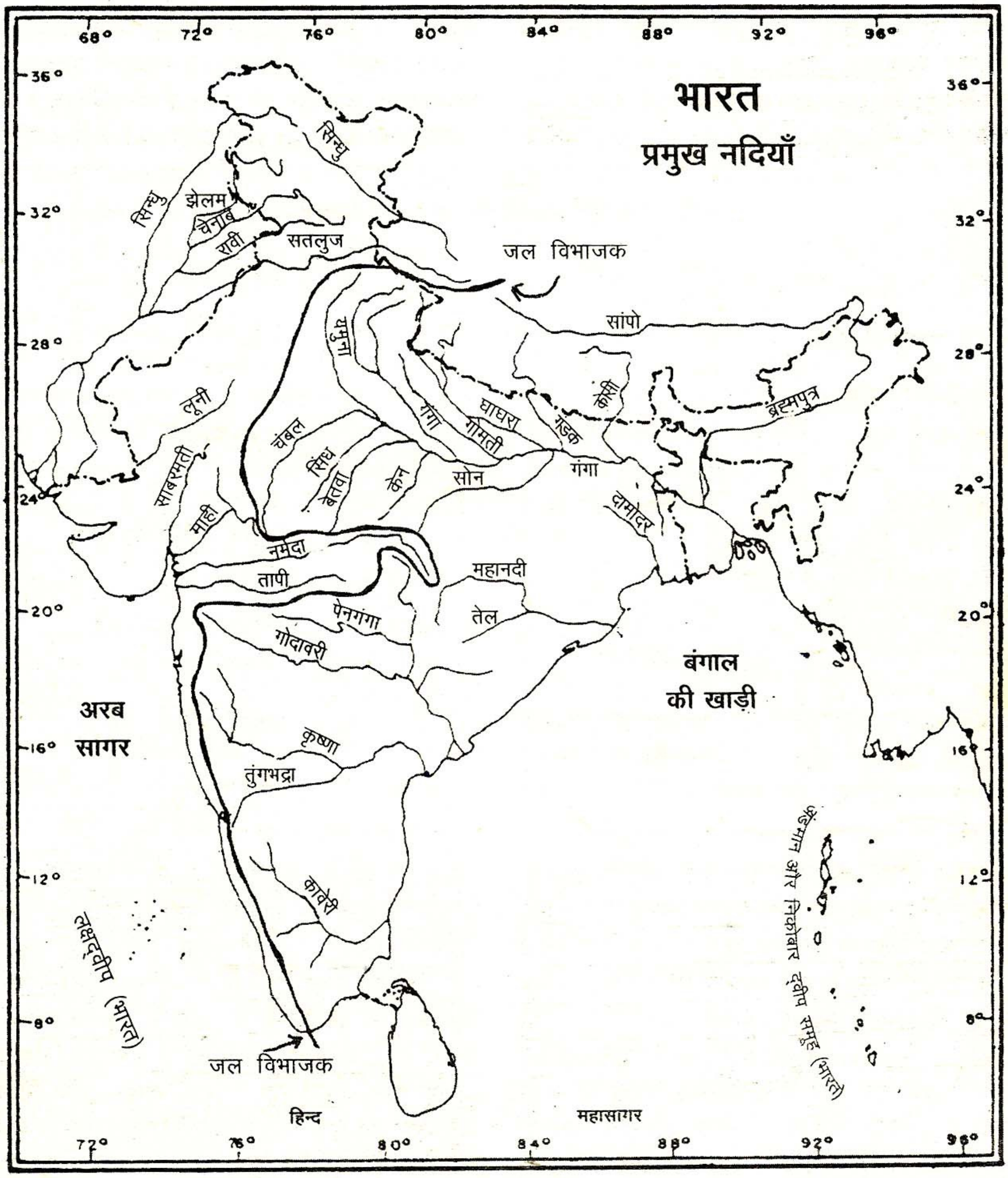

हिमालयीय नदियाँ

❖ हिमालय से निकलने वाली नदियाँ बारह मास प्रवाहित होती हैं (Perennial Rivers) इसकी कुछ प्रमुख नदियाँ निम्न हैं–

1. **सिन्धु नदी तंत्र**

- सिन्धु नदी का उद्गम स्थित स्थल तिब्बत (चीन) में मानसरोवर झील के पास स्थित सानोख्वाब हिमनद (Glacier) है।
- इस नदी की लंबाई 2880 किमी. है, जबकि भारत में इसकी लंबाई 709 किमी. है। यह अंततः पाकिस्तान से होकर अरब सागर में विलीन हो जाती है।
- सिंधु नदी के साथ बहने वाली सहायक नदियों में जम्मू–कश्मीर की नदियाँ हैं– गरतांग, श्योक, शिगार, नुब्रा, गिलगित।
- बाकी नदियाँ व उद्गम स्थल इस प्रकार हैं–

नाम	उद्गम स्थल	संगम/ मुहाना	लंम्बाई किमी.
सतलज	मानसरोवर झील के समीप स्थित राकस ताल	चिनाब नदी	1050
रावी	कांगड़ा जिले में रोहतांग दर्रे के समीप	चिनाब नदी	720
व्यास	रोहतांग दर्रे के समीप तल	सतलज नदी	770
झेलम	बरेनाग (कश्मीर) के समीप शेषनाग झील	चिनाब नदी	725
चिनाब	बारालाचा दर्रा (लाहोल–स्फीति)	सिन्धु नदी	1800

पंजाब–हरियाणा का मैदान– इस मैदान का निर्माण सतलज, रावी और व्यास नदियों द्वारा हुआ है। इसकी औसत ऊँचाई 250 मीटर है। यह मैदान मुख्यतः बांगड़ से निर्मित है। इस मैदान में नदियों के किनारे बाढ़ से प्रभावित एक संकरी पेटी पाई जाती है। जिसे बेट कहा जाता है। दो नदियों के बीच की भूमि को दोआब कहा जाता है।

1. विष्ट दोआब : व्यास एवं सतलज के बीच
2. बारी दोआब : व्यास एवं रावी के बीच
3. रचना दोआब : रावी एवं चेनाव के बीच
4. चाज दोआब : चेनाब एवं झेलम के बीच
5. सिंध सागर दोआब : झेलम, चेनाब एवं सिंधु के बीच

नोट :

✓ सतलज नदी तिब्बत के नारी खोरसन (Nari Khorsan) प्रांत में एक असाधारण कैनियन का निर्माण करती है जो कोलांराडो नदी (अमेरिका) के ग्रांड कैनयन (Grand Canyon) के समान है।

✓ सन् 1960 ई. में भारत और पाकिस्तान के बीच हुई सिंधु जल संधि के अनुसार, भारत सिंधु, झेलम और चिनाब नदियों का केवल 20% जल ही उपयोग में ला सकता है।

- झेलम का संस्कृत नाम वितस्ता है, चिनाब का अस्किनी अथवा चंद्रभागा, रावी का पुरूष्णी अथवा इरावती, व्यास का विपासा अथवा अर्गिकिया तथासतलज का शतुन्द्री।

2. **गंगा नदी तंत्र**

- गंगा नदी नाम देवप्रयाग में प्राप्त करती है जहाँ भागीरथी (उद्गम स्थल–गंगोत्री) अलकनन्दा (उद्गम स्थल–बद्रीनाथ) से मिलती है।
- इससे पहले अलकनन्दा में मन्दाकिनी (उद्गम–स्थल केदारनाथ) से मिलती है।
- गंगा नदी की कुल लम्बाई 2525 किमी. है, जिसमें से उत्तरांचल तथा उत्तर प्रदेश में 1450 किमी., बिहार में 445 किमी. तथा पश्चिम बंगाल में 520 किमी. है।
- गंगा की सहायक नदियाँ इस प्रकार है–

नाम	उद्गम स्थल	संगम/ मुहाना	लंम्बाई किमी.
यमुना	बन्दरपूँछ के पश्चिमी ढाल पर स्थित यमुनोत्री में हिमानी	गंगा नदी (इलाहाबाद)	1375
चम्बल	मध्यप्रदेश में महू के समीप स्थित जनापाव पहाड़ी	यमुना नदी	1050
घाघरा	मत्सातुंग हिमानी	गंगा नदी	1080
गण्डक	नेपाल	गंगा नदी	425
कोसी	गोसाई धाम चोटी के उत्तर में	गंगा नदी	730
बेतवा	विन्ध्याचल पर्वत	यमुना नदी	480
सोन	अमरकण्टक की पहाड़ियाँ	गंगा नदी	780

- यमुना, गंगा की सबसे बड़ी सहायक नदी है। चंबल, सिंध, बेतबा और केन इसकी स्वयं की सहायक नदियाँ हैं।
- हुगली नदी (कोलकता में) गंगा की एक प्रमुख वितरिका (Distributary) है।
- **गंगा को बांग्लादेश में पद्मा के नाम से जाना जाता है।** पद्मा, ब्रह्मपुत्र (जिसका बंग्लादेश में नाम–जमुना है) से मिल जाती है और बंगाल की खाड़ी में गिर जाती है। गंगा व ब्रह्मपुत्र बांग्लादेश में **विश्व का सबसे बड़ा डेल्टा, सुन्दरवन डेल्टा का निर्माण करती है।**
- बंगाल की खाड़ी में गिरने से पहले पद्मा में से मेघना (Meghna) नामक एक प्रमुख वितरिका निकलती है।

3. **ब्रह्मपुत्र नदी तंत्र**

- यह 2900 किमी. लंबी नदी मानसरोवर झील के पास स्थित चीमायुंगदुंग हिमानी से निकलती है।
- तिब्बत (चीन) में इसका नाम सांग्पो (Tsang po) एवं भारत में प्रवेश करने पर अरूणाचल प्रदेश में दिहांग (Dihang) है।
- असम में इसे ब्रह्मपुत्र कहा जाता है और बांग्लादेश में जमुना कहा जाता है।
- इसकी सहायक नदियाँ सुबनसेरी, कामेंग, धनसीरी, मानस, तीस्ता आदि हैं।
- गंगा व ब्रह्मपुत्र विश्वका सबसे बड़ा डेल्टा (सुन्दरवन) बनाती हैं।

नोट–

✓ यह ध्यान देने योग्य बात है कि भारत में बहने के अनुसर सबसे लम्बी नदी गंगा है और भारत में प्रवाहित होने वाली नदियों की कुल लंबाई के आधार पर ब्रह्मपुत्र सबसे लंबी नदी है।

✓ ब्रह्मपुत्र भारत की सबसे बड़ी नदी (Largest river of India) (जल की मात्रा के हिसाब से) है।

प्रायद्वीपीय नदियाँ

- ❖ इनमें से लगभग सभी नदियाँ मौसमी (Seasonal) होती हैं अर्थात् लगातार बारह महीने नहीं बहती बल्कि बारिश पर निभर होती हैं।
- ❖ इन्हें दो भागों में बाँटा जा सकता है– पूर्वी प्रवाह वाली नदियाँ तथा पश्चिमी प्रवाह वाली नदियाँ।

1. पूर्वी प्रवाह वाली नदियाँ

- ये सभी नदियाँ बंगाल की खाड़ी में गिरती हैं और डेल्टा बनाती हैं। इनमें प्रमुख नदियाँ निम्न हैं–

नाम	उद्गम स्थल	संगम/ मुहाना	लंम्बाई किमी.
कृष्णा	महाबलेश्वर के समीप पश्चिमी घाट पहाड़	बंगाल की खाड़ी	1327
गोदावरी	नासिक जिले (महाराष्ट्र) के दक्षिण पश्चिम में 64 किमी. दूर स्थित, त्रयंबक गांव की एक पहाड़ी	बंगाल की खाड़ी	1465
कावेरी	कर्नाटक के कुर्ग जिले में स्थित ब्रह्मगिरि पहाड़ी	बंगाल की खाड़ी	805
	तुंगभद्रा घाट पहाड़	कर्नाटक में पश्चिम	कृष्णा नदी 640
पेन्नार	नन्दीदुर्ग पहाड़ी (कर्नाटक)	बंगाल की खाड़ी	570
महानदी	मध्य प्रदेश के रामपुर जिले के सिंहवा के समीप	बंगाल की खाड़ी (कटक के समीप)	858

- गोदावरी को वृद्ध गंगा या दक्षिणी गंगा भी कहा जाता है। इसकी सहायक नदियाँ– मंजरा, पेनगंगा, वर्धा, इंद्रावती, वेनगंगा, शबरी आदि है।
- महानदी की सहायक नदियाँ– ईब, सेओनाथ, हसदो, मांड, जोंक, तेल आदि हैं।
- कृष्णा की सहायक नदियाँ– कोयना, दूधगंगा, पंचगंगा, भीमा, तुंगभद्रा, मूसी है।
- कावेरी दूसरी नदियों के मुकाबले कम मौसमी प्रकृति की हैं अर्थात् इसमें अधिक समय तक पानी रहता है। इसका कारण है कि इसका ऊपर का हिस्सा गर्मियों में दक्षिण–पश्चिमी मानसून से और नीचे का हिस्सा सर्दियों में लौटते हुए उत्तर–पूर्वी मानसून से जल प्राप्त करता है। यह भारत की सबसे ज्यादा प्रयोग में लायी गई (Most Harnessed) नदी है। इसकी 90-95% सिंचाई व जल–शक्ति क्षमता प्रयोग में ली जा चुकी है।
- काबेरी की सहायक नदियाँ– हेमवती, लोकपावनी, शिमसा, लक्ष्मणतीर्थ आदि है।
- इनके अलावा सुवर्ण रेखा और ब्राह्मणी नामक दो छोटी नदियाँ भी रांची के पठार से निकल कर बंगाल की खाड़ी में गिरती है। ये हुगली व महानदी के डेल्टाओं के बीच डेल्टा बनाती है।

2. पश्चिमी प्रवाह वाली नदियाँ

- ये पश्चिम की ओर बहती है तथा डेल्टा नहीं बनाती हैं इनमें प्रमुख नदियाँ हैं–

नर्मदा	विंध्याचल पर्वत श्रेणियों में स्थित अमरकण्टक नामक स्थान	खम्भात की खाड़ी	1057
ताप्ती	बैतूल जिले (म.प्र.) के मुल्ताई नगर के पास	खम्भात की खाड़ी	724
माही	विंध्याचल पर्वत श्रेणी	खम्भात की खाड़ी	560
लूनी	अजमेर जिले में स्थित नाग पहाड़ (अरावली पर्वत)	कच्छ की खाड़ी	450
घग्घर	कालका के समीप हिमालय	हनुमानगढ़ (राजस्थान)	494
साबरमती	उदयपुर जिले का दक्षिण पश्चिमी भाग (अरावती पर्वत)	कच्छ का रण क्षेत्र	416

- नर्मदा भेड़ाघाट (मध्य प्रदेश) में धुआँदार नामक झरनें (Dhuandhar falls) का निर्माण करती हैं। इसकी मुख्य सहायक नदियाँ– हिरन, बुरनेर, बंजर, शेर, शक्कर, तवा आदि हैं।
- ताप्ती या तापी को नर्मदा की जुड़वाँ नदी के रूप में जाना जाता है। इसकी सहायक नदियाँ– पुरना, बैतूल, अरूणावती, गंजल आदि हैं।
- लूनी को लवण नदी (Salt River) के नाम से जाना जाता है।
- श्रावती (Sharavati) नदी पश्चिमी घाट से निकलती हैं। यह प्रसिद्ध जोग या गोरसोप्पा जल प्रपात बनाती हैं जो भारत में सबसे ऊँचा (289 मीटर) जल प्रपात है।

3. अंतःस्थलीय नदियाँ

- कुछ नदियाँ ऐसी होती है जो सागर तक नहीं पहुंच पाती और रास्ते में ही लुप्त हो जाती हैं। ये अंतःस्थलीय (Inland drainage) नदियाँ कहलाती हैं।
- घग्घर (Ghaggar) नदी इसका मुख्य उदाहरण हैं। यह एक मौसमी नदी हैं जो हिमालय की निचली ढालों से (कालका के समीप) निकलती है और अनुमानगढ़ (राजस्थान) में लुप्त हो जाती हैं। घग्घर को ही वैदिक काल की सरस्वती माना जाता है।
- अन्य उदाहरण– लूनी, कांतली, सावी, काकनी आदि हैं।

झील

- ❖ चिल्का झील (उड़ीसा) भारत की सबसे बड़ी + लैग्कन झील है।
- ❖ वुलर झील (जम्मू–कश्मीर) मीठे पानी की सबसे बड़ी झील है।
- ❖ लोनार झील (महाराष्ट्र) ज्वालामुखी क्रिया से निर्मित है।
- ❖ भारत की सबसे ऊँची हिमानी–निर्मित झील देवताल झील है। यह गढ़वाल हिमालय में स्थित है।
- ❖ सांभर झील (राजस्थान) से नमक का औद्योगिक उत्पादन किया जाता है।

THE INSTITUTE

भारत की प्रमुख झीलें

झील	संबंधित राज्य
चिल्का झील	उड़ीसा
सांभर झील	राजस्थान
हुसैन सागर झील	आन्ध्र प्रदेश
डल झील	जम्मू–कश्मीर
वूलर झील	जम्मू–कश्मीर
डीडबाना झील	राजस्थान
कोलेरू झील	आन्ध्र प्रदेश
पुलीकट झील	तमिलनाडु
शेषनाग झील	जम्मू–कश्मीर
मानसबल झील	जम्मू–कश्मीर
बेम्बनाद झील	केरल
जयसमंद झील	राजस्थान
नक्की झील	राजस्थान
लोकटक झील	मणिपुर

नोट : भारत में मानव निर्मित सबसे बड़ी झील इन्दिरा सागर है, जो ओंकालेश्वर, महेश्वर तथा सरदार सरोवर बांध परियोजना (गुजरात–मध्य प्रदेश) का जलाशय है।

भारत : जलवायु

भारत के जलवायु प्रदेश

- अनेक विद्वानों ने भारत को जलवायु प्रदेशों में विभाजित करने का प्रयास किया है। इन प्रयासों में ट्रवार्था (Trevartha) का जलवायु प्रादेशीकरण काफी प्रचलित हैं। इस वर्गीकरण के आधार पर भारत को निम्नलिखित जलवायु प्रदेशों में विभाजित किया जा सकता है।

1. ऊष्णकटिबंधीय वर्षावन जलवायु

- देश के उत्तरी–पूर्वी भाग तथा पश्चिमीतटीय मैदान इस प्रदेश के अंतर्गत आते हैं। इन क्षेत्रों में वार्षिक वर्षा 200 सेमी. (कुछ क्षेत्रों में 800 सेमी.) से अधिक होती है तथा तापमान वर्षभर 18.2° से. से अधिक रहता है। इस ऊष्ण जलवायु प्रदेश के कुछ भागों में तापमान वर्षभर 29° से. तक पाए जाते हैं। **देश का सर्वाधिक वर्षा का स्थान मासिनराम, जो चेरापुंजी के निकट मेघालय में है,** इसी प्रदेश में स्थित है। इन क्षेत्रों में ऊँची आर्द्रता वनस्पति की वृद्धि के लिए अनुकूल है। इन क्षेत्रों की प्राकृतिक सघन वर्षा वन है तथा ये वन सदाहरति होते हैं।

2. ऊष्ण कटिबंधीय सवाना जलवायु

- सहयाद्रि के वृष्टि छाया में आने वाले अर्द्ध शुष्क जलवायु के क्षेत्र को छोड़कर लगभग पूरे प्रायद्वीपीय पठार में इस प्रकार की जलवायु पाई जाती है। इस क्षेत्र में भी औसत मासिक तापमान 18.2° से. से अधिक रहता है। वार्षिक तापांतर ऊष्णकटिबंधीय वर्षा वनों के क्षेत्रों की अपेक्षा अधिक ऊँचा होता है। वर्षा की मात्रा भी न केवल कम है बल्कि वर्षा ऋतु भी अपेक्षाकृत छोटी होती है। वर्षा की औसत वार्षिक मात्रा पश्चिम में 76 सेमी. से पूर्व में 152 सेमी. के बीच होती है। इन क्षेत्रों की वनस्पति में वर्षा की मात्रा के अनुसार विभिन्नता पाई जाती है। अपेक्षाकृत नम क्षेत्रों में पतझड़ वालेवन पाए जाते हैं तथा अपेक्षाकृत शुष्क क्षेत्रों की वनस्पति काँटेदार झाड़ियों तथा पर्णपाती वृक्षों का सम्मिश्रण होती है।

3. ऊष्णकटिबंधीय अर्द्धशुष्क स्टेपी जलवायु

- यह जलवायु मध्य महाराष्ट्र से तमिलनाडु तक विस्तृत वृष्टि छाया की पेटी में पाई जाती है। कम तथा अनिश्चित वर्षा इस जलवायु की प्रमुख विशेषता हैं औसत वार्षिक वर्षा 38.1 सेमी. से 72.2 सेमी. है तथा तापमान दिसंबर में 20° से. से 28.8° से. के मध्य रहता हैं ग्रीष्मकाल में औसत मासिक तापमान 32.8° से. तक चला जाता है। वर्षा की सीमित मात्रा तथा अत्यधिक अनियमितता के कारण ये क्षेत्र सूखाग्रस्त रहते हैं जिससे इस क्षेत्र में कृषि को हानि पहुँचती है। जलवायु के दृष्टिकोण से यह क्षेत्र केवल पशुपालन तथा शुष्क कृषि के लिए अनुकूल है। इस क्षेत्र में उगने वाली वनस्पति में काँटेदार वृक्षों तथा झाड़ियों की अधिकता पाई जाती है।

4. ऊष्ण तथा उपोष्ण कटिबंधीय स्टेपी जलवायु

- थार के मरुस्थल तथा गंगा के मैदान के अधिक नम क्षेत्रों के मध्य स्थित पंजाब से थार तक फैले एक विस्तृत क्षेत्र में इस प्रकार की जलवायु पाई जाती है। इस क्षेत्र के दक्षिण तथा दक्षिण–पूर्व में प्रायद्वीपीय पइार के अपेक्षाकृत नम क्षेत्र स्थित हैं। इस क्षेत्र की जलवायु उत्तरी तथा थार के मरुस्थल के बीच संक्रमण प्रकार की हैं। वर्षा 30.5 तथा 63.5 सेमी. के मध्य होती है तथा तापमान 12° से. से 35° से. के मध्य रहता है। ग्रीष्मकाल में तापमान ऊँचा होता है तथा अनेक बार 45° से. तक पहुँच जाता है। वर्षा की मात्रा सीमित ही नहीं अपितु यह अत्यधिक अनियमित भी है। यह क्षेत्र केवल शुष्क कृषि तथा पशुपालन के लिए अनुकूल हैं। कृषि केवल सिंचाई की सहायता से संभव है।

5. ऊष्णकटिबंधीय मरुस्थली जलवायु

- राजस्थान के पश्चिमी भाग तथा कच्छ के रन के कुछ भागों में इस प्रकार की जलवायु पाइ जाती है। इन क्षेत्रों में वर्षा बहुत कम होती है तथा कई बार कई वर्षों तक वर्षा नहीं होती। वर्षा की औसत मात्रा 30.5 सेमी. से कम, कई भागों में 12 सेमी. से भी कम, होती है। इन खेत्रों में भीषण गर्मी होती है। शीतकाल में तापमान अपेक्षाकृत नीचा होता है तथा इस क्षेत्र के उत्तरी भागों में जनवरी में औसत तापमान 11.60 से. तक गिर जाता हैं इस शुष्क जलवायु के क्षेत्र में वनस्पति आवरण बहुत ही कम है। केवल काँटेदार पौधे और कुछ घास ही इस क्षेत्र में उग पाते हैं।

6. आर्द्र शीतकाल वाली नम उपोष्ण जलवायु

- इस प्रकार की जलवायु हिमालय से दक्षिण में एक विस्तृत क्षेत्र में पाई जाती है। इस जलवायु प्रदेश के दक्षिण में ऊष्णकटिबंधीय सवाना प्रदेश तथा इसके पश्चिम में ऊष्ण तथा उपोष्ण कटिबंधीय स्टेपी प्रदेश हैं। आर्द्र शीतकाल वाला यह जलवायु क्षेत्र हिमालय के साथ–साथ पंजाब से असम तक विस्तृत है तथा अरावली से पूर्व का राजस्थान का क्षेत्र भी इसी जलवायु प्रदेश के अंतर्गत सम्मिलित कियाजाता है। इस प्रदेश में वर्षा का औसत 63.5 सेमी. से 125.4 सेमी. तक है। इसके उत्तरी भाग में, हिमालय से संलग्न क्षेत्र में वर्षा अधिक होती है तथा दक्षिण की ओर पूर्व से पश्चिम की ओर भी कम होती जाती है। अधिकांश वर्षा ग्रीष्मकाल में होती है तथा कुछ क्षेत्रों में पश्चिमी विक्षोभों के प्रभाव से शीतकाल में भी वर्षा होती है।

7. पर्वतीय जलवायु

- इस प्रकार की जलवायु का प्रमुख क्षेत्र हिमालय क्षेत्र है। पर्वतीय क्षेत्रों में सूर्य के सम्मुख तथा इससे विमुख ढालों पर तापमान में काफी विषमता पाई जाती है। हिमालय क्षेत्र में वर्षा की मात्रा सामान्यता पूर्व से पश्चिम की ओर घटती जाती है। पवनों के अभिमुख तथा विमुख ढालों के बीच भी वर्षण में महत्वपूर्ण अंतर पाया जाता है। सामान्यता हिमालय के दक्षिणी ढालों पर, जो दक्षिणी–पश्चिमी मानसून पवनों के अभिमुख ढाल हैं, वर्षा की मात्रा उत्तरी ढालों की अपेक्षा अधिक होती है। यही कारण है कि हिमालय के दक्षिणाभिमुख ढालों पर वनस्पति का आवरण भी सामान्यतः अधिक घना पाया जाता है।

ऋतुएँ

ऋतु	भारतीय कैलेंडर के अनुसार महीने	अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार महीने
• बसंत	चैत्र–बैसाख	मार्च–अप्रैल
• ग्रीष्म	ज्येष्ठ–आषाढ़	मई–जून
• वर्षा	श्रावण–भाद्र	जुलाई–अगस्त
• शरद	आश्विन–कार्तिक	सितंबर–अक्टूबर
• हेमंत	मार्गशीष–पौष	नवंबर–दिसंबर
• शिशिर	माघ–फाल्गुन	जनवरी–फरवरी

- भारत में निम्न चार ऋतुएँ होती हैं–

शीत ऋतु

- भारत में शीत ऋतु, दिसंबर, जनवरी व फरवरी माह में होती है। शीत ऋतु के दौरान तापमान सामान्यतः 21°C रहता हैं
- शीत ऋतु काल में उत्तरी भारत में वायु दाब उच्च रहता है व उत्तर–पूर्वी व्यापारिक पवनें स्थल से समुद्र की ओर प्रवाहमान रहती है जिससे शीत ऋतु शुष्क रहती है।
- शीत ऋतु में पश्चिमी विक्षोभ के कारण वर्षा होती है। ऐसा क्षीण चक्रवातीय अवदबावों के कारण होता है। पश्चिमी विक्षोभ की उत्पत्ति पूर्वी भूमध्य सागर में होती है जो पूर्व की ओर बढ़ कर पश्चिमी एशिया, ईरान, अफगानिस्तान व पाकिस्तान को पार करके भारत पहुँचता है व मार्ग में कैस्पियन सागर व फारस की खाड़ी से प्राप्त आर्द्रता के द्वारा उत्तरी भारत में वर्षा करता है।
- तमिलनाडु में शीतकाल में वर्षा होगी।
- शीत ऋतु में आने वाली व्यापारिक पवनों के उत्तर–पूर्वी मानसून कहते हैं। इन व्यापारिक पवनों से उत्तर–भारत में रबी की फसल को विशेष लाभ होता है। इस समय पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में अत्यधिक हिमपात के साथ–साथ चेन्नई में भी भारी वर्षा होती है।

ग्रीष्म ऋतु

- भारत में मार्च–जून के मध्य ग्रीष्म ऋतु होती है। मार्च माह में सूर्य के कर्क रेखा की ओर गमन के कारण भारत में तापमान बढ़ने लगता है। तापमान बढ़ने के कारण दक्षिण का तापमान मार्च में 43°C तक पहुँच जाता है। उत्तरी भारत में यह सिथिति मध्य मई में आती है।
- तापमान बढ़ने के साथ–साथ वायुदाब भी घटता जाता है। इस समय निम्न वायुदाब का केन्द्र राजस्थान व नागपुर के पठारी क्षेत्रों में बनता है। मार्च–मई के मध्य वायु की दिशा व मार्ग में परिवर्तन होने से पछुआ पवन चलती है जो लू कहलाती है। ये अत्यंत उष्ण व शुष्क होती है। आर्द्र व शुष्क पवनों के मिलने से आँधी चलती है व वर्षा होती है। पश्चिम बंगाल, कोलकाता में काल वैशाखी वर्षा इसका उदाहरण है।
- दक्षिण भारत व असम में मई माह में होने वाली वर्षा अत्यंत लाभदायक होती है। असम में यह वर्षा चाय के लिए लाभप्रद होती है व इसे चाय वर्षा कहते हैं। इस प्रकार केरल कर्नाटक में इसे आम्रवृष्टि कहते हैं। यह वर्षा जूट, चाय, कहवा, चावल के लिए उपयोगी होती है।

वर्षा ऋतु (मानसून)

- भारत में वर्षा ऋतु का काल जून–सितंबर के मध्य रहता है।
- जून माह में सूर्य की करणों कर्क रेखा पर सीधी पड़ रही रहती हैं। जिसके कारण पश्चिमी मैदानी भागों में पवन गर्म होकर ऊपर उठ जाती है व कम दबाव का क्षेत्र बन जाता है। कम दबाव का क्षेत्र इतना प्रबल होता है कि कम दबाव क्षेत्र को भरने के लिए दक्षिणी गोलार्द्ध की व्यापारिक पवनें भूमध्य रेखा पार कर जब ये पवनें भारतीय उपमहाद्वीप की ओर बढ़ती हैं तो पृथ्वी की गति के कारण इनकी दिशा में परिवर्तन हो जाता है तथा ये दक्षिण–पश्चिम दिशा में बहने लगती हैं। इसी कारण जून–सितंबर के मध्य होने वाली वर्षा को **दक्षिण–पश्चिम मानसूनी वर्षा** कहते हैं। मानसून पवनें, व्यापारिक पवनों के विपरीत परिवर्तनशील होती हैं।
- दक्षिणी गोलार्द्ध की व्यापारिक पवनों का उद्‌गम स्थल समुद्र में होता हैं जब ये पवनें भारतीय उपमाहद्वीप में प्रवेश करती हैं तो अरब सागर व बंगाल की खाड़ी से नमी प्राप्त कर लेती है। मानसूनी पवनें भारतीय सागरों में मई माह के अंत में प्रवेश करती है। दक्षिण–पश्चिम मानसून सर्वप्रथम लगभग 5 जून के आसपास केरल तट पर वर्षा करता है व महीने भर में संपूर्ण भारत में वर्षा होने लगती है। **भारतीय उपमाहद्वीप की स्थलाकृति के कारण दक्षिण–पश्चिम मानसून निम्नलिखित दो शाखाओं में विभक्त हो जाता है–**
  - ➢ अरब सागर शाखा,
  - ➢ बंगाल की खाड़ी शाखा।

THE INSTITUTE

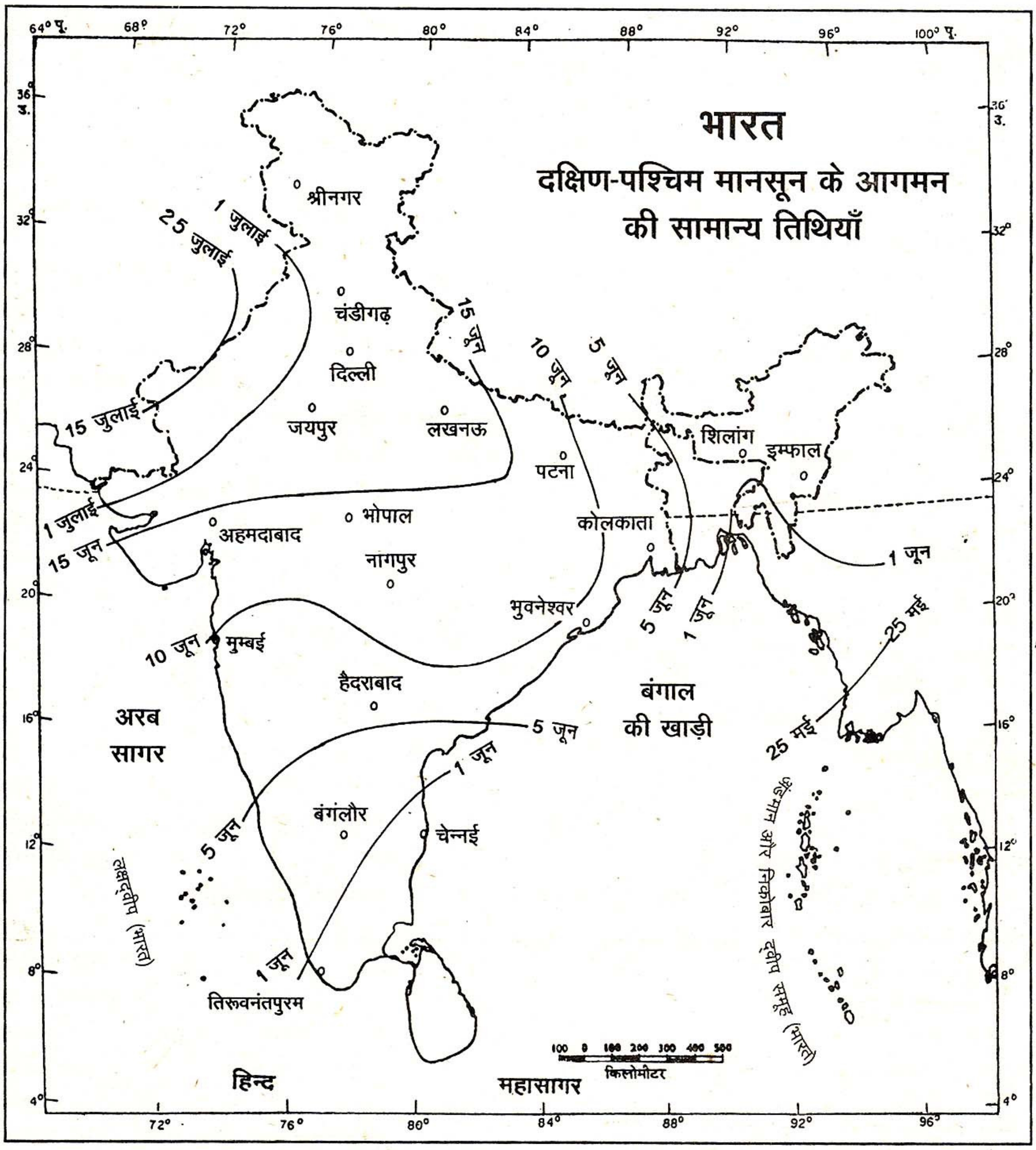

1. **अरब सागर शाखा (मानसून)**
   - यह शाखा देश के पश्चिमी तटों, पश्चिमी घाटों, महाराष्ट्र, गुजरात व मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों में वर्षा करती है। पंजाब में बंगाल की खाडत्री से आनेवाली मानसूनी शाखा से मिल जाती है। यह शाखा पश्चिम घाटों पर भारी वर्षा करती है, परंतु दक्कन के पश्चिमी घाट के दृष्टि–छाया प्रदेश में होने के कारण इन क्षेत्रों में अल्प वर्षा हो पाती है। इसी प्रकार गुजरात व राजस्थान में पर्वत अवरोधों के अभाव के कारण वर्षा कम हो पाती है।
   - दक्षिण–पश्चिम मानसून की दोनों शाखाओं में अरब सागर शाखा अधिक शक्तिशाली है और यह शाखा बंगाल की खाड़ी की शाखा की अपेक्षा लगभग तीन गुना अधिक वर्षा करती है। इसके दो कारण हैं, पहला– बंगाल की खाड़ी शाखा का एक ही भाग भारत में प्रवेश करता है और दूसरा भाग म्यांमार व थाईलैण्ड की ओर मुड़ जाता है।
   - अरब सागर मानसून की उत्तरी शाखा, गुजरात, कच्छ की खाड़ी व राजस्थान से प्रवेश करती है। यहाँ पर्वतीय अवरोध न होने के कारण इन क्षेत्रों में यह शाखा वर्षा नहीं करती तथा सीधे उत्तर–पश्चिम की पर्वतमालाओं से टकराकर जम्मू–कश्मीर व हिमाचल प्रदेश में भारी वर्षा करती है। मैदानी भागों की ओर लौटते समय नमी की मात्रा कम होती है। अतः लौटती पवनों के द्वारा राजस्थान में अल्प वर्षा होती है।

2. **बंगाल की खाड़ी शाखा (मानसून)**
   - मानसून की बंगाल की खाड़ी शाखा उत्तर दिशा में बंगाल, बांग्लादेश व म्यांमार की ओर बढ़ती है। म्यांमार की ओर बढ़ती मानसून पवनों का एक भाग अराकम पहाड़ियों से टकराकर भारतीय उपमहाद्वीप के पश्चिम बंगाल व बांग्लादेश में आता है।
   - यह शाखा हिमालय पर्वतमाला के समांतर बढ़ते हुए गंगा के मैदान में वर्षा करती हैं। हिमालय पर्वतमाला मानसूनी पवनों को पार जाने से रोकती हैं व संपूर्ण गंगा बेसिन में वर्षा होती है। उत्तर व उत्तर–पूर्व की ओर बढ़ी शाखा उत्तर–पूर्वी भारत में भारी वर्षा करती है। मेध्झालय में तथा गारो, खासी व जयंतिया पहाड़ियों कीपनुमा स्थाकृति की रचना करती है जिसके कारण यहाँ अत्यधिक वर्षा होती है। **विश्व में सर्वाधिक वर्षा वाला स्थान चेरापूंजी (वर्तमान में मासिनराम) इन्हीं पहाड़ियों में स्थित है।**

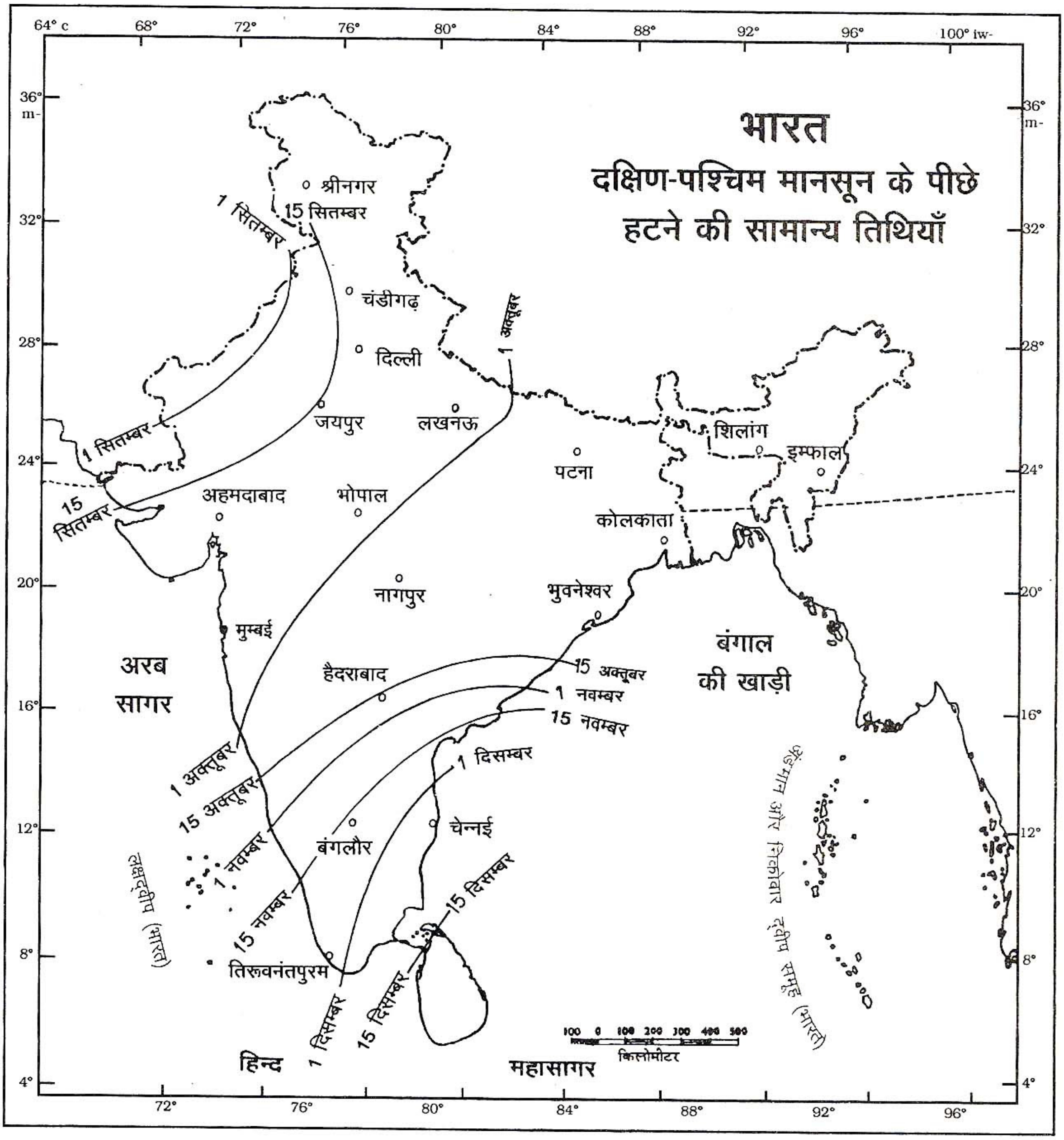

शरद ऋतु

- शरद ऋतु उष्ण बरसाती मौसम से शुष्क व शीत मौसम के मध्य संक्रमण का काल है। शरद ऋतु का आरंभ सितंबर मध्य में होता है। यह वह समय है जब दक्षिण–पश्चिम मानसून लौटता है– लौटते मानसून के दौरान तापमान व आर्द्रता अधिक होती है जिसे **''अक्टूबर हीट''** कहते हैं। मानसून के लौटने पर प्रारंभ में तापमान बढ़ता है परंतु उसके उपरांत तापमान कम होने लगता है।
- तापमान में कमी का कारण यह है कि इस अवधि में सूर्य की किरणें कर्क रेखा से भूमध्य रेखा की ओर गमन कर जाती हैं व सितंबर में सीधी भूमध्य रेखा पर पड़ती हैं। साथ ही उत्तर भारत के मैदानों में कम दबाव का क्षेत्र इतना प्रबल नहीं रहता कि वह मानसूनी पवनों को आकर्षित कर सकें।
- सितंबर मध्य तक मानसूनी पवनें पंजाब तक वर्षा करती हैं। मध्य अक्टूबर तक मध्य भारत में व नवंबर के आरम्भिक सप्ताहों में दक्षिण भारत तक मानसूनी पवनें वर्षा कर पाती हैं और इस प्रकार भारतीय उपमहाद्वीप से मानसून की विदाई नवंबर अंत तक हो जाती है। यह विदाई चरणबद्ध होती है इसीलिए इसे **''लौटता दक्षिण–पश्चिम मानसून''** कहते हैं।
- शरद ऋतु में बंगाल की खाड़ी से चक्रवात उठते हैं जो भारत व बांग्लादेश में भयंकर तबाही मचाते हैं। चक्रवातों के कारण पूर्वी तटों पर भारी वर्षा होती है।

T.I. Highlights

ग्रीष्म ऋतु में **मानसून पूर्व की वर्षा** प्राप्त होती है जो भारत के औसत वार्षिक वर्षा का लगभग **10 प्रतिशत** होती है। विभिन्न भागों में इस वर्षा के अलग–अलग स्थानीय नाम हैं। यथा–

(i) आम्र वर्षा (Mango shower) : ग्रीष्म ऋतु के खत्म होते–होते पूर्व मानसून बौछारें पड़ती हैं, जो केरल में यह एक आम बात है। स्थानीय तौर पर इस तूफानी वर्षा को **आम्र वर्षा** कहा जाता है, क्योंकि यह आमों को जल्दी पकने में सहायता देती हैं कर्नाटक में इसे **कॉफी वर्षा** (Coffee shower) एवं **चेरी ब्लॉसम** कहाा जाता है।

(ii) फूलों वाली बौछार : इस वर्षा से केरल व निकटवर्ती कहवा उत्पादक क्षेत्रों में कहवा के फूल खिलने लगते हैं।

(iii) काल बैसाखी : असम और पश्चिम बंगाल में बैसाख के महीने में शाम को चलने वाली ये भयंकर व विनाशकारी वर्षायुक्त पवनें हैं। इनकी कुख्यात प्रकृति का अंदाजा इनके स्थानीय नाम काल बैसाखी से लगाया जा सकता है। जिसका अर्थ है– बैसाख के महीने में आने वाली तबाही। **चाय, पटसन व चावल के लिए ये पवने अच्छी हैं।** असम में इन तूफानों को **'बारदोली छीड़ा'** अथवा **'चाय वर्षा' (Tea Shower)** कहा जाता है।

(iv) लू : उत्तरी मैदान में पंजाब से बिहार तक चलने वाली ये शुष्क, गर्म व पीड़ादायक पवनें हैं। दिल्ली और पटना के बीच इनकी तीव्रता अधिक होती है।

भारत : प्राकृतिक वनस्पति

➲ भारत में निम्नलिखित प्रकार के वन पाये जाते हैं–

वनस्पति क्षेत्र	वर्षा	क्षेत्र	वनस्पति की विशेषताएँ	वृक्ष
उष्ण कटिबन्धीय आर्द्र सदाबहार वन	वार्षिक वर्षा 250 सेमी. से अधिक पूरे वर्ष अधिक तापमान एवं नमी वाला क्षेत्र	900 मी. से नीचे वाले क्षेत्र में। पश्चिमी घाट, तमिलनाडु, कर्नाटक, केरल, पश्चिम बंगाल के छोटे–छोटे भाग, तटीय उड़ीसा, अन्दमान–निकोबार और उत्तर–पूर्वी क्षेत्र।	वृक्ष अपने पत्ते कभी एक साथ नहीं गिराते और तीन और चार स्तरों में व्यवस्थित रहते हैं।	मुख्यतः कठोर लकड़ी वाले वृक्ष–राजवुड, महोगनी, इबोनी, एबनोस, बाँस, रबर, सीन्कोना, चन्दन आदि।
उष्ण कटिबन्धीय अर्द्ध सदाबहार वन	200 से 250 सेमी. वार्षिक वर्षा	असम, पश्चिम बंगाल, तटीय उड़ीसा, और पश्चिम घाट में सदाबहार वन के पूर्वी सीमा पर संकीर्ण पट्टी का निर्माण करता है।	वृक्ष वितान कम घने होते हैं और तलाओं और (epiphytes) की प्रमुखता होती है। यह वनस्पति सदापर्णी वृक्ष और पर्णपाती वृक्ष के बीच संक्रमण है।	**मुख्य वृक्ष–** कदम, रोजवुड, कान्जू, चम्पा और आम।
उष्ण कटिबन्धीय पर्णपाती वन	वर्षा 200 सेमी. से कम जिसमें 156–200 सेमी. वर्षा युक्त मानसून वन <156 सेमी. वर्षा युक्त उष्ण कटिबन्धीय शुष्क पर्णपाती वन कहलाता है।	पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, छोटानागपुर का पठार, पश्चिमी घाट का पूर्वी ढलान और हिमालय का निचला भाग।	ग्रीष्म में वृक्ष छह से आठ सप्ताह तक पत्ते गिरते रहते हैं, ग्रीष्म में वृक्ष वाष्पोत्सर्जन को कम करने के लिए।	उत्तर में साल, मध्य तथा पश्चिमी भाग में टीक, दक्षिणोत्तर भाग में चंदन। सीसो, महुआ, नीम खैर आदि।
उष्ण कटिबन्धीय काँटेदार वन	50–75 सेमी. वर्षा	आंतरिक पठारी भाग, पूर्वी राजस्थान, पूर्वी और उत्तरी पंजाब, उत्तरी गुजरात, आन्ध्रप्रदेश के कुछ भाग।	झड़ने वाले छोटे काँटेदार वृक्ष जो 10 मी. तट ऊँचाई वाले होते हैं।	ऐकेशिया, बबूल, इयूफोरबिया, खैर, खजूर आदि।

मरुस्थलीय वनस्पति	वार्षिक वर्षा 10–50 से.	राजस्थान के पश्चिमी भाग।	झाड़ियाँ दूर–दूर फैले रहते हैं।	कैकटस, काँटेदार झाड़ियाँ आदि।
हिमालय वनस्पति	वर्षा 75 सेमी. से 125 सेमी. के बीच	हिमालय के पहाड़ी क्षेत्र, जम्मू और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश।	ऊँचाई के साथ वनस्पति में परिवर्तन होता है।	चौड़े पत्ते और कोणीय आकार के वृक्ष मुख्य वनस्पति हैं। जैसे–पाइन, ओक, चीड़, देवदार, ब्लू पाइन, सिल्वर फर आदि (पश्चिम हिमालय में) और ओक, लॉरेल और चेस्टनट (पूर्वी हिमालय क्षेत्र में)।
दलदली गरान (Mangrove) वनस्पति	औसतन 40 से 200 सेमी. वर्षा वाले क्षेत्र	कुछ स्थानों पर बहुत घना–पश्चिमी घाट, गंगा, महानदी, कृष्णा, कावेरी और गोदावरी डेल्टा। सन्दरवन सबसे उपर्युक्त उदाहरण।	ज्वार के कारण खारा पानी स्वच्छ पानी से निचले तटीय क्षेत्र में मिलकर ऐसे वनस्पति के उपजने में मदद करते हैं जिनमें अवस्तम्भ जड़ें (Stilt Root) और जो असंख्य आरोही लतायें युक्त होती हैं।	सुन्दरी, नारियल, पाइन, केवड़ा, बेंत, क्रू आदि
उपोष्ण आर्द्र पहाड़ी वन	वर्षा 150–300 से. मी. के बीच	पूर्वी हिमालय में 900 मी. से ऊपर और पश्चिमी हिमालय वाले क्षेत्र।	कोणधारी वृक्ष और पृथुपर्णी वृक्ष का मिश्रित वन	पाइन और ओक
शीतोष्ण वन		1830 मी. से अधिक ऊँचाई पर पूर्वी हिमालय में और 1500 मी. से अधिक ऊँचाई पर पश्चिमी हिमालय वाले क्षेत्र में।	सदाबहार कोणधारी वन	देवदार, भारतीय चेस्टनट, मैगनोलिया, ब्लू पाइन, ओंक और हेमलॉक।
अल्पाइन वन		पूर्वी हिमालय में 3650 मी. ऊँचाई तक	पौधे इतने छोटे और एक दूसरे से इतने सटे हुए होते हैं कि वे मुलायम कालीन की तह लगाते हैं।	स्प्रूस, फर, वर्च, जूनिपर और रोडोडेन्ड्रॉन। अल्पाइन वनस्पति और घास की वनस्पति के ऊपर पथरीले भाग में मिलते हैं जहाँ कुछ काई और कुछ जड़ी बूटियाँ मिलती है जब तक कि स्थायी हिम रेखा नहीं पहुँच जाती है।

THE INSTITUTE

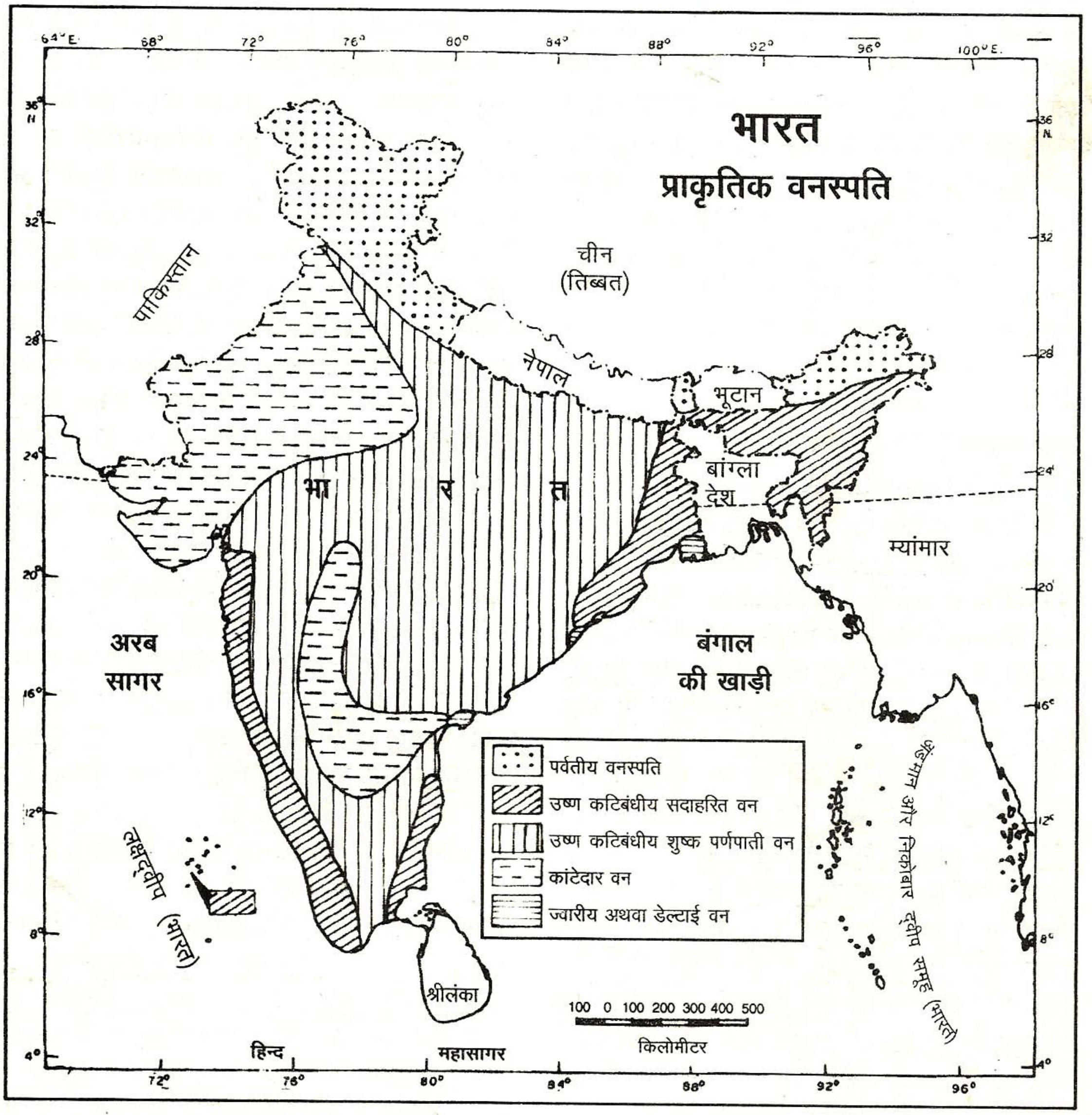

नोट : राष्ट्रीय वन नीति के अनुसार देश के 33.3% क्षेत्र पर वन होने चाहिए।

वन सम्बन्धी तथ्य

- 12वीं वन स्थिति रिपोर्ट–2011 के अनुसार कुल वन क्षेत्रफल 692027 वर्ग किमी. है। (कुल भू–भाग का 21.05%)
- देश में सर्वाधिक वन क्षेत्रफल वाले राज्य–

  1. मध्य प्रदेश 2. अरुणाचल प्रदेश 3. छत्तीसगढ़ 4. महाराष्ट्र
- देश में न्यूनतम वन क्षेत्रफल वाले राज्य–

  1. हरियाणा 2. पंजाब 3. गोवा 4. सिक्किम
- भौगोलिक क्षेत्र के प्रतिशत की दृष्टि से सर्वाधिक वन वाले राज्य/संघीय क्षेत्र (अपने भौगोलिक क्षेत्र के सापेक्ष)

  1. मिजोरम (90.28%) 2. लक्षद्वीप (84.38%) 3. अ.नि.द्वी.स. (81.51%) 4. अरुणाचल प्रदेश (80.50%)
- सबसे बड़े मैंग्रोव क्षेत्र वाले राज्य/संघीय क्षेत्र

  1. प. बंगाल (2152 वर्ग किमी.) 2. गुजरात (1064 वर्ग किमी.) 3. अ.नि.द्वी.स. (615 वर्ग किमी.)
- देश में सबसे ज्यादा बांस के वन वाले राज्य

  1. अरुणाचल प्रदेश 2. मध्य प्रदेश 3. महाराष्ट्र
- राष्ट्रीय कृषि वानिकी अनुसंधान केन्द्र, झाँसी (उ.प्र.) में स्थित है।
- केन्द्रीय मरुक्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर (राजस्थान) में स्थित है।

भारत : मिट्टियाँ

➲ भारत में मुख्य रूप से आठ प्रकार की मिट्टियाँ पायी जाती हैं–

1. **जलोढ़ मिट्टी (Alluvial Soil)–**
   - उत्तर भारत के विशाल मैदानों में यह मिट्टी नदियों द्वारा लाकर जमा की गयी है तथा समुद्री तटों पर समुद्री लहरों द्वारा। यह मिट्टी दो उपवर्गों में बँटी हुई है– नयी मिट्टी (खादर) एवं पुरानी जलोढ़ मिट्टी (बांगर)। धान, गेहूँ, दलहन, तिलहन, गन्ना एवं जूट की खेती के लिए यह मिट्टी बहुत उपयुक्त है। यह 46.2 प्रतिशत क्षेत्र में है।

2. **काली मिट्टी (Black Soil or Regur Soil)–**
   - यह मिट्टी मुख्यतः दक्कन के लावा क्षेत्र में पाई जाती है। इस मिट्टी का रंग गहरा काला होता है क्योंकि इसमें लोहा, एल्यूमीनियम और मैग्नीशियम लवण की मात्रा अधिक होती है। इस मिट्टी के कण घने होते हैं जिसके कारण नमी धारण करने की क्षमता अधिक होती है। इसका क्षेत्र महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश, कर्नाटक और आन्ध्र प्रदेश में फैला हुआ है। यह मिट्टी कपास की फसल के लिए अच्छी होती है।

3. **लाल मिट्टी (Red Soil)–**
   - इसका निर्माण स्वेदार आग्नेय शैल जैसे ग्रेनाइट तथा निस के विखण्डन से हुआ है। कहीं–कहीं इसका रंग पीला, भूरा, चॉकलेटी और काला भी पाया जाता है। रंग की विभिन्नता का कारण लोहे के अंश की विभिन्नता है। मुख्य रूप से यह मिट्टी दक्षिणी भारत में मिलती है। इस मिट्टी की प्रधान उपज ज्वार–बाजरा, दलहन, तम्बाकू आदि है।

4. **लैटेराइट मिट्टी (Laterite Soil)–**
   - इसका निर्माण मानसूनी जलवायु के विशेष लक्षण–आर्द्र एवं शुष्क मौसम के क्रमिक परिवर्तन के कारण निक्षालन की प्रक्रिया (leaching away) द्वारा होता है। इसमें सिलिका की कमी होती है। इसमें लोहा तथा ऐल्युमीनियम अधिक होता है। ऊँचाई वाले क्षेत्रों में मिलने वाली लैटेराइट निम्न क्षेत्र में पाई जाने वाली लैटेराइट की तुलना में ज्यादा अम्लीय होती है। यह मिट्टी झारखण्ड के राजमहल, पूर्वी और पश्चिमी घाटों के क्षेत्रों एवं मेघालय के पहाड़ी क्षेत्रों में पायी जाती है। इसम तथा पश्चिम बंगाल के उत्तरी भाग में भी यह मिट्टी पायी जाती है। इसकी प्रधान उपज चाय, कॉफी आदि है।

5. **मरुस्थलीय मिट्टी (Desert Soil)–**
   - अरावली श्रेणी के पश्चिमी में जलवायु की शुष्कता तथा भीषण ताप के कारण नंगी चट्टानें विखण्डित होकर ये मिट्टी बनाती हैं। यह मिट्टी राजस्थान तथा हरियाणा के दक्षिण–पश्चिमी भाग में पायी जाती हैं। इसमें सिंचाई की उपलब्धता के द्वारा कृषि कार्य सम्भव है।

6. **वन एवं पर्वतीय मिट्टी (Forests and Mountain Soil)–**
   - इस प्रकार की मिट्टी अधिकांशतः वनों एवं पर्वतीय क्षेत्रों में मिलती है। ये मिट्टियाँ उन क्षेत्रों को घेरती हैं, जहाँ या तो पर्वतीय ढाल हो या वन्य क्षेत्रों में घाटियाँ हों। इसमें जैविक पदार्थों तथा नाइट्रोजन की अधिकता होती है।
   - यह हिमालय के पर्वतीय भागों तमिलनाडु, कर्नाटक, मणिपुर, आदि जगहों पर मिलती है।

7. **लवणीय एवं क्षारीय मिट्टी (Saline and Alkaline Soils)–**
   - ये अनुर्वर एवं अनुत्पादक रेह, ऊसर एवं कल्लर के रूप में भी जानी जाती है। ये मिट्टियाँ अपने में सोडियम, कैल्शियम, मैग्नीशियम समाहित करती हैं।
   - उत्तरी भारत के सूखे एवं अर्द्ध सूखे क्षेत्रों, यथा– पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान तथा बिहार के कुछ हिस्सों में इस मिट्टी का विस्तार है।

8. **पीट एवं जैविक मिट्टी (Prary and Marshy Soils)–**
   - उच्च घुलनशील लवण एवं जैविक पदार्थों से युक्त पीट मिट्टी केरल के अलप्पी व कोट्टायम जिले, बिहार के पूर्वोत्तर भाग, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश तथा पश्चिम बंगाल के कुछ क्षेत्रों में मिलती है।

शीर्ष पाँच लवणीय मृदा वाले राज्य

राज्य	क्षेत्रफल लाख हेक्टेयर
• गुजरात	12.16
• प. बंगाल	8.20
• आन्ध्र प्रदेश	5.88
• हरियाणा	5.00
• तमिलनाडु	4.70

THE KINSTITUTE

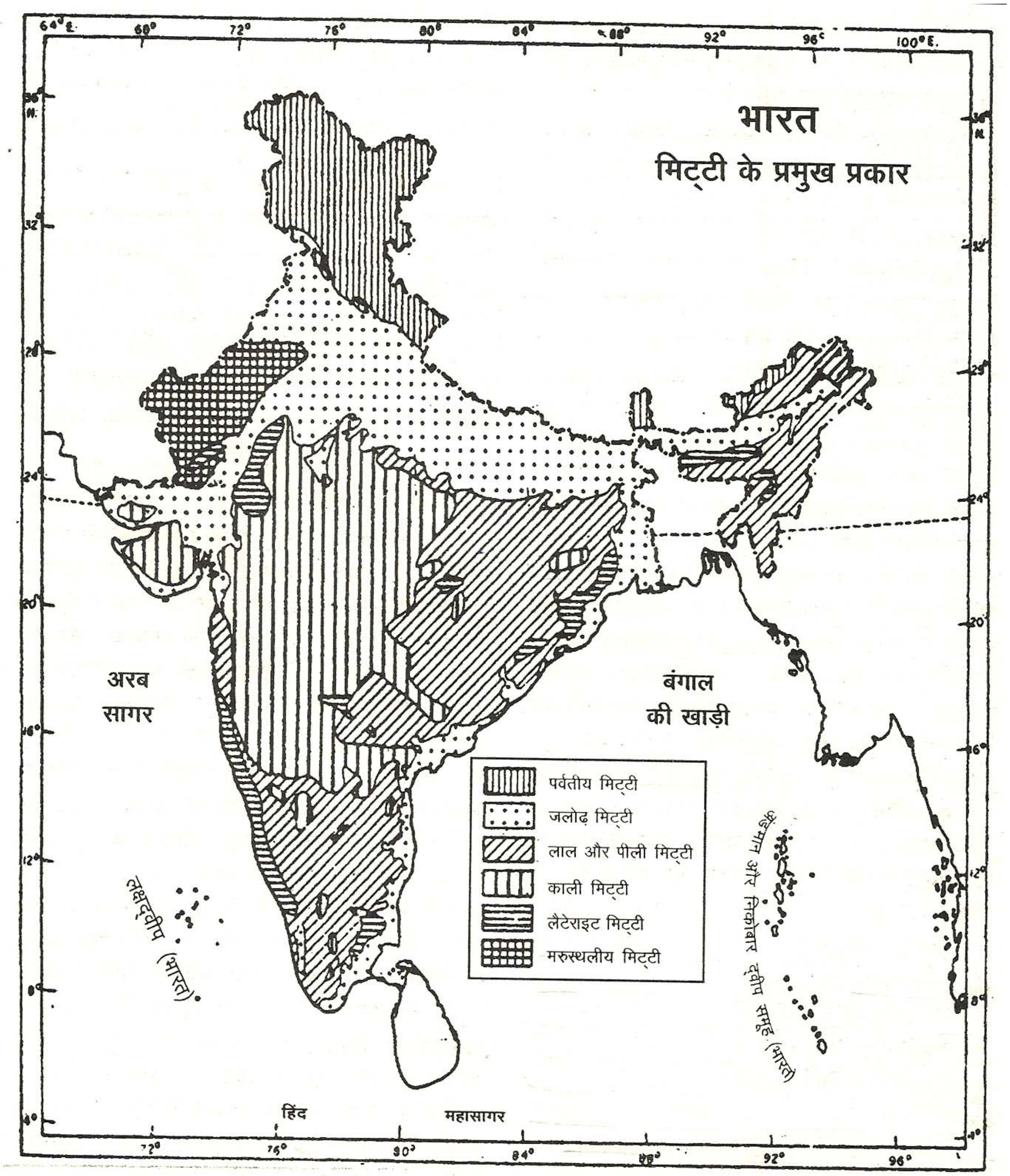

T.I. Highlights

पारिस्थितकीय आधार पर मृदा अधोलिखित प्रकार की होती है। यथा–

1. **अवशिष्ट मिट्टी** (Residual Soil)– जो मिट्टी बनने के स्थान पर ही पड़ी रहती है उसे **अवशिष्ट मिट्टी** कहते हैं।
2. **वाहित मिट्टी** (Transported Soil)– यह मिट्टी बनने वाले स्थान से बहकर आई हुई मिट्टी होती है।
3. **जलोढ़ मिट्टी** (Alluvial Soil)– जो मिट्टी जल द्वारा बहकर दूसरे स्थान पर पहुंचती है।
4. **वातोढ़ मिट्टी** (Eoilan)– जो मिट्टी वायु द्वारा उड़कर दूसरे स्थानपर पहुंचती है।
5. **शैल, मलवा मिट्टी** (Colluvial)– जो मिट्टी पृथ्वी के आकर्षण के द्वारा दूसरे स्थान पर पहुंचती है।

भारत के प्रमुख राष्ट्रीय उद्यान/अभयारण्य

क्र.सं.	राष्ट्रीय उद्यान/अभयारण्य	राज्य	प्रमुख वन्य जीव
1.	मानस वन्य जीव अभयारण	असम	भालू, चीता, हाथी, लंगूर
2.	काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान	असम	एक सींग वाला गैंडा, हाथी
3.	गरम पानी वन्य जीव अभयारण	असम	घड़ियाल
4.	औरांग वन्य जीव अभयारण	असम	–
5.	पक्कुई वन्यजीव अभयारण	अरुणाचल प्रदेश	हाथी, हिरण, अजगर
6.	नामदफा वन्य जीव अभयारण	अरुणाचल प्रदेश	–
7.	जिम कॉरवेट राष्ट्रीय उद्यान (भारत का पहला राष्ट्रीय पार्क)	उत्तराखण्ड	बाघ, चीता, हिरण, भालू, हाथी
8.	गोविन्द पशु विहार	उत्तराखण्ड	–
9.	नन्दा देवी जीवन आरक्षित क्षेत्र	उत्तराखण्ड	काला भलू, भूरा भालू, कस्तूरी मृग, सुनहरा बाज
10.	वैली ऑफ फ्लावर्स	उत्तराखण्ड	–
11.	बांदीपुर राष्ट्रीय उद्यान	कर्नाटक	चीता, तेंदुआ, हाथी, सागर
12.	सोमेश्वर वन्य जीव अभयारण्य	कर्नाटक	–
13.	डन्डेली वन्य जीव अभयारण	कर्नाटक	–
14.	रंगनाथिट्टू पक्षी विहार	कर्नाटक	–
15.	बनेर धट्टा राष्ट्रीय उद्यान	कर्नाटक	–
16.	नागर होल राष्ट्रीय उद्यान	कर्नाटक	चीता, हाथी, तेंदुआ, भालू, चकोर, तीतर
17.	तुंग भद्रा वन्य जीव अभयारण	कर्नाटक	–
18.	पारम्बीकुलम वन्य जीव अभयारण	केरल	जंगली सुअर, नीलगाय, हिरण, तेंदुआ, सांभर
19.	पेरियार वन्य जीव अभयारा	केरल	चीता, हाथी, तेंदुआ
20.	खगचंदजेदा राष्ट्रीय उद्यान	सिक्किम	–
21.	कंचनजंगा वन्य जीव अभयारण	सिक्किम	–
22.	दुधवा राष्ट्रीय उद्यान	उत्तर प्रदेश	चीता, बाघ, नीलगाय, सांभर
23.	चन्द्रप्रभा वन्य जीव अभयारण	उत्तर प्रदेश	भालू, नील गाय, तेंदुआ, चीता
24.	सिमली पाल वन्य जीव अभयारण	उड़ीसा	हाथी, बाघ, चीता, मगरमच्छ
25.	चिल्का अभयारण	उड़ीसा	जल कौवा, प्रवासी पक्षी, पेलीवन
26.	इन्द्रावती रा0उ0	छत्तीसगढ़	–
27.	कंगेरघाटी अभयारण	छत्तीसगढ़	–
28.	संजय राष्ट्रीय उद्यान	छत्तीसगढ़	–
29.	वोरीवली (संजय गांधी) रा0उ0	महाराष्ट्र	लंगूर, हिरण, तेंदुआ, जंगली सुअर
30.	नवेगाव राष्ट्रीय उद्यान	महाराष्ट्र	–
31.	पंच राष्ट्रीय उद्यान	महाराष्ट्र	चीता, साभर, चौसिया
32.	रणथम्बौर वन्य जीव अभयारण	राजस्थान	चीता, बाघ, शेर, लकड़बग्घा
33.	सरिस्का वन्य जीव अभयारण	राजस्थान	प्रोजेक्ट टाइगर
34.	केवला देव घाना पक्षी विहार	राजस्थान	साइबेरियन सारस, मुर्गा, घड़ियाल, साइबेरियन क्रेन
35.	गिर राष्ट्रीय उद्यान	गुजरात	शेर, साभर, तेंदुआ, जंगली सुअर
36.	नल सरोव अभयारण	गुजरात	जलपक्षी
37.	वालाराम राष्ट्रीय उद्यान	गुजरात	–
38.	जंगली गधा ओीयारण	गुजरात	गधा
39.	केवुल लमजोआ	मणिपुर	दुर्लभ जाति के हिरन

THE INSTITUTE

40.	डचीगम अभयारण	जम्मू कश्मीर	हांगुल (कश्मीरी मृग) इसे रेड डाटा बुक में उल्लेखित किया गया है।
41.	सिटी फारेस्ट (सलीन अली) अभयारण	जम्मू कश्मीर	–
42.	जलदापारा वन्य जीव ओीयारण	पश्चिम बंगाल	–
43.	सुन्दर वन टाइगर रिजर्व	पश्चिम बंगाल	–
44.	कान्हा किसली राष्ट्रीय उद्यान	मध्य प्रदेश	बाघ, चीता, तेंदुआ, बारहसिंहा
45.	पंचमढ़ी अभयारण	मध्य प्रदेश	–
46.	बाधव गढ़ राष्ट्रीय उद्यान	मध्य प्रदेश	–
47.	गांधी सागर वन्य जीव अभयारण	मध्य प्रदेश	–
48.	पन्ना राष्ट्रीय उद्यान	मध्य प्रदेश	–
49.	सिंथौली वन्य जीव अभयारण	मध्य प्रदेश	–
50.	हजारी बाग वन्य जीव अभयारण	झारखण्ड	चीता, भालू, तेंदुआ
51.	डोल्मा वन्य जीव अभयारण	झारखण्ड	हाथी, तेंदुआ, हिरण
52.	तोपचाची अभयारण	झारखण्ड	–
53.	वेतला वन्य जीव अभयारण	झारखण्ड	–
54.	कैमूर वन्य जीव अभयारण	बिहार	बाघ, नील गाय, घड़ियाल
55.	राजगीर अभयारण	बिहार	–
56.	गौतम बुद्ध वन्य जीव अभयारण	बिहार	–
57.	इंटाग्फी वन्य जीव अभयारण	नागालैण्ड	–
58.	डाम्प वन्य जीव अभयारण	मिजोरम	–
59.	रास आइलैण्ड राष्ट्रीय उद्यान	अंडमान नीकोबार द्वीप समूह	–
60	शिकटी देवी वन्य जीव अभयारण	हिमांचल प्रदेश	–
61.	रोहला राष्ट्र उद्यान	हिमांचल प्रदेश	–
62.	नोक्रेक रिजर्व	मेघालय	–
63.	वाल पक्रम अभयारण	मेघालय	–
64.	मुदुमलाई वन्य जीव अभयारण	तमिलनाडु	–
65.	वादान्तंगल पक्षी विहार	तमिलनाडु	–
66.	कावल वन्य जीव अभयारण	आन्ध्र प्रदेश	–
67.	नालापट्टी पक्षी विहार	आन्ध्र प्रदेश	–
68.	कोल्लेरू एलिकेनरी	आन्ध्र प्रदेश	–
69.	पाखाल वन्य जीव अभयारण	आन्ध्र प्रदेश	–

भारत : कृषि

➲ **रबी फसल**

- यह अक्टूबर–नवंबर में बोई जाती है तथा मार्च–अप्रैल में काटी जाती है। जैसे– गेहूँ, जौ, चना, मटर, मसूर, सरसों इत्यादि।

➲ **खरीफ फसल**

- यह जून–जुलाई में बोई जाती है तथा अक्टूबर में काटी जाती है। जैसे– चावल, मक्का, कपास, ज्वार, गन्ना, बाजरा, तम्बाकू, दालें इत्यादि।

➲ **जायद फसलें**

- यह मार्च में बोई जाती है तथा मई–जून में काटी जाती है। जैसे– ककड़ी, खीरा, तरबूज, खरबूजा इत्यादि।

➲ **नकदी फसल**

- यह वह फसल है जो व्यापार के उद्देश्य से किसानों द्वारा उगाई जाती है। जैसे– कपास, गन्ना, जूट, तम्बाकू इत्यादि।

➲ **झूम (Jhum) की खेती :**

- यह अस्थिर प्रकार की कृषि है जो एक जगह से दूसरी जगह स्थानांतरित होती रहती है।
- असम, अरूणाचल प्रदेश, मिजोरम, नागालैण्ड आदि पूर्वोत्तर राज्यों में यह कृषि प्रचलित है। इसमें जंगलों में आग लगाकर, पेड़ों को काटकर, भूमि साफ की जाती है। इसके बाद इस भूमि पर खेती की जाती है।
- 2–3 साल बाद यह भूमि त्याग दी जाती है और नई भूमि तैयार की जाती है। इस प्रकार एक के बाद एक वनों का सफाया होता रहता है।
- यह खेती पर्यावरण के लिए नुकसानदेह है क्योंकि जंगलों को समाप्त करने से पर्यावरण संतुलन बिगड़ जाता है।
- झूम खेती विश्व के अन्य देशों में भी होती है जहाँ इसे अलग–अलग नामों से पुकारा जाता है।

झूम खेती	**देश**
लाडांग (Ladang)	मलेशिया
चैंगिन (Chengin)	फिलीपीन्स
मिलपा (Milpa)	मैक्सिको
कोनुको (Konuko)	वेनेजुएला
माजोले (Masole)	जायरे बेसिन
चेना (Chena)	श्रीलंका

कृषि सम्बन्धी राज्यवार उत्पादन
(अवरोही क्रम में)
उत्पादन हजार टन में (वर्ष 2009–10 में)

- **चावल (Rice)**
  (1) पश्चिम बंगाल (2) पंजाब (3) उत्तर प्रदेश
- **गेहूँ (Wheat)**
  (1) उत्तर प्रदेश (2) पंजाब (3) हरियाणा
- **ज्वार (Jowar)**
  (1) महाराष्ट्र (2) कर्नाटक (3) मध्य प्रदेश
- **बाजरा (Bazra)**
  (1) राजस्थान (2) उत्तर प्रदेश (3) हरियाणा
- **मक्का (Miaze)**
  (1) कर्नाटक (2) आंध्र प्रदेश (3) महाराष्ट्र
- **कुल खाद्यान्न**
  (1) उत्तर प्रदेश (2) पंजाब (3) मध्य प्रदेश
- **चना (Gram)**
  (1) मध्य प्रदेश (2) महाराष्ट्र (3) आन्ध्र प्रदेश
- **अरहर (Pulse)**
  (1) महाराष्ट्र (2) मध्य प्रदेश (3) कर्नाटक
- **मूँगफली (Groundnut)**
  (1) गुजरात (2) आन्ध्रप्रदेश (3) तमिलनाडु
- **रेपसीड और सरसो**
  (1) राजस्थान (2) हरियाणा (3) मध्य प्रदेश
- **कपास (हजार बेल्स) (Cotton)**
  (1) गुजरात (2) महाराष्ट्र (3) आन्ध्रप्रदेश
- **जूट (Jute) हजार बेल्स**
  (1) पश्चिम बंगाल (2) बिहार (3) असम
- **काफी (Coffee)**
  (1) कर्नाटक (2) केरल (3) तमिलनाडु
- **चाय (Tea)**
  (1) असम (2) पश्चिम बंगाल (3) तमिलनाडु
- **प्राकृतिक रबड़ (Natural Rubber)**
  (1) केरल (2) तमिलनाडु (3) कर्नाटक
- **नारियल (Coconut)**
  (1) केरल (2) तमिलनाडु (3) कर्नाटका
- **गन्ना (Sugar Cane)**
  (1) उत्तर प्रदेश (2) महाराष्ट्र (3) कर्नाटक
- **तम्बाकू (Tobacco)**
  (1) आन्ध्रप्रदेश (2) गुजरात (3) कर्नाटक
- **आलू (Potato)**
  (1) उत्तर प्रदेश (2) पश्चिम बंगाल (3) बिहार
- **कुल रेशम (हजार किग्रा.) (Silk)**
  (1) आन्ध्र प्रदेश (2) कर्नाटक (3) पश्चिम बंगाल
- **केला (Banana)**
  (1) महाराष्ट्र (2) तमिलनाडु (3) गुजरात
- **काली मिर्च (Black Pepper)**
  (1) केरल (2) कर्नाटक (3) तमिलनाडु
- **सोयाबीन**
  (1) मध्यप्रदेश (2) महाराष्ट्र (3) राजस्थान
- **तिलहन**
  (1) मध्य प्रदेश (2) राजस्थान (3) गुजरात
- **भेड़ (हजार) (Sheep)**
  (1) आंध्रप्रदेश (2) राजस्थान (3) कर्नाटक
- **कुल दूध (Milk)**
  (1) उत्तर प्रदेश (2) पंजाब (3) राजस्थान

शीर्ष पाँच बंजर भूमि वाले राज्य

राज्य (2005)	बंजर भूमि वर्ग किमी.	भौगो. क्षे. का %
• राजस्थान	101454	29.64
• जम्मू–कश्मीर	70202	69.24
• म. प्र.	57134	18.53
• महाराष्ट्र	49275	16.01
• आन्ध्र प्रदेश	45267	16.45

भारत : खनिज संसाधन एवं उद्योग

➢ कोयला (Coal)

कोयला देश में ऊर्जा का प्रमुख स्रोत हैं और देश की व्यावसायिक ऊर्जा की खपत में इसका योगदान 67 प्रतिशत है। इसके अलावा यह इस्पात और कार्बो–रसायनिक उद्योगों में काम आने वाला आवश्यक पदार्थ है। कोयले से प्राप्त शक्ति खनिज तेल से प्राप्त की गयी शक्ति से दोगुनी, प्राकृतिक गैस से पाँच गुनी तथा जल–विद्युत शक्ति से आठ गुना अधिक होती है। इसके महत्व के कारण इसे काला सोना की उपमा दी जाती है। कोयले के भण्डारों की दृष्टि से भारत का विश्व में दूसरा स्थान है। भारतीय मिनरल ईयर बुक (IMYB) 2009 के अनुसार देश में 1200 मीटर की गहराई तक सुरक्षित कोयले का भण्डार 26721.0 करोड़ टन था।

कोयले के पाँच शीर्ष भण्डारक राज्य

राज्य	भण्डारण (करोड़ टन में)
• झारखण्ड	7671.1
• ओडिशा	6522.6
• छत्तीसगढ़	4448.3
• प. बंगाल	2832.6
• म. प्र.	2098.1
स्रोत : IMYB 2009	

- वर्ष 2008–09 के दौरान कोयले का कुल उत्पादन 492.9 मिलियन टन था।
- देश में कोयले के समस्त उत्पादन का लगभग 77% भाग बिजली उत्पादन में खपत होता है।

कोयला उत्पादक शीर्ष पाँच राज्य

राज्य	उत्पादन % में
• छत्तीसगढ़	20.7
• ओडिशा	20.0
• झारखण्ड	19.5
• मध्य प्रदेश	14.4
• आन्ध्र प्रदेश	9.0

भारत में कोयले के प्रकार

कार्बन, वाष्प व जल की मात्रा के आधार पर भारतीय कोयला निम्न प्रकार का है–

1. **एन्थ्रेसाइट कोयला (Anthracite Coal) :** यह कोयला सबसे उत्तम है। इसमें कार्बन की मात्रा 80 से 95 प्रतिशत, जल की मात्रा 2 से 5 प्रतिशत तथा वाष्प 25 से 40 प्रतिशत तक होती है। जलते समय यह धुँआ नहीं देता तथा ताप सबसे अधिक देता है। यह जम्मू–कश्मीर राज्य से प्राप्त होता है।

THE INSTITUTE

2. **बिटुमिनस कोयला (Bituminous Coal) :** यह द्वितीय श्रेणी का कोयला है। इसमें कार्बन की मात्रा 55% से 65%, जल की मात्रा 20% से 30% तथा 35% से 50% होती है। यह जलते समय साधारण धुँआ देता है। गोंडवाना काल का कोयला इसी प्रकार का है।
3. **लिग्नाइट कोयला (Lignite Coal) :** यह घटिया किस्म का भूरा कोयला है। इसमें कार्बन की मात्रा 45 प्रतिशत से 55 प्रतिशत, जल का अंश 30 प्रतिशत से 55 प्रतिशत तथा वाष्प 35 प्रतिशत से 50 प्रतिशत होती है। यह कोयला राजस्थान, मेघालय, असम, वेल्लोर, तिरुवनालोर (तमिलनाडु), दार्जिलिंग (प. बंगाल) में मिलता है।

➢ कोयला क्षेत्र

(क) **गोंडवाना कोयला क्षेत्र** : गोंडवाना क्षेत्र के अन्तर्गत **दामोदर घाटी** के प्रमुख कोयला क्षेत्र निम्न हैं–

- **रानीगंज क्षेत्र** : प. बंगाल का रानीगंज कोयला क्षेत्र ऊपरी दामोदर घाटी में है जो **देश का सबसे महत्वपूर्ण एवं बड़ा कोयला क्षेत्र है।** इस क्षेत्र से देश का लगभग 35% कोयला प्राप्त होता है।

शीर्ष तीन लिग्नाइट भण्डारक राज्य

राज्य	% मात्रा
• तमिलनाडु	80.36
• राजस्थान	11.65
• गुजरात	6.81

कोयला उत्पादक प्रमुख क्षेत्र

क्षेत्र	राज्य
• झरिया	झारखण्ड
• कालाकोड	जम्मू–कश्मीर
• उमरसार	गुजरात
• पलाना	राजस्थान
• बाहुर	पांडिचेरी
• निचाहोम	जम्मू–कश्मीर
• बरकला	केरल
• नवेली	तमिलनाडु
• नागचिक नाम	अरुणाचल प्रदेश

लिग्नाइट उत्पादक शीर्ष तीन राज्य

राज्य	% अंश में
• तमिलनाडु	65.7
• गुजरात	31.1
• राजस्थान	3.08

कोयले के पाँच शीर्ष उपयोग क्षेत्र

क्षेत्र	% अंश में
• तापीय संयन्त्र	74.6
• ईंटों के भट्टे	9.9
• इस्पात उद्योग	3.7
• सीमेन्ट उद्योग	3.5
• उर्वरक	1.0

- धनबाद जिले में स्थित **झरिया कोयला क्षेत्र** झारखण्ड राज्य का सबसे बड़ा कोयला उत्पादक क्षेत्र है। देश के 90% से अधिक कोकिंग कोयले के भण्डार यहाँ स्थित हैं। कोयला धोवन शालाएँ **सुदामडीह** तथा **मोनिडीह** में स्थित हैं।
- **गिरिडीह क्षेत्र** : झारखण्ड राज्य में स्थित, यहाँ के कोयले की मुख्य विशेषता यह है कि इससे अति उत्तम प्रकार का **स्टीम कोक** तैयार होता है जो धातु शोधन के लिए उपयुक्त है।
- **बोकारो क्षेत्र** : यह हजारीबाग में स्थित है। यहाँ भी कोक बनाने योग्य उत्तम कोयला मिलता है। यहाँ मुख्य यह करगाली है जो लगभग 66 मीटर मोटी है।
- **करनपुरा क्षेत्र** : यह ऊपरी दामोदर की घाटी में बोकारो क्षेत्र से तीन किलोमीटर पश्चिम में स्थित है।
- **सोन घाटी कोयला क्षेत्र** : इस क्षेत्र केअन्तर्गत **मध्य प्रदेश** के सोहागपुर, सिंद्वारौली, तातापानी, रामकोला और उड़ीसा के औरंगा, हुटार के क्षेत्र आते हैं।
- **महानदी घाटी कोयला क्षेत्र** : इस क्षेत्र के अन्तर्गत उड़ीसा के तलचर और सम्भलपुर क्षेत्र, मध्य प्रदेश के सोनहट तथा विश्रामपुर–लखनपुर क्षेत्र मुख्य हैं।
- **छत्तीसगढ़ में कोरबा क्षेत्र** की खाने हैं। इसका उपयोग भिलाई के इस्पात कारखाने में होता है। कोरबा के पूर्व में **रायगढ़** की खानें हैं। चलवर खानें ब्राह्मणी नदी घाटी में हैं।
- आन्ध्र प्रदेश के **सिंगरैनी क्षेत्र** में उच्च किस्म का कोयला मिलता है।

(ख) **सिंगरैनी युग के कोयला क्षेत्र** : सम्पूर्ण भारत का 2 प्रतिशत कोयला टर्शियरी युग की चट्टानों से प्राप्त होता है। इसके मुख्य क्षेत्र राजस्थान, असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, जम्मू–कश्मीर और तमिलनाडु हैं। **राजस्थान** में लिग्नाइट कोयले के भण्डार **पलाना, बरसिंगरसर, बिथनोक** (बीकानेर) कपूरकड़ी, **जालिप्पा** (बाड़मेर) और **कसनऊ–इग्यार** (नागैर) में है।

- **तमिलनाडु** राज्य के दक्षिण में अर्काट जिले में **नवेली** नामक स्थान पर लिग्नाइट कोयला मिलता है। लिग्नाइट का सर्वाधिक भण्डार तथा उत्पादक तमिलनाडु में होता है। **मन्नारगुड़ी** (तमिलनाडु) में लिग्नाइट का सबसे बड़ा भण्डार अवस्थित है।

खनिज तेल अथवा पेट्रोलियम

(Mineral Oil or Petroleum)

पेट्रोलियम **टर्शियरी युग की जलज अवसादी** (Aqueous sedimntary rocks) शैलों का **'चट्टानी तेल'** है। जो **हाइड्रोकार्बन यौगिकों का मिश्रण है।** इसमें पेट्रोल, डीजल, ईथर, गैसोलीन, मिट्टी का तेल, चिकनाई तेल एवं मोम आदि प्राप्त होता है। भारत में कच्चे पेट्रोलियम का उत्पादन 2008-09 में 33.5 मिलियन टन था। जिसमें **अभितटीय** (Onshore) क्षेत्र का योगदान 11.21 मिलियन टन तथा **अपतटीय** (Offshore) क्षेत्र का योगदान 22.3 (66.6%) मिलियन टन था।

भारत में **अवसादी बेसिनों का विस्तार** 720 मिलियन वर्ग किमी. क्षेत्र पर है जिसमें 3.140 मिलियन वर्ग किमी. का **महाद्वीपीय तट क्षेत्र** सम्मिलित है। इन अवसादी बेसिनों में 28 बिलियन टन हाइड्रो–कार्बन के भण्डार अनुमानित किये गये हैं, जिनमें स 2008-2009 तक 7-70 बिलियन टन भण्डार स्थापित किये जा चुके हैं। हाइड्रोकार्बन में 70% तेल एवं 30% प्राकृतिक गैस मिलती है। प्राप्ति योग्य भण्डार 2.60 बिलियन टन होने का अनुमान है।

खनिज तेल क्षेत्र : भारत में चार प्रमुख तेल उत्पादक क्षेत्र हैं। यथा–

1. ब्रह्मपुत्र घाटी
2. गुजरात तट
3. पश्चिमी अपतटीय क्षेत्र
4. पूर्वी अपतटीय क्षेत्र

1. **ब्रह्मपुत्र घाटी :** यह देश की सबसे पुरानी तेल की पेटी है जो **दिहिंग घाटी से सुरमा घाटी** तक 1300 किमी. क्षेत्र में विस्तृत है। यहाँ के प्रमुख तेल उत्पादक केन्द्र हैं– **डिगबोई** (डिब्रुगढ़), **नाहरकटिया, मोरनहुद्वारीजन, रुद्रसागर–लकवा** तथा सुरमाघाटी।
2. **गुजरात तट :** यह क्षेत्र देश का लगभग 18 प्रतिशत तेल उत्पादन करता है। यहाँ तेल उत्पादन की दो पेटियाँ हैं। यथा–
   - **खम्भात की खाड़ी** के पूर्वी तट के सहारे, जहाँ **अंकलेश्वर** तथा **खम्भात** प्रमुख तेल क्षेत्र हैं।
   - **खेड़ा से महसाना तक**, जहाँ **कलोर, सानन्द, नवगाँव, मेहसाना** तथा **बचारजी** प्रमुख तेल क्षेत्र हैं। भरूच, मेहसाना, अहमदाबाद, खेड़ा, बड़ोदरा तथा सूरत प्रमुख तेल उत्पादक जिले हैं।
   - **अंकलेश्वर** तेल क्षेत्र भरूच जिले में 30 वर्ग किमी. क्षेत्र पर विस्तृत है। अशुद्ध तेल कोयली तथा ट्राम्बे में परिष्कृत किया जाता है।
   - **खम्भात :** लुनेज क्षेत्र, जिसे **'गान्धार क्षेत्र'** भी कहते हैं, बड़ोदरा के 60 किमी. पश्चिम में स्थित है।
   - **अहमदाबाद–कलोर** क्षेत्र खम्भात बेसिन के उत्तर में अहमदाबाद के चारों ओर स्थित है।

प्राकृतिक गैस के शीर्ष उत्पादक क्षेत्र/राज्य 2008–09

क्षेत्र/राज्य	मात्रा मिलियन क्यूबिक मी. में
1. अपतटीय	24086 (73.3%)
2. गुजरात	2605 (7.93%)
3. असोम	2603 (7.92%)
4. आन्ध्र प्रदेश	1524 (4.63%)
5. तमिलनाडु	1542
6. त्रिपुरा	553
सम्पूर्ण भारत	32849 (100%)
• सार्वजनिक क्षेत्र	25265 (76.9%)
• निजी क्षेत्र	7584 (23.0%)

कच्चे तेल के शीर्ष उत्पादन क्षेत्र/राज्य

क्षेत्र/राज्य	मात्रा (हजार टन में)
1. अपतटीय	22232 (66.35%)
2. गुजरात	5944 (17.74%)
3. असोम	4673 (13.94%)
4. तमिलनाडु	289
5. आन्ध्र प्रदेश	265
• सम्पूर्ण भारत	33506
• सार्वजनिक क्षेत्र	28832 (86.0%)
• निजी क्षेत्र	4674 (13.94%)

कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस का भण्डार

क्षेत्र/राज्य	कच्चा तेल (मिलियन टन में)	प्राकृतिक गैस (बिलियन क्यूबिक मी.)
भारत	773.30	1115.27
(क) अपतटीय	452.46	840.09
(ख) तटीय	320.84	27517
• सम्पूर्ण भारत	773.30	1115.27

3. **पश्चिमी अपतटीय क्षेत्र :** इस क्षेत्र से देश के समस्त कच्चे तेल उत्पादन का 67 प्रतिशत उत्पादित किया जाता है। इसके अन्तर्गत तीन क्षेत्र सम्मिलित किये जाते हैं। यथा–
   - **बम्बई–हाई** तेल क्षेत्र देश का विशालतम तेल उत्पादक क्षेत्र है जिसका राष्ट्रीय उत्पादन में 60% से अधिक योगदान है। यह मुम्बई के 176 किमी. दक्षिण पश्चिम में लगभग 2500 वर्ग किमी. क्षेत्र पर विस्तृत है। अतिदोहन के कारण इसका उत्पादन निरन्तर घट रहा है।
   - **बेसीन तेल क्षेत्र** बम्बई हाई के दक्षिण पश्चिम में स्थित है। इस क्षेत्र के **तेल भण्डार** बम्बई हाई से अधिक बड़े हैं।
   - **अलियाबेट तेल क्षेत्र** भावनगर से 45 किमी. दूर खम्भात की खाड़ी में स्थित है।
4. **पूर्वी अपतटीय क्षेत्र :** पेट्रोलियम तथा प्राकृतिक गैस कृष्णा, गोदावरी तथा कावेरी नदियों के बेसिनों तथा डेल्टाओं में प्राप्त हुए हैं। कृष्णा–गोदावरी अपतटीय बेसिन में स्थित रवा क्षेत्र में तेल प्राप्त हुआ है। अन्य तेल क्षेत्र अमलापुरु (आन्ध्र प्रदेश), नारिमानम तथा कोइरकलापल्ली (कावेरी बेसिन) में स्थित हैं अशुद्ध तेल चेन्नई के निकट पनाइगुड़ि में परिष्कृत किया जाता है।
   - अशुद्ध तेल कावेरी डेल्टा, ज्वालामुखी (हिमाचल प्रदेश) तथा बाड़मेर (राजस्थान) में भी प्राप्त हुआ है।
   - मन्नार की खाड़ी (तिरुनेलवेली तट), पाइन्ट कालीमीर तथा जफना प्रायद्वीप एवं अवन्तांगी, कराईकुडी तट, बंगाल की खाड़ी, कश्मीर से पश्चिमी उत्तर प्रदेश तक विस्तृत पेटी, अण्डमान द्वीप के पश्चिम में अपतटीय क्षेत्र आदि में भी तेल प्राप्ति की सम्भावना है। सरकार ने नयी खोज लाइसेन्स नीति के तहत 48 नये क्षेत्रों में तेल की खोज के लिये विदेशी कम्पनियों से निविदा आमन्त्रित किये थे।

➢ यूरेनियम

इसकी प्राप्ति धारवाड़ तथा आर्कियन श्रेणी की चट्टानों– पेग्मेटाइट, मोनोजाइट बालू तथा चेरालाइट में होती है। यूरेनियम के प्रमुख अयस्क पिंचब्लेंड, सॉमरस्काइट एवे थेरियानाइट है। झारखण्ड का जादूगोडा (सिंहभूम) क्षेत्र यूरेनियम खनन के लिए सुप्रसिद्ध है। सिंहभूम जिले में ही भाटिन, नारवा, पहाड़ और केरुआडूंगरी में भारी यूरेनियम के स्रोतों का पता लगा है। राजस्थान में यूरेनियम की प्राप्ति भीलवाड़ा, बूंदी और उदयपुर जिलों से होती है।

➢ थोरियम

भारत विश्व का सर्वाधिक थोरियम उत्पादक राष्ट्र है। थोरियस मोनोजाइट रेत से प्राप्त किया जाता है, जिसका निर्माण प्री–कैम्ब्रियन काल की चट्टानों के विध्वंश चूर्ण से हुआ है। जो मुख्यतः केरल के तटवर्ती भागों में मिलता है। इसके अलावा यह नीलगिरि (तमिलनाडु), हजारीबाग (झारखण्ड) और उदयपुर (राजस्थान) जिलों में तथा पश्चिमी तटों के ग्रेनाइट क्षेत्रों में रवों के रूप में भी प्राप्त होता है।

➢ अभ्रक (Mica)

अभ्रक का मुख्य अयस्क पिग्माटाइट है। वैसे यह मस्कोवाइट, बायोटाइट, फ्लोगोपाइट तथा लेपिडोलाइट जैसे खनिजों का समूह है, जो आग्नेय एवं कायांतरित चट्टानों में खण्डों के रूप में पाया जाता है। मिनरल ईयर बुक 2009 के अनुसार भारत 1206 हजार टन अभ्रक उत्पादित कर विश्व का (0.3%) 15वाँ सर्वाधिक अभ्रक उत्पादक राष्ट्र है। ज्ञातव्य है कि अभ्रक का मुख्य उपयोग विद्युतीय सामान में इन्सुलेटर सामग्री के रूप में तथा वायुयानों में उच्च शक्ति वाली मोटरों में, रेडियों उद्योग तथा रडार में होता है।

अभ्रक (कच्चा) के चार शीर्ष भण्डारक राज्य

राज्य	% अंश
• राजस्थान	51
• आन्ध्र प्रदेश	28
• महाराष्ट्र	17
• बिहार	3

चार शीर्ष अभ्रक (कच्चा) उत्पादक राज्य

राज्य	% अंश में
• आन्ध्र प्रदेश	100.0
• राजस्थान	उत्पादन नहीं हुआ
• बिहार	उत्पादन नहीं हुआ
• झारखण्ड	उत्पादन नहीं हुआ

- प्राकृतिक अभ्रक के उत्पादन में भारत का विश्व में 15वाँ (0.3%) स्थान है जबकि अभ्रक शीट के उत्पादन एवं भण्डारण में प्रथम स्थान है। इसके आयातक देशों में जापान, यू.एस.ए. ब्रिटेन प्रमुख है।

अभ्रक उत्पादक प्रमुख क्षेत्र अधोलिखित हैं। यथा–

राज्य	क्षेत्र
• आन्ध्र प्रदेश	नैल्लोर और खम्भात
• राजस्थान	जयपुर तथा उदयपुर
• झारखण्ड	हजारीबाग, सिंह भूमि
• बिहार	गया, आगलपुर, मुंगेर

➢ जिप्सम (Gypsum)

यह अवसादी चट्टानों पाया जाता है। इसे सैलेनाइट भी कहते हैं। यह कैल्शियम का एक जलकृत सल्फाइड है। इसका उपयोग मृदा सुधारक, सीमेंट तथा चूना मिलाकर प्लास्टर–ऑफ–पेरिस, रंग–रोगन–रासायनिक पदार्थों, गन्धक का अम्ल एवं रासायनिक खाद बनाने में किया जाता है।

जिप्सम भण्डारक प्रथम तीन राज्य

राज्य	% अंश में
• राजस्थान	43.28
• जम्मू एवं कश्मीर	42.46
• तमिलनाडु	9.37

जिप्सम उत्पादक शीर्ष दो राज्य

राज्य	% अंश में
• राजस्थान	99
• जम्मू एवं कश्मीर	0.80

जिप्सम उत्पादक प्रमुख क्षेत्र अधोलिखित है। यथा–

राज्य	क्षेत्र
• राजस्थान	नागौर, बीकानेर, जैसलमेर, गंगानगर, बाड़मेर, और पाली जिले
• जम्मू एवं कश्मीर	उरी, बारामूला, डोडा जिले
• तमिलनाडु	कोयम्बटूर, तिरुचिरपाल्ली व चिंगलपेट जिला

➢ बॉक्साइट (Bauxite)

बॉक्साइट टर्शियरी युग में निर्मित लेटराइटी शैलों से सम्बद्ध है, जो एल्युमिनियम का ऑक्साइड है। यह अवशिष्ट अपक्षय का प्रतिफल है जिससे सिलिका का निक्षालन होता है। ज्ञातव्य है कि बॉक्साइट में एल्युमिना की मात्रा 55 से 65 प्रतिशत होता है।

- एल्युमिनियम एक हल्की, मजबूत, धातुवर्गनीय (Malleable), तन्य (Ductile), ऊष्मा एवं विद्युत की संचालक तथा वायुमण्डलीय संक्षारण की प्रतिरोधी धातु होने के कारण सर्वाधिक उपयोगी धातुओं में गिनी जाने लगी है। यह विद्युत, धातुकर्मी, वैमानिकी (Aeronautics), स्वचालित वाहनों, रसायन, रिफ्रेक्टरी बॉक्साइट से 1 टन एलुमिना का उत्पादन और 2 टन एलुमिना से 1 टन एल्यूमिनियम का उत्पादन होता है।
- IMEB-09 के अनुसार–भारत में बॉक्साइट का कुल भण्डार 328 करोड़ टन का है, जो विश्व के समस्त बॉक्साइट भण्डार का 7 प्रतिशत है अर्थात् संचित भण्डार की दृष्टि से भारत का स्थान चतुर्थ है।

शीर्ष चार बॉक्साइट भण्डार वाले राज्य

क्रम	राज्य
• प्रथम	ओडिशा
• द्वितीय	आन्ध्र प्रदेश
• तृतीय	गुजरात
• चतुर्थ	छत्तीसगढ़

- देश के चार शीर्ष बॉक्साइट उत्पादक राज्य अधोलिखित हैं। यथा–

राज्य	% अंश में
• ओडिशा	30.0
• गुजरात	23.0
• महाराष्ट्र	13.0
• छत्तीसगढ़	11.0

- भारत का बॉक्साइट के उत्पादन में विश्व में छठवाँ स्थान है।
- भारत विश्व का 3.4% एल्युमिनियम उत्पादित कर संसार का आठवाँ सर्वाधिक उत्पादक देश है।
- भारत के प्रमुख बॉक्साइट उत्पादक क्षेत्र निम्नलिखित हैं। यथा–

राज्य	क्षेत्र
• उड़ीसा	बोलांगीर, पंचपतमाली पहाड़ियां (कोरापुट)
• मध्य प्रदेश	अमरकंटक (मण्डला), अमरकंटक (शहडोल)
• छत्तीसगढ़	फुट्का पहाड़ (बिलासपुर)
• झारखण्ड	रिचुगुटा (पलामू), बगरु, भूसर (लोहारदगा)
• महाराष्ट्र	छांगड़, नगर तरावाड़ी (कोल्हापुर)
• तमिलनाडु	रकोड, कोली पहाड़ियाँ (सलेम)
• गुजरात	कच्छ, जामनगर

➢ ताँबा (Copper)

देश में प्रागैतिहासिक काल से ही ताँबे का प्रयोग हो रहा है। इसे टिन में मिश्रित करने पर काँस्य (Bronze) तथा जस्तें में मिलाने पर पीतल (Brass) बनता है। ताँबे का प्रयोग विद्युतीय उद्योगों तथा बर्तन बनाने में अधिकांशतः होता है। इन्जीनियरी, कैलिको प्रिटिंग तथा रंगाई में भी यह प्रयुक्त होता है।

- ताँबे की प्राप्ति धारवाड़ क्रम की शिष्ट एवं फाइलाइट शैलों की शिराओं से होती हैं। देश में ताँबे का भण्डार 1. 39 बिलियन टन का है। ताँबा के अनुमानित भण्डार एवं उत्पादन की दृष्टि से शीर्ष तीन राज्य क्रमशः राजस्थान, मध्य प्रदेश, झारखण्ड एवं सिक्किम है। किन्तु मूल्य की दृष्टि से राजस्थान का सर्वोच्च स्थान है।
- प्रकृति में ताँबा खनिज कई रूपों में मिलते हैं। यथा–
  - ❖ चेल्कोपाइराइट, चेल्कोसाइट एवं बोर्नाइट के सल्फाइट के रूप में।
  - ❖ यूप्राइट के ऑक्साइड के रूप में।
  - ❖ मैचेलाइट एवं एजुराइट के कार्बोनेट के रूप में
- खेतड़ी का ताँबा खान जो राजस्थान में स्थित है, सैन्धव काल से ही इसके उत्पादन के लिए सुप्रसिद्ध है। राज्यानुसार बाँबे के प्रमुख उत्पादक क्षेत्र निम्न हैं। यथा–

राज्य	क्षेत्र
• मध्य प्रदेश	तरेगांव, मलजखण्ड (बालाघाट जिला)
• राजस्थान	खेतड़ी–सिंघाना, खो–दरीवा–भगोनी (झुंझुनू और अलवर जिले)
• झारखण्ड	मोसाबानी, धोवानी, सुरदा, पाथरगोड़ा, राखा, सोनामाखी (सिंहभूम पूर्वी)
• आन्ध्र प्रदेश	अग्निगुण्डल, गनी (गुण्टूर जिला)
• सिक्किम	भोटांग, पाचेयखानी

- देश में ताँबा का उत्पादन आवश्यकता से कम होता है। कारणस्वरूप यू.एस.ए., कनाडा एवं मैक्सिकों आदि देशों से इसका आयात किया जाता हैं ज्ञातव्य है कि रिफाइण्ड ताम्र के उत्पादन में भारत का विश्व में दसवाँ स्थान है। इस अयस्क के उत्पादन एवं भण्डार की दृष्टि से भारत में तीन महत्वपूर्ण जिलें झुंझुन (राजस्थान), बालाघाट (म. प्र.) एवं सिंहभूमि (झारखण्ड) है।

➢ लौह अयस्क (Iron Ore)

लौह–अयस्क चार प्रकार का होता है। यथा–

(1) मैग्नेटाइट (Fe_2O_4) : यह काले रंग का सर्वोत्तम किस्म का चुम्बकीय लौह अयस्क हैं जिसमें धातु का अंश 72 प्रतिशत पाया जाता है। इस धातु में वैनेडियम, टाइटेनियम तथा क्रोमियम के भी अंश पाये जाते हैं। इस अयस्क का 87% भाग दक्षिणी क्षेत्र में पाया जाता है। जैसे कर्नाटक, आन्ध्र प्रदेश एवं तमिलनाडु।

(2) हेमेटाइट अयस्क (Fe_2O_3) : इसमें धातु का प्रतिशत 60 से 70 तक होता है। यह ऑक्सीजन और लोहे का सम्मिश्रण होता है। लोहे का यह दूसरा सर्वोत्तम किस्म है। इस अयस्क का 60% पूर्वी क्षेत्र में पाया जाता है। जैसे– झारखण्ड ओडिशा, छत्तीसगढ़ आदि। भारत का अधिकांश लोहा इसी प्रकार है।

(3) लियोनाइट ($2Fe_2O_33H_2O$) : यह जलयोजित लोहा ऑक्साइड कहलाता है, जिसमें 40 से 50 प्रतिशत लोहे का अनुपात होता है। यह अवसादी शैलों से पाप्त किया जाता है।

(4) सिडेराइट (Fe_3CO_3) : इसको लोहा कार्बोनेट कहते हैं। इसमें लौह धातु का अंश 40 से 45 प्रतिशत होता है। यह भी अवसादी शैलों से ही प्राप्त होता है।

इसके अतिरिक्त लैटेराइट शैलों के ऋतुक्षरण के फलस्वरूप अवशिष्ट खनिज के रूप में घटिया लोहे और ऐलुमिनियम का संकेन्द्रण होता है। इसका उपयोग अनार्थिक माना जाता है।

- मिनरल ईयर बुक 2009 के अनुसार– देश में लौह अयस्क का कुल भण्डार लगभग 7616219 मिलियन ट है जिसमें ओडिशा, छत्तीसगढ़ झारखण्ड एवं कर्नाटक का क्रमशः शीर्ष स्थान है।

हेमेटाइट भण्डारक शीर्ष तीन राज्य	
राज्य	**भण्डार % में**
• ओडिशा	32.89
• छत्तीसगढ़	21.72
• झारखण्ड	18.4

मैग्नेटाइट भण्डारक शीर्ष तीन राज्य	
राज्य	**भण्डार % में**
• कर्नाटक	46.9
• ओडिशा	13.79
• छत्तीसगढ़	10.8

- वर्तमान समय में विश्व में लौह अयस्क के उत्पादन में भारत का चतुर्थ स्थान (9.8%) है। मिनरल ईयर बुक 2009 के अनुसार–2008–09 में देश में लौह अयस्क का उत्पादन 215437 मिलियन टन था।

लौह अयस्क उत्पादक शीर्ष पाँच राज्य	
क्रम	**राज्य**
• प्रथम	ओडिशा
• द्वितीय	कर्नाटक
• तृतीय	गोवा
• चतुर्थ	छत्तीसगढ़
• पंचम	झारखण्ड

- देश के लौह अयस्क उत्पादक प्रमुख क्षेत्र अधोलिखित है यथा–

राज्य	क्षेत्र
• छत्तीसगढ़	डाली राजहरा पहाड़ी, बेलाडोला, (दुर्ग और दन्तेवाड़ा जिला)
• कर्नाटक	बाबाबूदन, कुंद्रेमुख, बंगारकल, अनादुर्गा (बेलारी और चित्रदुर्ग जिले)
• ओडिशा	गुरुमहिसानी, पोम्पाद, बादाम
• झारखण्ड	पंसिराबुरु, बड़ावुरु, नोवामण्डी (सिंहभूम ओर क्योंझर जिले)
• आन्ध्र प्रदेश	ओंगोल–गुण्डलक्कमा, छाबली (ओंगोल और गुण्टूर जिले)
• गोवा	अदुलमाले, उसां, (उत्तरी और दक्षिणी गोआ)
• पश्चिमी बंगाल	दामूदा श्रेणी (वर्द्धमान जिला)

➢ मैंगनीज (Manganese)

वर्तमान में भारत विश्व मैंगजीन उत्पादन का 6.7% उत्पादित कर संसार में पांचवां स्थान रखता है। लौह–इस्पात उद्योग में एक प्रमुख कच्चे माल के रूप में प्रयुक्त होता है। इसके विविध उपयोग हैं, यथा– शुष्क बैटरियों के निर्माण, फोटोग्राफी में प्रयुक्त लवणों में, चमड़ा तथा माचिस उद्योगों में, काँच को रंगने, पॉटरी, पेन्ट, रंगीन ईंटें आदि बनाने में यह प्रयुक्त होता है।

- मैंगनीज भारत की धारवाड़ शैलों में प्राकृतिक ऑक्साइड के रूप में मिलता है। साइलोमिलेन तथा ब्रॉनाइट 90% मैंगनीज अयस्क का निर्माण करती है। इसकी प्राप्ति पाइरोलूसाइट, मैंगेटाइट, रोडोक्रोसाइट जैसे अयस्कों से भी होती है।

शीर्ष मैंगनीज उत्पादक पाँच राज्य

राज्य	% अंश
• ओडिशा	32.0
• म.प्र.	25.0
• महाराष्ट्र	24.0
• कर्नाटक	12.0
• आन्ध्र प्रदेश	6.0

शीर्ष पाँच जल विद्युत उत्पादक राज्य

राज्य	अंश % में
• कर्नाटक	12.6
• पंजाब	12.0
• आन्ध्र प्रदेश	8.9
• केरल	8.8
• महाराष्ट्र	6.3

शीर्ष पाँच पवन ऊर्जा उत्पादक राज्य

राज्य	अंश मेगावाट में
• तमिलनाडु	2893
• महाराष्ट्र	1001
• कर्नाटक	585
• राजस्थान	358
• गुजरात	338

कुछ अन्य खनिज उत्पादक राज्य

1. **क्रोमाइट (Cromite)**
   (1) उड़ीसा (2) कर्नाटक (3) महाराष्ट्र
2. **स्वर्ण (Gold)**
   (1) कर्नाटक (2) झारखण्ड
3. **चाँदी (Silver)**
   (1) राजस्थान (2) कर्नाटक (3) झारखण्ड
4. **टिन (Tin)**
   (1) छत्तीसगढ़
5. **सल्फर (Sulpher)**
   (1) हरियाणा (2) गुजरात (3) प. बंगाल
6. **डोलोमाइट (Dolomite)**
   (1) उड़ीसा (2) मध्य प्रदेश (3) छत्तीसगढ़
7. **फेल्सनरी (Felsphar)**
   (1) आन्ध्रप्रदेश (2) राजस्थान (3) झारखण्ड
8. **मैग्नेसाइट (Magnesite)**
   (1) तमिलनाडु (2) उत्तराखण्ड (3) कर्नाटक

प्रमुख उद्योग

सूती वस्त्र– महाराष्ट्र, गुजरात, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश।

जूट– पश्चिम बंगाल, आन्ध्र प्रदेश, बिहार, उत्तर प्रदेश।

रेशमी वस्त्र– कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, बिहार।

ऊनी वस्त्र– पंजाब, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश।

लोहा तथा इस्पात– जमशेदपुर (झारखण्ड), बर्नपुर (पश्चिम बंगाल), भद्रावती (कर्नाटक), बोकारो (झारखण्ड), राउरकेला (उड़ीसा), दुर्गापुर (पश्चिम बंगाल), भिलाई (छत्तीसगढ़), सालेम (तमिलनाडु), विशाखापट्टनम (आन्ध्र प्रदेश)।

ऐल्युमीनियम– हीराकुंड, कोरापूत (उड़ीसा), रेनुकूट (उत्तर प्रदेश), कोरबा (मध्य प्रदेश), रत्नागिरि (महाराष्ट्र), मिट्ठुर (तमिलनाडु)।

ताँबा– खेतड़ी (राजस्थान), सिंहभूमि (झारखण्ड)।

रेल लोकोमोटिव– चित्तरंजन, वाराणसी, जमशेदपुर, भोपाल।

रेल के डिब्बे– पैराम्बूर (तमिलनाडु), कपूरथला (पंजाब), बंगलौर, कोलकाता।

जलयान– कोचीन, मुंबई, कोलकाता, विशाखापट्टनम, मझगांव।

उर्वरक– सिन्दरी (बिहारी), नांगल (पंजाब), नेवेली (तमिलनाडु), ट्राम्बे (महाराष्ट्र), राउरकेला, दुर्गापुर, गोरखपुर, कोचीन, वाराणसी, नामरूप (असम), कानपुर, विशाखापट्टम, कोटा, बड़ोदरा।

औषधि– पिम्परी (पुणे), ऋषिकेश।

चीनी– उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, आन्ध्र प्रदेश, कर्नाटक, बिहार।

भारी मशीन– राँची, विशाखापट्टनम, दुर्गापुर, तिरुचिरापल्ली, मुंबई, नैनी।

एच.एम.टी.(HMT)– बैंगलौर, पिन्जौर, हैदराबाद, कालामसेरी, श्रीनगर, सिकन्दराबाद, अजमेर।

भेल (BHEL)– भोपाल, हरिद्वार, रामचन्द्रपुरम, बंगलौर, जगदीशपुर, जम्मू।

हिन्दुस्तान ऐरो– बंगलौर, कानपुर, नासिक।

नॉटिक्स लिमिटेड– हैदराबाद, कोरापूत, लखनऊ।

कागज उत्पादक शीर्ष 4 राज्य

राज्य	उत्पादन (% में)
• आन्ध्र प्रदेश	18.0
• महाराष्ट्र	13.0
• प. बंगाल	10.5
• उड़ीसा	8.0

इसे भी जानिए

संगठन	मुख्यालय	स्थापना वर्ष
• केन्द्रीय जल आयोग	–	1945
• केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधान केन्द्र	खडग बासला (पुणे)	1916
• केन्द्रीय भू–जल बोर्ड	–	1970
• गंगा बाढ़ नियंत्रण आयोग	पटना	1972
• राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान	रुड़की (उत्तरांचल)	1978

T.I. Highlights

- **तिरूपुर** : हौजरी एवं बुनाई उद्योग
- **मुरादाबाद** : ब्रासवेयर हैंण्डीक्राफ्ट
- **लुधियाना** : भारी मशीनरी तथा हौजरा
- **सूरत** : रत्न और आभूषण
- **पानीपत** : हथकरघा
- **अलेप्पी** : नारियल के रेशे और इससे निर्मित सामान (Coir)
- **जालन्धर** : खेल का सामान
- **रानीपत (अम्बूर)** : चमड़ा
- **नागपुर** : हस्त उपकरण
- **विशाखापत्तनम्** : मछली उत्पाद
- **मेरठ** : खेल का सामान
- **अलीगढ़** : पीतल के ताले
- **आगरा** : चमड़ा फुटवियर
- **खुर्जा** : मिट्टी के बर्तन
- **कांचीपुरम** : रेशम
- **सेलम** : हस्त उपकरण
- **शिवकाशी** : माचिस
- **अम्बाला** : वैज्ञानिक उपकरण
- **जामनगर** : ब्रास पार्टस्
- **राजकोट** : इंजन पम्प
- **वापी (अंकलेश्वर)** : रसायन
- **बटाला** : मशीन उपकरण
- **भागलपुर** : बुनाई

T.I. Highlights

अधोलिखित संस्थाओं की स्थाना कब की गई ?

- कुटीर उद्योग बोर्ड **–1948**
- केन्द्रीय सिल्क बोर्ड **–1949**
- अखिल भारतीय हथकरघा बोर्ड **–1950**
- अखिल भारतीय हस्तकला बोर्ड **–1953**
- अखिल भारतीय खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड **–1954**
- लघु उद्योग बोर्ड **–1954**
- केन्द्रीय विक्रय संगठन **–1958 (मुख्यालय–चेन्नई)**
- खादी एवं ग्राम उद्योग आयोग **–1956**
- लघु उद्योग विकास संगठन **–1954**
- भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक **–1990**
- क्षेत्रीय ग्रामीण विकास बैंक **–1975**
- जिला उद्योग केन्द्र **–1978**

➲ तेलशोधक कारखाने

- देश में कुल 21 तेलशोधक कारखाने हैं। सार्वजनिक क्षेत्र में वर्तमान में 17 तेलशोधक कारखाने कार्यरत हैं। 3 निजी क्षेत्र में और 1 संयुक्त क्षेत्र में है।

स्थान	कंपनी का नाम
डिगबोई	इण्डियन ऑयल कॉरपोरेशन लि.
गुवाहाटी	इण्डियन ऑयल कॉरपोरेशन लि.
कोयली	इण्डियन ऑयल कॉरपोरेशन लि.
बरौनी	इण्डियन ऑयल कॉरपोरेशन लि.
हल्दिया	इण्डियन ऑयल कॉरपोरेशन लि.
मथुरा	इण्डियन ऑयल कॉरपोरेशन लि.
पानीपत	इण्डियन ऑयल कॉरपोरेशन लि.
बोगई गाँव	इण्डियन ऑयल कॉरपोरेशन लि.
मुंबई	भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि.
मुंबई	हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि.
चेन्नई	चेन्नई पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि.
नागापत्तनम	चेन्नई प्रट्रोलियम कॉरपोरेशन लि.
कोच्चि	कोच्चि रिफाइनरी लि.
विशाखापट्टनम	हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि.
मंगलौर	मंगलौर रिफाइनरी एवं पेट्रोकेमिकल्स लि.
नुमालीगढ़	नुमालीगढ़ रिफाइनरी लि.
तातीपाका (आं.प्र.)	ओ.एन.जी.सी.

परमाणु ऊर्जा केन्द्र	
तारापुर	महाराष्ट्र (देश का सबसे बड़ा व सबसे पुराना)
कलपक्कम	तमिलनाडु (इसे इन्दिरा गाँधी परमाणु ऊर्जा संयंत्र नाम दिया गया हैं)
नरौरा	उत्तर प्रदेश
रावतभाटा	कोटा (राजस्थान)
कैगा	कर्नाटक
काकरापारा	गुजरात
कुड़ाईकुलम (कुदांकुलम)	तमिलनाडु (रूप के सहयोग से निर्माणाधीन)

THE INSTITUTE

भारतीय और उनके प्रधान उद्योग

नगर	राज्य	उद्योग
अलीगढ़	उत्तर प्रदेश	ताले
अम्बरनाथ	महाराष्ट्र	मशीन टूल्स
आनन्द	गुजरात	मक्खन, परीन, दूध
आगरा	उत्तर प्रदेश	संगमरमर, चमड़ा, दरी
अहमदाबाद	गुजरात	सूती वस्त्र
अम्बाला	हरियाणा	वैज्ञानिक सामग्री
उज्जैन	मध्य प्रदेश	नायलोन धागा
उत्तरपाड़ा	पश्चिम बंगाल	ऐम्बेसडर गाड़ियाँ
बड़ोदरा	गुजरात	नायलोन धागा
बोर्ली	महाराष्ट्र	बेबी फूड
जैनाकोट	जम्मू–कश्मीर	एच.एम.टी. फैक्ट्री
नेपानगर	मध्य प्रदेश	अखबारी कागज
कटनी	मध्य प्रदेश	सीमेन्ट, चूना पत्थर
जमशेदपुर	झारखण्ड	आयरन एण्ड स्टील, रेल डिब्बे
फिरोजाबाद	उत्तर प्रदेश	काँच की चूड़ियाँ
आवड़ी	तमिलनाडु	हैवी टैंक
बंगलौर	कर्नाटक	टेलीफोन
बैलाडिला	छत्तीसगढ़	खनिज लोहा
बरेली	उत्तर प्रदेश	रेजिन, लकड़ी का काम
बस्ती	उत्तर प्रदेश	फल अनुसंधान
भण्डारा	महाराष्ट्र	विस्फोटक पदार्थ
चण्डीगढ़	पंजाब	भवन निर्माण
चित्तरंजन	पश्चिम बंगाल	लोकोमोटिव
कोलकाता	पश्चिम बंगाल	बल्ब
दिल्ली	दिल्ली	डी.डी.टी. सूती कपड़ा, इंजीनियरिंग सामान
डिन्डीगुल	तमिलनाडु	सिगार तथा तम्बाकू
दासनगर हावड़ा	पश्चिम बंगाल	छपाईखाना
देवरी	राजस्थान	जस्ता
एर्नाकुलम	केरल	केबिल्स
फरीदाबाद	हरियाणा	ट्रेक्टर एवं कृषि यंत्र व इंजीनियरिंग सामान
ग्वालियर	मध्य प्रदेश	चीनी के बर्तन
गोमिया	बिहार	विस्फोटक पदार्थ
हिसार	हरियाणा	भेड़ों का फार्म
तिरुपति	आन्ध्र प्रदेश	स्कूटर्स
तिरुबेरुमपुर	तमिलनाडु	प्रेशर बॉयलर
त्रिवेनी	पश्चिम बंगाल	रेयान
उदयपुर	राजस्थान	जस्ता

भारत : सिंचाई

- देश में कुल कृषि भूमि के 55.6% भाग पर सिंचाई की सुविधाएँ प्राप्त हैं। देश का लगभग 22.5% सिंचित क्षेत्र अकेले उत्तर प्रदेश में पाया जाता है। इसके बाद पंजाब, हरियाणा, आन्ध्र प्रदेश, तमिलनाडु, बिहार और राजस्थान का स्थान आता है।
- क्षेत्रफल की दृष्टि से मध्य प्रदेश देश में सबसे अधिक कृषि सिंचित भूमि रखता है।
- कुल कृषि भूमि में सिंचित भूमि के प्रतिशत की दृष्टि से पंजाब का प्रथम स्थान है।
- वर्तमान में कुल सिंचित भूमि का 31% भाग नहरों से, 58% भाग कुओं तथा नलकूपों से 5% भाग तालाबों से तथा शेष अन्य साधनों से सींचा जाता है।

कुओं, तथा नलकूपों द्वारा– उत्तर प्रदेश, पंजाब, तमिलनाडु (सर्वाधिक)

तालाबों द्वारा– दक्षिण भारत में

नहरों द्वारा– उत्तर प्रदेश, पंजाब, राजस्थान, हरियाणा, बिहार, तमिलनाडु आदि।

शीर्ष पाँच सूखा प्रभावित राज्य

राज्य	क्षेत्रफल (लाख वर्ग किमी.) 2002
• राजस्थान	1.94
• गुजरात	1.06
• महाराष्ट्र	0.5766
• कर्नाटक	0.5764
• म. प्र.	0.37

शीर्ष पाँच बाढ़ प्रभावित राज्य

राज्य	क्षेत्रफल मिलियन हेक्टेयर
• उ. प्र.	7.34
• बिहार	4.26
• पंजाब	3.70
• राजस्थान	3.26
• असम	3.15

सिंचाई के साधन

तालाब :

दक्षिणी भारत में तालाबों द्वारा सिंचाई अधिक प्रचलित हैं तालाबों द्वारा सिंचित क्षेत्र तमिलनाडु राज्य में सर्वाधिक विस्तृत एवं लोकप्रिय है जहाँ इसके द्वारा शुद्ध सिंचित क्षेत्र के लगभग 20 प्रतिशत हिस्से की सिंचाई की जाती है। तमिलनाडु राज्य तालाबों द्वारा सिंचाई के लिए पारंपरिक क्षेत्र रहा है। यहाँ अनुमानतः 24,000 तालाब पाए जाते हैं। तिरुचिरापल्ली में इनकी अधिकतम संख्या है। आंध्र प्रदेश में नेल्लौर एवं वारंगल जिले तालाबों द्वारा सिंचाई के लिए मशहूर हैं। आंध्र प्रदेश में निजामसागर, कर्नाटक में कृष्णा राज सागर, राजस्थान में जयसमंद, राजसमंद व बालसमंद बड़ी झीलें हैं जिनका प्रयोग सिंचाई के अतिरिक्त पेय जल आपूर्ति के लिए भी किया जाता है। हाल के वर्षों में नलकूप और नहरों की सुविधा के कारण तालाब से सिंचाई का चलन घटता जा रहा है। यद्यपि हाल के दिनों में देश भर में जल संरक्षण के बढ़ते खतरे को देखते हुए राज्य सरकारों ने मनरेगा आदि कार्यक्रमों के जरिए तालाबों की फिर से खुदाई करवाके सिंचाई और मत्स्य पालन योग्य बनाया जा रहा है।

शीर्ष पाँच तालाब सिंचचित पाँच राज्य

• प्रथम	आन्ध्र प्रदेश
• द्वितीय	तमिलनाडु
• तृतीय	कर्नाटक
• चतुर्थ	बिहार
• पंचम	मध्य प्रदेश

कुएं :

सिंचाई में कुओं का प्रचलन प्राचीन काल से रहा है। कोमल शैल तथा ऊँचे भौम जल स्तर वाले क्षेत्रों (जहाँ जलस्तर की गहराई 15 मीटर से अधिक नहीं पाई जाती) में ये अधिक पाए जाते हैं। उत्तरी भारत में पंजाब से बिहार तक गंगा के मैदान में कुएं सबसे अधिक पाए जाते हैं। पूर्वी राजस्थान, गुजरात, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश एवं तमिलनाडु में भी कुएं मिलते हैं। गुजरात में कुओं और नलकूपों द्वारा लगभग 87 प्रतिशत सिंचित क्षेत्र की सिंचाई होती हैं इसके बाद पंजाब, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र और तमिलनाडु राज्यों का स्थान है जहाँ इनसे काफी अधिक शुद्ध सिंचाई क्षेत्र सींचा जाता हैं कुओं से पानी चार तरह से निकाला जाता है– उत्तोलक विधि (बिहार, आंध्र प्रदेश), आनत तल विधि (उत्तर प्रदेश), रहट विधि (पंजाब, राजस्थान) एवं शक्ति संचालित पंप (नलकूप) द्वारा जिसमें 15 मीटर से अधिक गहराई से पानी निकाला जाता है।

% में कुआँ सिंचित शीर्ष पाँच राज्य	
• प्रथम	गोवा (73.9%)
• द्वितीय	महाराष्ट्र 64.6%
• तृतीय	राजस्थान (54.1%)
• चतुर्थ	गुजरात (50.9%)
• पंचम	तमिलनाडु (41.5%)

नलकूप :

देश में आज सिंचाई का सबसे लोकप्रिय साधन नलकूप है। इसकी शुरुआत 1930 में हुई थी। भारत में नलकूप सरकारी और निजी क्षेत्र में मिलते हैं जिनकी संख्या 45 लाख से भी अधिक हो गई है। इनके द्वारा अधिक गहराई से जलकर्षण किया जाता है। उत्तर प्रदेश में इन नलकूपों की संख्या सबसे अधिक है। यहाँ अधिकांश नलकूप निजी क्षेत्र में है। ये नलकूप घाघरा नदी के उत्तर एवं दक्षिण में सबसे अधिक केन्द्रीभूत हैं। हरित क्रांति की सफलता में नलकूप का अहम योगदान रहा है। उत्तरी भारत में अधिकांश नलकूप पाए जाते हैं वहीं दक्षिणी भारत में पथरीले धरातल के कारण नलकूपों का प्रचलन कम है। कुओं और नलकूप द्वारा लगभग 36 मिलियन हेक्टेयर शुद्ध कृषि क्षेत्र की सिंचाई की जाती है।

शीर्ष पाँच नलकूप सिंचित राज्य	
• प्रथम	उत्तर प्रदेश
• द्वितीय	पंजाब
• तृतीय	बिहार
• चतुर्थ	राजस्थान
• पंचम	आन्ध्रप्रदेश

नहरें :

भारत में नहर सिंचाई के साधनों में दूसरा महत्वपूर्ण साधन है। इसमें लगभग 28 प्रतिशत शुद्ध सिंचित क्षेत्र आता है। विश्व का सबसे बडत्रा नहरों का नेटवर्क भारत में है जिसकी लंबाई 1 लाखकिमी. से भी अधिक है। नहरें दो तरह की होती हैं–

(I) **अनित्यवाही नहरें :** ये नहरें नदी से सीधे बिना किसी बांध निर्माण या बेराज के निकाली जाती हैं। ये नहरे वर्षा जल पर आधारित होती हैं अतएव वर्षा ऋतु में ही ये नहरें सक्रिय रहती हैं। ऐसी नहरों का उपयोग रबी की फसल के लिए विशेष नहीं होती क्योंकि नवंबर–दिसंबर में इनमें पानी नहीं होता। अनित्यवाही नहरें पंजाब में सतलुज नदी से निकाली गई हैं।

(II) **नित्यवाही नहरें :** नित्यवाही नहरें हिमाच्छादित क्षेत्रों से निकलने वाली सदा वाहिनी नदियों से बांध बनाकर निकाली जाती हैं। भारत में अधिकांश नहरें नित्यवाही हैं। उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान एवं बिहार में ऐसी कई नहरें हैं। प्रायद्वीपीय क्षेत्र में नहरों का विकास नदियों की निचली घाटियों एवं डेल्टा भाग में पाया जाता है। देश में 60 प्रतिशत से अधिक नहरें सिंचित क्षेत्र उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, बिहार, मध्य प्रदेश एवं पंजाब राज्यों में स्थित हैं। इसके अलावा 27 प्रतिशत से अधिक नहरें महाराष्ट्र, कर्नाटक, उड़ीसा, तमिलनाडु व छत्तीसगढ़ राज्यों में पाई जाती हैं।

शीर्ष पाँच नहर सिंचित राज्य	
• प्रथम	उत्तर प्रदेश
• द्वितीय	राजस्थान
• तृतीय	आन्ध्र प्रदेश
• चतुर्थ	पंजाब
• पंचम	कर्नाटक

देश की प्रमुख नहरें

राज्य	नहर	किस नदी से निकाली गयी है
पंजाब	1. सरहिन्द नहर 2. ऊरी बारी दोआब नहर 3. नांगल बांध नहर 4. बिस्त दोआब नहर 5. भाखड़ा नहर 6. पूर्वी नहर	सतलज नदी रावी नदी सतलज नदी सतलज नदी सतलज नदी रावी नदी
हरियाणा	1. पश्चिमी यमुना नहर 2. गुड़गाँव नहर	यमुना नदी यमुना नदी
उत्तर प्रदेश एवं उत्तरांचल	1. पश्चिमी यमुना नहर 2. आगरा नहर 3. ऊपरी गंगा नहर 4. निचली गंगा नहर 5. शारदा नहर 6. बेतवा नहर	यमुना नदी यमुना नदी गंगा नदी (हरिद्वार के समीप) गंगा नदी (नरौरा, बुलन्दशहर) शारदा नदी बेतवा नदी (झांसी के समीप परिच्छा नामक स्थान से)

बिहार	1. पूर्वी सोन नहर 2. पश्चिमी सोन नहर 3. त्रिवेणी नहर 4. गण्डक बांध योजना	सोन नदी सोन नदी गण्डक नदी दो नहरें (तिरहुत नकर तथा सारन नहर)
पश्चिम बंगाल	1. मिदनापुर नहर 2. एडन नहर 3. तिलपाड़ा बाँध की नहरें 4. दामोदन नदी की नहरें	कोसी नदी दामोदर नदी मयूराक्षी नदी (वीभूम जिला) दामोदर नदी (दुर्गापुर)
राजस्थान	1. बीकानेर नहर 2. कालीसिल परियोजना 3. गम्भीरी परियोजना 4. बाँकली परियोजना 5. पार्वती परियोजना 6. गुढ़ा परियोजना 7. मोरेल परियोजना 8. घग्गर परियोजना 9. इन्दिरा नहर	सतलज नदी (फिरोजपुर के समीप हुसैनीवाला से) कालीसिन नदी गम्भीर नदी (चित्तौड़गढ़) सूकर नदी पार्वती नदी मेजा नदी मेजाा नदी जग्गर नदी सतलज एवं व्यास नदियों के संगम पर स्थिर हरीकेबैराज
महाराष्ट्र	1. गोदावरी नहर 2. मूझा नहर 3. भण्डारदरा बांध की नहरें 4. मूला परियोजना 5. वीर परियोजना	गोदावरी नदी (बेल झील के समीप) फाइफ झील (खड़कवासला) प्रवीरा नदी (पश्चिमी घाटी पर्वत) मूला नदी नीरा नदी
तमिलनाडु	1. कावेरी डेल्टा नहर 2. पेरियार परियोजना 3. मैटूर परियोजना 4. निचली भवानी नहर	कोलेरून नदी (कावेरी नदी की शाखा) पेरियार नदी कावेरी नदी भवानी नदी (कावेरी की सहायक नदी)
केरल	1. मालमपुजा बाँध की नहरें 2. वलायर यलाशल की नहरें 3. मंगलम योजना की नहरें	मालमपुजा नदी (मालाबार जिला) वलायर नदी (पेरियार की सहायक नदी) मालाबार जिला
आन्ध्र प्रदेश	1. गोदावरी डेल्टा की नहरें 2. कृष्णा डेल्टा की नहरें 3. कृष्णा सिंचाई योजना की नहरें 4. रामपद सागर परियोजना 5. तुंगभद्रा परियोजना 6. कृष्णा–पेन्नार परियोजना	गोमती, गोदावरी तथा विशिष्ट गोदावरी (डेल्टा क्षेत्र में गोदावरी की शाखाएं) कृष्णा नदी कृष्णा नदी (एलीकेट से 18 मील ऊपर) गोदावरी नदी (पोलावरम नामक स्थान) तुंगभद्रा नदी (कृष्णा की सहायक नदी) कृष्णा तथा पेन्नार नदी

बहुद्देशीय परियोजनाएँ

दामोदर घाटी परियोजना : दामोदर नदी हुगली की एक सहायक नदी है। बाढ़ों की विभीषका के कारण इसे 'बंगाल का शोक' कहा जाता है। इस परियोजना की रूपरेखा अमेरिका की टेनिसी वैली एथारिटी के अधार पर तैयार किया गया है। इसका प्रबंधन दामोदर घाटी निगम द्वारा किया जाता है। यह एक नदी घाटी विकास का एकीकृत कार्यक्रम है जिसमें बाढ़ नियंत्रण, सिंचाई, जलापूर्ति, अपवाह, जलविद्युत, नौ परिवहन, वनारोपण, मृदा संरक्षण, कृषि विकास, औद्योगीकरण आदि उद्देश्यों को शामिल किया गया है।

इस परियोजना का कार्य दो चरणों में पूरा किया जा रहा है। प्रथम चरण के अन्तर्गत कुल 204 मेगावाट क्षमता वाले जल विद्युत शक्ति गृह सहित तिलैया, कोनार, मैथान और पंचेत हिल में चार बांधों का निर्माण, कुल 9,57,000 किलोवाट क्षमता युक्त बोकारो, दुर्गापुर और चन्द्रपुरा में तीन ताप विद्युत केन्द्रों का निर्माण, 1280 किमी. लम्बी विद्युत ग्रिड का निर्माण, एवं लगभग 2500 किमी. लम्बी सिंचाई/नौ परिवहन नहर का निर्माण– किया गया है। द्वितीय चरण के अन्तर्गत जल विद्युत शक्ति गृहों सहित बाल पहाड़ी, बोकारो, अय्यर और बर्मो में चार बांधों का निर्माण एवं संप्रेषण लाइन के विस्तारण का कार्य शामिल है।

भाखड़ा–नांगल परियोजना : यह पंजाब, हरियाणा और राजस्थान राज्यों का संयुक्त उपक्रम है। इसके अनतर्गत भाखड़ा और नांगल के पास सतलुज नदी पर दो बांध, लगभग 27.4 लाख हे. क्षेत्र हेतु भाखड़ा नहर तंत्र, नांगल जल विद्युत नहर, 1204 मेगावाट क्षमता वाले गंगुवाल, कोटला, बाएं और दाहिने किनारे के चार विद्युत गृह, और विद्युत वितरण हेतु 3,680 किमी. लम्बी सम्प्रेषण लाइन का निर्माण कार्य सम्मिलित है। यह देश की सबसे बड़ी बहुउद्देशीय परियोजना है।

भाखड़ा बांध का निर्माण कार्य 1963 में पूरा हुआ। यह बांध सतलुज नदी पर बनाया गया है। यह विश्व का सबसे बड़ा सीधा गुरुत्व बांध है जिसके द्वारा गोविन्द सागर झील बनाई गई है।

रिहन्द बांध परियोजना : यह उत्तर प्रदेश की सबसे बड़ी बहु–उद्देशीय परियोजना है। इसके अन्तर्गत सोन की सहायक रिहन्द नदी पर पिपरी गांव के पास एक 934 मी. लंबा और 91 मी. ऊँचा कंक्रीट का बांध बनाया गया है। इसके द्वारा जल को गोविन्द बल्लभ पन्त सागर जलाशय में संग्रहीत किया गया है। बांध के भीतरी भाग के निरीक्षण और सफाई क लिए निर्मित चार सुरंगें इसकी मुख्य विशेषता है। इस परियोजना में कुल 37.5 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। बांध के नीचे ओबरा में एक 300 मेगावाट क्षमता का विद्युत गृह स्थापित किया गया है। यह बिजली उत्तर प्रदेश पावर ग्रिड को दी जाती है जिससे पूर्वी उत्तर प्रदेश का पूर्व में बलिया से पश्चिम में बहराइच ओर कानपुर तक क्षेत्र लाभान्वित होता है।

चम्बल परियोजना : यमुना की सहायक चम्बल एक मौसमी नदी है जो मृदा अपरदन और असम्य क्षेत्रों के लिए प्रसिद्ध है। चम्बल परियोजना राजस्थान और मध्य प्रदेश राज्यों का संयुक्त उपक्रम है। इसका उद्देश्य क्षेत्र की सिंचाई, विद्युत उत्पादन, मृदा संरक्षण और आर्थिक विकास हेतु नदी जल का उपयोग करना है।

हीराकुंड परियोजना : इस परियोजना का उद्देश्य महानदी पर हीराकुंड, टिकरपाड़ा और नराज के पास तीन बांधों का निर्माण कर 10 लाख हे. क्षेत्र की सिंचाई, 270.2 मेगावाट बिजली का उत्पादन और छत्तीसगढ़ की सीमा के सहारे पं. बंगाल तक 561 किमी. लम्बे और 3 मी. गहरे जलमार्ग का निर्माण कराना है। यह कार्य दो चरणों में कुल 97 करोड़त्र रु. की लागत पूरा किया गया है।

तुंगभद्रा परियोजना : तुंगभद्रा कृष्णा नदी की एक सहायक नदी है जो चिकमगलूर के निकट सह्याद्रि पहाड़ियों से निकलकर कर्नाटक के शिमोगा, धारवाड़, बेल्लोरी और रायचूर जिलों से गुजरती हुई कुर्नूल के पास कृष्णा से मिलती है। इसकी घाटी के ऊपरी भाग में 425 सेमी. परंतु निचले भाग में लगभग 50 सेमी. वर्षा होती है जिससे ये क्षेत्र क्रमशः बाढ़ और सूखा से प्रभावित रहते हैं। यह कर्नाटक और आंध्र प्रदेश राज्यों का संयुक्त उपक्रम है जिसके तहत सिंचाई, जल विद्युत उत्पादन, बाढ़ नियंत्रण और सूखा निवारण हेतु तुंगभद्रा के जल के उपयोग की योजना बनाई गई है।

नागार्जुन सागर परियोजना : इसके अनतर्गत नन्दी कोण्डा के पास कृष्णा नदी पर एक बांध बनाया गयाहैं जिससे निकाली गई जवाहर और लाल बहादुर शास्त्री नहरों से खम्मम, प. गोदावरी, गुण्टूर, कुर्नूल और नेल्लौर जिलों की कुल 8.95 लाख हे. भूमि की सिंचाई की जा रही है। बांध के पास बने शक्तिगृह से 210 मेगावाट बिजली का उत्पादन किया जा रहा है जिसे महबूब नगर, नलगोंडा, हैदराबाद, विजयवाडत्रा और खम्मम के समीप के उद्योगों में किया जा रहा है।

मयूराक्षी परियोजना : मयूराक्षी हुगली की सहायक नदी है जो छोटा नागपुर पठार से निकलती है। इस परियोजना का उद्देश्य सिंचाई, विद्युत उत्पादन और बाढ़ तथा अपरदन नियंत्रण है। इसमें मयूराक्षी नदी पर तिलपाड़ा के पास कनाडा बांध, दो सिंचाई नहरों और एक शक्ति गृह का निर्माण किया गया है जिससे प. बंगाल (मुर्शिदाबाद एवं बीरभूम) और झारखंड (संथाल परगना) के क्षेत्र लाभान्वित हो रहे हैं।

इंदिरा गांधी नहर परियोजना : इंदिरा गांधी नहर परियोजना विश्व की सबसे बड़ी सिंचाई परियोजना है जिससे राजस्थान के शुष्क और अर्द्ध शुष्क क्षेत्रों की आर्थव्यवस्था को नया रूप दिया जायेगा। इसके लिए व्यास नदी पर बने बांध से जल दिया जा रहा है। इसके अन्तर्गत सतलुत–व्यास संगम के समीप स्थित हरेक बराज से राजस्थान फीडर नहर, राजस्थान मुख्य नहर और रजबहाओं का निर्माण किया जा रहा है जिसके पूरा होने से राजस्थान के गंगा नगर, बीकानेर और जैसलमेर जिलों की लगभग 12.58 लाख हे. भूमि की सिंचाई हो सकेगी। इसका निर्माण कार्य दो चरणों में पूरा किया जा रहा है। यह एक महत्वाकांक्षी परियोजना है जिसके द्वारा सिंचाई से न केवल 9.50 लाख टन अतिरिक्त खाद्यान्नों का उत्पादन हो सकेगा वरन् व्यावसायिक फसलों की कृषि, डेरी, मत्स्य पालन, भेड़ पालन, औद्योगिकरण आदि को प्रोत्साहन मिलेगा।

नर्मदा घाटी परियोजना : नर्मदा भारत का पांचवीं सबसे बड़ी नदी है। इसकी जल संसाधन संभाव्यता सतलुज, रावी एवं ब्यास की सम्मिलित सम्भाव्यता से बढ़कर है। सर्वप्रथम सन् 1945–46 में नर्मदा बेसिन में सिंचाई, विद्युत उत्पादन और बाढ़ नियंत्रण हेतु एक विस्तृत कार्य योजना तैयार हुई थी जिसके तहत 1961 में कार्य शुरू किया गया। इस परियोजना के अन्तर्गत नर्मदा नदी पर अनेक बांध बनाये जायेंगे जिनमें सरदार सरोवर (गुजरात) और नर्मदा सागर (मध्य प्रदेश) बांध प्रमुख हैं। परियोजना से लगभग 19.32 लाख हेक्टेयर सिंचाई क्षमता के साथ 3000 मेगावाट विद्युत उत्पादन हो सकेगा।

टिहरी बांध परियोजना : इस बांध का निर्माण भागीरथी नदी पर भागीरथी और भिलांगना के संगम के नीचे उत्तराखंड के टिहरी जिले में किया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य भागीरथी और भिलांगना के बाढ़ के जल का संग्रह कर, सिंचाई, बाढ़ नियंत्रण, विद्युत उत्पादन और पर्यटन को बढ़ावा देना है। इस परियोजना के निर्माण हेतु रूस द्वारा तकनीकी और वित्तीय सहायता ली जा रही है।

इस परियोजना की स्वीकृति 1972 में योजना आयोग द्वारा दी गई जिसके बाद उत्तर प्रदेश के सिंचाई विभाग द्वारा इसका निर्माण कार्य 5 अप्रैल, 1978 से शुरू किया गया। इसके लिए एक टिहरी जल विद्युत विकास निगम की स्थापना की गई है टिहरी बांध देश का सबसे ऊँचा (260.5 मी.) बांध होगा जिससे निर्मित जलाशय 467 वर्ग किमी. क्षेत्र (टिहरी शहर सहित 172 गांव जलमग्न, 125000 लोग विस्थापित) पर विस्तृत होगा जिसमें 345 मिलियन घन मीटर जल संग्रह की क्षमता होगी। परियोजना से पश्चिमी उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड का 270000 हे. क्षेत्र सिंचित होगा, दिल्ली नगर को 300 क्यूमेक्स पेय जल की आपूर्ति होगी।

टिहरी बांध परियोजना के विरोध के मुख्य कारण इसकी भूकम्प प्रवण क्षेत्र में स्थिति, पर्यावरण को क्षति और लोगों के विस्थापन से जुड़े हैं। इसके अग्रणी चिपको आंदोलन के प्रणेता प्रख्यात पर्यावरण सुन्दर लाल बहुगुणा है।

T.I. Highlights

परियोजना	सम्बन्ध	नदी
• संकोश परियोजना	भारत–भूटान	–
• चुखा परियोजना	भारत–भूटान	वांग्चू
• पंचेश्वर परियोजना	भारत–नेपाल	महाकाली
• टनकपुर परियोजना	भारत–नेपाल	महाकाली
• कोसी परियोजना	बिहार–नेपाल	कोसी
• शारदा बैराज	भारत–नेपाल	कालीनदी
• ताला परियोजना	भूटान	बांग्चू

भारत की प्रमुख बहुउद्देशीय परियोजनायें

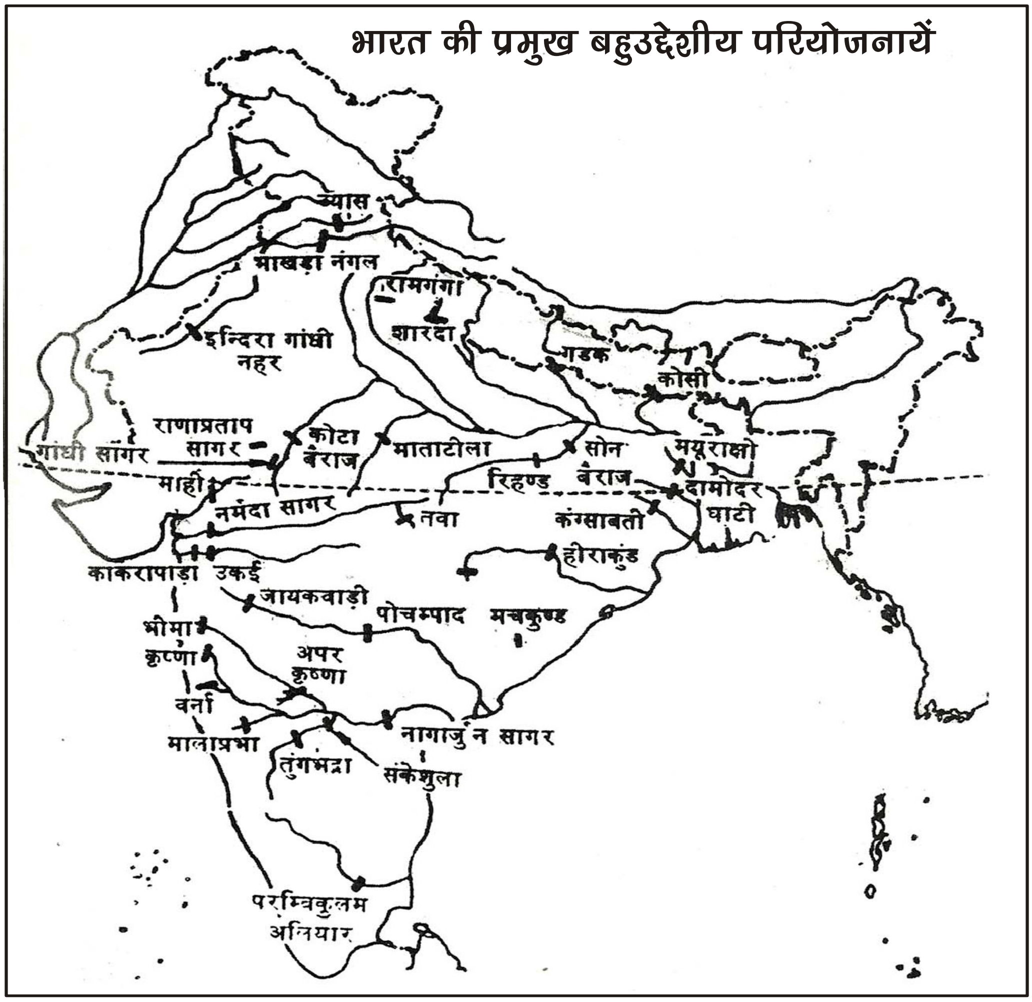

भारत : बहु–उद्देशीय योजनाएँ		
परियोजना	**नदी**	**संबंधित राज्य**
थीन बाँध परियोजना	रावी (सिन्धु की सहायक नदी)	पंजाब
दुलहस्ती	चेनाब (सिन्धु की सहायक नदी)	जम्मू–कश्मीर
सलाल जल–विद्युत परियोजना	चेनाव नदी (सिन्धु की सहायक नदी)	जम्मू–कश्मीर
शारदा सहायक परियोजना	घाघरा	उत्तर प्रदेश
रामगंगा परियोजना	रामगंगा	उत्तर प्रदेश
वाण सागर परियोजना	सोन	मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार
घाटप्रभा परियोजना	घाटप्रभा (कृष्णा की सहायक नदी)	कर्नाटक और आंध्र प्रदेश
मालप्रभा परियोजना	मालप्रभा (कृष्णा की सहायक नदी)	कर्नाटक
मैतूर योजना	कावेरी नदी	तमिलनाडु
शिवसमुद्रम योजना	कावेरी	कर्नाटक
काकरापाड़ा परियोजना	तापी	गुजरात
उकाई परियोजना	तापी	गुजरात
तवा परियोजना	तवा (नर्मदा की सहायक नदी)	मध्य प्रदेश
माताटिला परियोजना	बेतवा	उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश
फरक्का परियोजना	गंगा	पश्चिम बंगाल
लोकतक परियोजना	लोकतक झील	मणिपुर
चम्बल परियोजना (गाँधी सागर बांध, राणा प्रताप बांध एवं जवाहर सागर बाँध)	चम्बल नदी (यमुना की सहायक नदी)	राजस्थान और मध्य प्रदेश की संयुक्त परियोजना

जनसंख्या-नगरीकरण

- विश्व जनसंख्या दिवस – 11 जुलाई।
- भारत में विश्व की कुल जनसंख्या का 17.5% निवास करती है, जबकि क्षेत्रफल में भारत का हिस्सा 2.4% है।
- भारत जनसंख्या में दूसरा तथा क्षेत्रफल में सातवाँ स्थान रखता है।
- विश्व का हर छठा व्यक्ति भारतीय है।
- देश में प्रथम जनगणना 1872 में लार्ड मेयो के समय हुई थी।
- वास्तविक रूप से भारत में सन् 1881 से प्रत्येक दस वर्ष के अन्तराल पर नियमित रूप से जनगणना लार्ड रिपन के समय से कराई जा रही है।
- 1921 को जनसंख्या इतिहास में महान विभाजक वर्ष कहा जाता है। क्योंकि 1921 के पश्चात ही देश की जनसंख्या में तीव्र गति से वृद्धि प्रारम्भ हुई।
- भारत की जनसंख्या में सर्वाधिक वृद्धि 1961–71 के दशक में 24.80% हुई तथा नगरीय जनसंख्या में 1971–1981 के दशक में।
- भारत में प्रति वर्ष इतनी जनसंख्या बढ़ जाती है। जितनी ऑस्ट्रेलिया की कुल जनसंख्या है।
- 2011 की जनगणना के अनुसार भारत की कुल जनसंख्या 1210193422 थी जिसमें ;
  पुरुष – 623724248 (51.53%),
  महिला – 586469174 (48.46%)
- भारत की कुल जनसंख्या में ग्रामीण नगरीय जनसंख्या
  ग्रामीण – 742,490,639 (72.2%)
  नगरीय – 286,119,689 (27.8%)
- भारत में सर्वाधिक जनसंख्या वाले राज्य घटते क्रम में–
  1) उत्तर प्रदेश 2) महाराष्ट्र
  3) बिहार 4) पं0 बंगाल
- न्यूनतम जनसंख्या वाले राज्य बढ़ते क्रम में–
  1) सिक्किम 2) मिजोरम 3) अरुणाचल प्रदेश
- सर्वाधिक जनसंख्या वाले केन्द्र शासित प्रदेश बढ़ते क्रम में–
  1) दिल्ली 2) पुडुचेरी 3) चण्डीगढ़
- न्यूनतम जनसंख्या वाले केन्द्र शसित प्रदेश–
  1) लक्ष्यद्वीप
  2) दमन और द्वीप
  3) दादर एवं नगर हवेली

दशकीय वृद्धि (Dicadal Growth Rate)

- जनसंख्या में दशकीय वृद्धि 17.64% जिसमें–
- जनसंख्या में वार्षिक वृद्धि 1.64%, 1991-2001-1.93%
- सर्वाधिक दशकीय वृद्धि वाले राज्य घटते क्रम में–
  1) मेघालय (27.82%) 2) अरुणाचल प्रदेश (25.92%)
  3) बिहार (25.07%) 4) जम्मू–कश्मीर (23.71%)
- न्यूनतम दशकीय वृद्धि दर वाले राज्य बढ़ते क्रम–
  1) नागालैण्ड (–0.47%) 2) केरल (4.86%)
  3) गोवा (8.17%) 4) आन्ध्रप्रदेश (11.10%)
- सर्वाधिक दशकीय वृद्धि दर वाले केन्द्र शासित प्रदेश घटते क्रम में–
  1) दादर एवं नगर हवेली (55.5%)
  2) दमन एवं द्वीव (53.54%)
  3) पुडुचेरी (27.72%)
  4) दिल्ली (20.96%)
- न्यूनतम दशकीय वृद्धि दर वाले केन्द्र शासित प्रदेश बढ़ते क्रम में
  1) लक्षद्वीप (6.23%) 2) अ.नि.द्वी.स. (6.68%)
  3) चण्डीगढ़ (17.1%) 4) दिल्ली (20.96%)

जनसंख्या घनत्व (Density of population)

- जनसंख्या घनत्व 382 व्यक्ति / वर्ग किमी.
  2001 तथा 2011 की अवधि में जनघनत्व में 57 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी. की वृद्धि हुई है।
- सर्वाधिक जनघनत्व वाले राज्य–
  1) बिहार (1102) 2) प. बंगाल (1029)
  3) केरल (859) 4) उत्तर प्रदेश (828)
- न्यूनतम जन घनत्व वाले राज्य–
  1) अरुणाचल प्रदेश (17) 2) मिजोरम (52)
  3) सिक्किम (86) 4) मणिपुर (119)
- सर्वाधिक जनघनत्व वाले केन्द्रशासित प्रदेश–
  1) दिल्ली (11297) 2) चण्डीगढ़ (9252)
  3) पाण्डिचेरी (2598) 4) दमन एवं द्वीव (2169)
- न्यूनतम जनघनत्व वाले केन्द्रशासित प्रदेश–
  1) अ0नि0द्वी0स0 (46) 2) दादर एवं हवेली (698)
  3) दमन एवं द्वीव (2013)

लिंगानुपात (Sex Ratio)

लिंगानुपात 1000 / 940

- सर्वाधिक लिंगानुपात वाले राज्य–
  1) केरल 1084 2) तमिलनाडु 995
  3) आन्ध्रप्रदेश 992 4) छत्तीसगढ़ 991
- न्यूनतम लिंगानुपात वाले राज्य–
  1) हरियाणा – 877 2) जम्मू कश्मीर – 883
  3) सिक्किम – 889 4) पंजाब – 893
- सर्वाधिक लिंगानुपात वाले केन्द्र शासित प्रदेश–
  1) पाण्डिचेरी – 1038 2) लक्षद्वीप – 946
  3) अ.नि.द्वी.स. – 878
- न्यूनतम लिंगानुपात वाले केन्द्रशासित प्रदेश–
  1) दमन और द्वीव – 618 2) दादर व नगर हवेली–775
  3) चण्डीगढ़ – 718
- सर्वाधिक शिशु लिंगानुपात वाले राज्य (0–6 आयु वर्ग)–
  1) मिजोरम – 971 2) मेघालय – 970
  3) छत्तीसगढ़ – 964 4) अरुणाचल प्रदेश – 960
- **शिशु लिंगानुपात 914 है।**
- न्यूनतम शिशु लिंगानुपात वाले राज्य–
  1) हरियाणा (830)
  2) पंजाब (846)
  3) जम्मू एवं कश्मीर (859)
  4) राजस्थान / महाराष्ट्र (883)
- सर्वाधिक शिशु लिंगानुपात वाले केन्द्रशासित प्रदेश–
  1) अ.न.द्वि.स. (966)
  2) पुडुचेरी (965)
  3) दादर एवं नगर हवेली (926)
- न्यूनतम शिशु लिंगानुपात वाले केन्द्रशासित प्रदेश–
  1) दिल्ली (866) 2) चण्डीगढ़ (867)
  3) लक्षद्वीप (908)

ALPHA INSTITUTE

साक्षरता दर (Litaracy Rate)

- भारत की साक्षरता 74.04% है जिसमें पुरुष साक्षरता 82.14% तथा स्त्री साक्षरता 65.46% है।
- साक्षरता की गणना के लिए 7 वर्ष के ऊपर के आयु वर्ग को सम्मिलित किया जाता है। कोई भी व्यक्ति यदि वह पढ़ लिख सकता है, तो वह साक्षर है।
- साक्षर जनसंख्या में वर्ष 2001 की तुलना में वर्ष 2011 में 38.82% की वृद्धि हुई जिसमें पुरुष जनसंख्या में 31.98% तथा महिला जनसंख्या में 49.10% की वृद्धि हुई।
- सर्वाधिक साक्षरता प्रतिशत वाले राज्य–
  1) केरल (93.91) 2) मिजोरम (91.58)
  3) त्रिपुरा (87.75) 4) गोवा (87.40)
- न्यूनतम साक्षरता प्रतिशत वाले राज्य–
  1) बिहार (63.82) 2) अरुणाचल प्रदेश (66.95)
  3) राजस्थान (67.06) 4) झारखण्ड (67.63)
- सर्वाधिक साक्षरता प्रतिशत वाले केन्द्रशासित प्रदेश–
  1) लक्षद्वीप (92.91) 2) दमन एवं दीव (87.07)
  3) पुडुचेरी (86.55) 4) चण्डीगढ़ (86.40)
- न्यूनतम साक्षरता प्रतिशत वाले केन्द्रशासित प्रदेश–
  1) दादर एवं नगरहवेली (77.65)
  2) अण्डमान निकोबार (86.27)
  3) दिल्ली (86.34)
- सर्वाधिक पुरुष साक्षरता प्रतिशत वाले राज्य–
  1) केरल (96.02) 2) मिजोरम (93.72)
  3) गोवा (92.81) 4) त्रिपुरा (92.18)
- न्यूनतम पुरुष साक्षरता प्रतिशत वाले राज्य–
  1) बिहार (73.29) 2) अरुणाचल प्रदेश (73.69)
  3) आन्ध्रप्रदेश (75.56) 4) मेघालय (77.17)
- सर्वाधिक महिला साक्षरता प्रतिशत वाले राज्य–
  1) केरल (91.98) 2) मिजोरम (89.40)
  3) त्रिपुरा (83.15) 4) गोवा (81.84)
- न्यूनतम महिला साक्षरता प्रतिशत वाले राज्य–
  1) राजस्थान (52.66) 2) बिहार (53.33)
  3) झारखण्ड (56.21) 4) जम्मू–कश्मीर (58.01)

नगरीकरण (Urbanization)

नगर से तात्पर्य ऐसे अधिवासीय क्षेत्र से है, जहाँ द्वितीयक एवं तृतीयक क्रिया–कलापों की प्रधानता हो। ट्रिवार्था के अनुसार, 'नगरीय अथवा ग्रामीण संकल्पना मात्र एक मानसिक अनुभूति है जो वास्तविकता से काफी परे है। भरतीय विभाग ने नगर केन्द्रों के लिए निम्न आधर प्रस्तुत किये हैं।

1. वे सभी स्थल, जिनमें नगर पालिका, नगरी निगम छावनी बोर्ड या नोटीफाइड एरिया आदि की स्थापना प्रशासन की कोई इकाई होती है।
2. अन्य सभी स्थल जो निम्न शर्तें पूरी करते हैं।
   (i) 5000 की न्यूनतम जनसंख्या
   (ii) पुरुषों की क्रियाशील जनसंख्या का 75% या अधिक भाग कृष्येत्तर कार्यों में संलग्न हो
   (iii) जनसंख्या का घनत्व कम से कम 400 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी. है।

- 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में 31.16% जनसंख्या नगरों तथ 68.84% ग्रामीण क्षेत्र में निवास करती है।
- नगरीय तथा ग्रामीण जनसंख्या में दशकीय वृद्धि दर क्रमशः ग्रामीण – 12.18 तथा नगरीय 31.8%
- सर्वाधिक नगरीय जनसंख्या प्रतिशत वाला राज्य गोवा है।
- न्यूनतम जनसंख्या प्रतिशत वाला राज्य हिमाचल प्रदेश।
- भारत में सर्वाधिक नगरों वाला राज्य उ0प्र0 है।
- सर्वाधिक नगरीय जनसंख्या प्रतिशत वाले राज्य–
  1) गोवा (62.17) 2) मिजोरम (51.51)
  3) तमिलनाडु (48.45) 4) केरल (47.72)
  5) महाराष्ट्र (45.23)
- न्यूनतम नगरीय जनसंख्या प्रतिशत वाले राज्य
  1) हिमाचल प्रदेश (10.04) 2) बिहार (11.30)
  3) असम (14.08) 4) ओडिशा (16.68)
  5) मेघालय (20.08)
- सर्वाधिक नगरीय जनसंख्या प्रतिशत वाले केन्द्रशासित प्रदेश–
  1) दिल्ली (97.5) 2) चण्डीगढ़ (97.25)
  3) लक्षद्वीप (78.08)
- न्यूनतम नगरीय जनसंख्या प्रतिशत वाले केन्द्रशसित प्रदेश–
  1) अ.नि.द्वी.स. (35.67)
  2) दादर एवं नगर हवेली (46.62)
  3) पुडुचेरी (68.31)

अनुसूचित जाति (SC) एवं अनु0 जनजाति (ST) जनसंख्या 2001।

- भारत में 16.5% जनसंख्या अनुसूचित जातियों की है।
- सर्वाधिक अनुसूचित जाति प्रतिशत वाला राज्य पंजाब (28.9%) है।
- न्यूनतम अनुसूचित जाति प्रतिशत वाला राज्य मिजोरम (0.1%) है।
- अधिकतम अनुसूचित जाति संख्या वाले राज्य
  1) उत्तर प्रदेश 2) प0 बंगाल
  3) बिहार 4) तमिलनाडु
- प्रतिशत में सर्वाधिक अनुसूचित जाति वाले राज्य–
  1) पंजाब (28.9) 2) हिमाचल प्रदेश (24.7)
  3) प0 बंगाल (23) 4) उत्तर प्रदेश (21.1)
- देश में 8.2% जनसंख्या अनु0 जनजातियों की है।
- सर्वाधिक जनजातीय जनसंख्या म0प्र0 में है जबकि प्रतिश में प्रथम स्थन मिजोरम का है।
- जनजातियों की संख्या की दृष्टि से चार राज्य–
  1) मध्य प्रदेश 2) महाराष्ट्र
  3) उड़ीसा 4) गुजरात
- प्रतिशत में अवरोही क्रम–
  1) मिजोरम (94.5) 2) नागालैण्ड (88.9)
  3) मेघालय (85.9) 4) अरुणाचल प्रदेश (64.2)
- केन्द्रशासित राज्यों में सर्वाधिक जनजाति लक्षद्वीप में है।

धार्मिक जनगणना (Religion Census)

- सितम्बर 2004 में स्वतंत्र भारत के इतिहास में भारत के महारजिस्ट्रार एवं जनगणना आयुक्त कार्यालय द्वारा पहली बार ''धर्म के आधार पर प्रथम प्रतिवेदन'' प्रस्तुत किया।
- धार्मिक जनसंख्या प्रतिशत–
  1. हिन्दू – 80.5%
  2. मुस्लिम – 13.4%
  3. इसाई – 2.33%
  4. सिख – 1.84%
  5. बौद्ध – 0.8%
  6. जैन – 0.4%

धार्मिक साक्षरता

		कुल	पु0	महिला
1.	जैन	94.1%	97.4%	90.6%
2.	इसाई	80.3%	84.4%	76.2%
3.	बौद्ध	72.7%	83%	61.7%
4.	सिख	69.4%	75.2%	63.1%
5.	हिन्दू	65.1%	76.2%	53.2%
6.	मुस्लिम	59.1%	67.6%	50.1%

धार्मिक लिंगानुपात

1.	इसाई	1009
2.	बौद्ध	953
3.	जैन	940
4.	मुस्लिम	936
5.	हिन्दू	931
6.	सिख	893

धार्मिक जनसंख्या वृद्धिदर

1.	बौद्ध	32.2
2.	मुस्लिम	29.2
3.	जैन	26
4.	इसाई	22
5.	हिन्दू	20
6.	सिख	16

विश्व के चार वृहत धर्म

1.	इसाई	33%
2.	मुस्लिम	18%
3.	हिन्दू	14%
4.	बौद्ध	5.7%

नगरीकरण

- 2001 जनगणना के अनुसार दस लाख से अधिक आबादी वाले नगरों की संख्या 35 है।
- 2001 की जनगणना के अनुसार 50 लाख से अधिक आबादी के नगर 6 हैं। जो क्रमशः निम्न हैं।
  1. वृहत मुम्बई 2. कोलकाता 3. दिल्ली
  4. चेन्नई 5. बंगलौर 6. हैदराबाद
- उ0प्र0 में 10 लाखी नगर 7 हैं।
  1. कानपुर 2. लखनऊ
  3. गाजियाबाद 4. आगरा
  5. वाराणसी 6. मेरठ
  7. इलाहाबाद

भारत की प्रमुख जनजातियाँ (राज्यवार)

राज्य	जनजातियाँ
• नागालैण्ड	नागा, नबुईनागा
• मणिपुर	कूकी, मैठी
• मिजोरम	लाखर, पावी, मीजो
• मेघालय	गारो, खासी, मिकिर एवं जयंतिया
• त्रिपुरा	रियांग, त्रिपुरी
• अरुणाचल प्रदेश	मोपा, डफला, आपातानी, मेजी मिश्मी एवं मिनयोगं
• असम	गारो, खासी, जयंतिया, दियारा, बोडो, अबोर, लुशाई
• पश्चिमी बंगाल	लोधा, भूमिज, संथाल, लेप्चा टोटो
• सिक्किम	लेप्चा
• अण्डमान–निकोबार	अण्डमानी, निकोबारी, सेंटलीज, ओंगे, जारवा, जारना आदि।
• लक्षद्वीप	वासी
• तमिलनाडु	बड़गा, तोडत्रकोटा, टोडा, कोटा
• आन्ध्रप्रदेश	चेंचू, कौढ़स, सवारा, गढ़वा, बहुरुपा, बंजारा पीची–गुंटल
• केरल	कारद, मोपाल, नायर, उराली
• कर्नाटक	नौकाडा, यारावा, भारती
• गुजरात	भील, बंजारा, कोली, डबला, खारी
• महाराष्ट्र	बार्ली, बंजारा, कोली
• राजस्थान	मीणा, भील, गरसिया, बंजारा, कोली, खारी, कलबेला
• हिमाचल प्रदेश	गद्दी, किन्नौर, जद्दा, बकरावल, गुज्जर
• जम्मू–कश्मीर	बकरावल, गुज्जर, (मुस्लिम धर्मावलंबी) चौपान
• उत्तरांचल	थारू, भोटिया, खस, बुक्सा (भुक्सा), जौनसारी, राजी, शौक, माहीगीर
• उड़ीसा	जुआंग, खरिया (करिया), भुइया, संथाल, हो, कोल, उरॉव, गुण्डुपता
• झारखण्ड	संथाल, मुण्डा, हो, बरहोर, कोरबा, केलाअसूर, भुइया, गोंड
• मध्य प्रदेश	भील, लम्बाड़ी, अबुभुमारिया, मूरिया, बैगा, मुण्डा, कोल, कमार
• छत्तीसगढ़	कवरढ़ा
• पंजाब	सांसी

जनजातियों की जनसंख्या (अवरोही क्रम)

प्रदेश	जनसंख्या	प्रतिशत
• मध्य प्रदेश	12233474	20.30%
• महाराष्ट्र	8577276	8.40%
• उड़ीसा	8145081	22.10%
• गुजरात	7481160	14.80%
• राजस्थान	7097706	12.60%
नये राज्यों में		
• झारखण्ड	7087068	26.30%
• छत्तीसगढ़	6616596	31.80%
• उत्तरांचल	256129	03.00%

जनजातियों की जनसंख्या (आरोही क्रम)		
प्रदेश	जनसंख्या	प्रतिशत
• गोवा	566	0.03%
• उत्तर प्रदेश	107963	0.06%
• बिहार	158351	0.09%
• हिमाचल प्रदेश	244587	0.40%
• उत्तरांचल	256129	3.00%

प्रतिशतता के आधार पर अवरोगी क्रम	
प्रदेश	प्रतिशत
• मिजोरम	94.5%
• नागालैण्ड	88.9%
• मेघालय	85.9%
• अरुणाचल प्रदेश	64.2%
• मणिपुर	34.41%
• छत्तीसगढ़	31.8%
• त्रिपुरा	31.1%

भारत में परिवहन

भारत में परिवहन क्षेत्र काफी व्यापक एवं वैविध्य है। 83 प्रतिशत सड़कें, 9 प्रतिशत रेलें, 6 प्रतिशत वायुमार्ग एवं 2 प्रतिशत जलमार्ग हैं। भारत का राष्ट्रीय राजमार्ग घनत्व 0.66 राजमार्ग प्रति वर्ग किलोमीटर है जो अमेरिका के 0.65 वर्ग किलोमीटर के बराबर है जबकि चीन (0.16 वर्ग किलोमीटर) और ब्राजील (0.20 वर्ग किलोमीटर) से काफी अधिक है।

सड़क परिवहन

देश के सड़क परिवहन में राष्ट्रीय राजमार्ग, राज्य राजमार्ग, प्रमुख जिला सड़कें, अन्य जिला सड़कें तथा ग्राम सड़कें शामिल हैं। भारत में 3.3 मिलियन किमी. सड़क नेटवर्क है जो विश्व में दूसरा सबसे बड़ा नेटवर्क है। सड़कों की कुल लम्बाई का लगभग 2 प्रतिशत राष्ट्रीय राजमार्ग हैं जबकि देश की लंबाई और चौड़ाई में कुल यातायात का 40 प्रतिशत इनके द्वारा होता है। राष्ट्रीय राजमार्ग की कुल लम्बाई 27 प्रतिशत एकल लेन मध्यवर्ती लेन का है, 54 प्रतिशत मानक दोहरी लेन का है और शेष 19 प्रतिशत चार लेन/छह लेन/आठ लेन अथवा अधिक का है। सड़कों से लगभग 65% माल यातायात और 87.4% यात्री यातायात का परिवहन होता हैं विगत पांच वर्षों में वाहनों की संख्या में औसतन 12% की गति से वार्षिक वृद्धि हुई है। विश्व की सबसे ऊँची सड़क (4207 मीटर की ऊँचाई पर) हिमाचल प्रदेश में मनाली से जम्मू व कश्मीर के लद्दाख क्षेत्र के लेह तक निर्मित की गयी है।

प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्ग		
राष्ट्रीय राजमार्ग	कहाँ से कहाँ तक	विशेषताएँ
• N.H.-1	दिल्ली–अमृतसर	शेरशाह सूरी मार्ग
• N.H.-2	दिल्ली–कोलकाता	NH-1 एवं 2 को **ग्रांड ट्रंक रोड**
• N.H.-3	आगरा–मुम्बई	–
• N.H.-4	थाणे–चेन्नई	–
• N.H.-5	बाहरागोरा–चेन्नई	पूर्वी तट के साथ
• N.H.-6	धुले–कोलकाता	–
• N.H.-7	वाराणसी–कन्याकुमारी (2369 किमी.)	देश का सबसे लम्बा राजमार्ग–जबलपुर, नागपुर, हैदराबाद; बंगलौर एवं मदुरै होकर
• N.H.-8	दिल्ली–मुम्बई	राजस्थान–गुजरात होकर
• N.H.-15	पठानकोट–सामाखिआली	राजस्थान के मरुस्थल से होकर
• N.H.-17	पानवेल–इडापेल्ली	पश्चिमी तट के साथ
• N.H.-28	दिल्ली–लखनऊ	–
• N.H.-47A	बिलिंग्डन आईलैण्ड–कोचिन बाई पास NH47	सबसे छोटा राजमार्ग (6.0 किमी.)
• N.H.-1A	जालंधर–उरी (जम्मू–श्रीनगर होकर)	जम्मू और श्रीनगर को जोड़ने वाले बनिहार दर्रे में स्थित जवाहर सुरंग से होकर

राष्ट्रीय राज्यमार्गों की सर्वाधिक लम्बाई वाले पाँच राज्य		
राज्य	राष्ट्रीय राजमार्गों की लम्बाई (किमी.)	भारत का %
• उत्तर प्रदेश	5874	8.3
• राजस्थान	5585	7.9
• मध्य प्रदेश	4670	6.6
• आन्ध्र प्रदेश	4472	6.34
• तमिलनाडु	4462	6.32

भारत के चार शीर्ष N.H. मार्ग	
N.H. मार्ग	कहाँ से कहाँतक
• N.H.-7 (2369 किमी.)	वाराणसी–कन्याकुमारी
• N.H.-6 (1949 किमी.)	कोलकाता–हजीरा
• N.H.-5 (1533 किमी.)	चेन्नई–बहारागोडा
• N.H.-15	पठानकोट–समख्याली

स्वर्णिम चतुर्भुज के चारो भुजा की लम्बाई	
भुजा	**लम्बाई (किमी.)**
• दिल्ली–मुम्बई	1419
• मुम्बई–चेन्नई	1290
• चेन्नई–कोलकाता	1684
• कोलकाता–दिल्ली	1453

14 नये राष्ट्रीय राजमार्ग		
राष्ट्रीय राजमार्ग क्र.	**लं. किमी.**	**राज्य**
• N.H.-81	100	बिहार, बंगाल
• N.H.-82	130	बिहार
• N.H.-83	130	बिहार
• N.H.-84	60	बिहार
• N.H.-85	95	बिहार
• N.H.-86	360	उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश
• N.H.-87	83	उत्तर प्रदेश
• N.H.-88	115	हिमाचल प्रदेश
• N.H.-89M	300	राजस्थान
• N.H.-152	40	असम
• N.H.-212	250	केरल कर्नाटक
• N.H.-213	130	केरल
• N.H.-214	270	आन्ध्र प्रदेश
• N.H.-215	348	उड़ीसा
कुल 14 राजमार्ग	**2,411**	**11 राज्य**

सीमा सड़क संगठन– दो परियोजनाओं पूर्व में परियोजना 'टस्कर' और पश्चिम में परियोजना 'बेकॉन' के साथ मई 1960 में अपनी शुरुआत करने के बाद बीआरओ, जो सड़क निर्माणकार्यपालक बल के रूप में थल सेना की सहायता के लिए अंशतः उसका ही एक अभिन्न अंग है, आज बढ़कर 13 परियोजनाओं का कार्यपालक बल हो गया है और इसकी सहायता के लिए एक पूर्ण रूप से संगठित भर्ती प्रशिक्षण केंद्र है।

रेल परिवहन

भारतीय रेलवे एकल प्रबंधन के तहत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा रेल तंत्र है। भारत में पहली रेलगाड़ी का शुभारम्भ मुंबई से थाणे (21 मील) के बीच 16 अप्रैल, 1853 में हुआ था। पहली यात्री गाड़ी 15 अगस्त, 1854 को हावड़ा से हुगली के बीच चलाई गई। उस समय से भारतीय रेल निरंतर अपनी प्रगति के पथ पर अग्रसर है। रेलमार्ग की कुल लंबाई 64015 किमी. है और चालित रेल पथ 85158 किमी. थी। इसमें ब्रॉड गेज (1676 mm)=3651 km तथा 3,124 किमी. संकड़ी लाइनें हैं। इनमें लगभग 28 प्रतिशत भाग (18274 किमी.) विद्युतीकृत हैं। रेलवे स्टेशनों की संख्या 7,133 है। भारत में प्रतिदिन लगभग 11,270 रेलें चलती हैं। देश के पहाड़ी क्षेत्रों में रेल विकास काफी कम हुआ है, जबकि उत्तरी भारत से पूर्वी भारत (पश्चिम बंगाल) तक रेल का अधिकतम विकास हुआ है। रेलवे प्रशासन तथा प्रबंध की जिम्मेदारी रेलवे बोर्ड पर है। 924–25 से रेलवे का राजस्व सामान्य राजस्व से अलग रखा जाने लगा। यह संसद में रेल बजट के रूप में अलग से पेश किया जाता है। रेलवे में लगभग 14 लाख (बजट से) कर्मचारी हैं, जो देश के किसी भी उपक्रम से अधिक हैं। रेल मंत्रालय के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र के चार उपक्रम हैं।

जोन	मुख्यालय	कार्य प्रारम्भ करने का वर्ष
1. मध्य रेलवे (CR)	मुम्बई वी.टी.	5 नवम्बर, 1951
2. पूर्वी रेलवे (ER)	कोलकाता	1 अगस्त, 1955
3. उत्तरी रेलवे (NR)	नई दिल्ली	4 अप्रैल, 1952
4. उत्तरी–पूर्वी रेलवे (NER)	गोरखपुर	4 अप्रैल, 1952
5. उत्तरी–पर्वी सीमा प्रानत रेलवे (NEFR)	मालीगाँव–गुवाहाटी	15 जनवरी, 1958
6. दक्षिणी रेलवे (SR)	चेन्नई	14 अप्रैल, 1951
7. दक्षिणी–मध्य रेलवे (SCR)	सिकंदराबाद	2 अक्टूबर, 1966
8. दक्षिणी–पूर्वी रेलवे (SER)	कोलकाता	1 अगस्त, 1955
9. पश्चिम रेलवे (WR)	मुम्बई–चर्चगेट	5 नवम्बर, 1951
10. पूर्वी–मध्य रेलवे (ECR)	हाजीपुर	1 अक्टूबर, 2002
11. उत्तर–पश्चिमी रेलवे (NWR)	जयपुर	1 अक्टूबर, 2002
12. पूर्वी तटवर्ती (East Coast) रेलवे (ECR)	भुवनेश्वर	1 अप्रैल, 2003
13. उत्तर–मध्य रेलवे (NCR)	इलाहाबाद	1 अप्रैल, 2003
14. दक्षिण–पश्चिमी रेलवे (SWR)	हुबली	1 अप्रैल, 2003
15. पश्चिम–मध्य रेलवे (WCR)	जबलपुर	1 अप्रैल, 2003
16. दक्षिण–पूर्व मध्य रेलवे (SECR)	बिलासपुर	5 अप्रैल, 2003
17. कोलकाता मेट्रो रेलवे (KMR)	कोलकाता	

उपरोक्त पुर्नगठित 16 रेल क्षेत्रों के अतिरिक्त आठ नये रेल–सम्भाग भी सृजित किये गये हैं जिनमें (i) आगरा, (ii) अहमदाबाद, (iii) गुन्तूर, (iv) नान्देड, (v) पुणे, (vi) रायपुर, (vii) राँची तथा (viii) रंगिया सम्मिलित हैं। ये 1 अप्रैल, 2003 से सक्रिय हो गये हैं।

पूर्वोत्तर राज्यों में रेलमार्ग विस्तार	
राज्य	रेलमार्ग लं. किमी.
• असम	2516
• त्रिपुरा	45
• नागालैण्ड	13
• मिजोरम	02
• अरुणाचल प्रदेश	01
• मणिपुर	01
• मेघालय	कोई रेलमार्ग नहीं

प्रमुख रेलगाड़ियाँ व स्कीम

- **दुरंतो ट्रेन :** भारतीय रेलवे ने नई श्रेणी की यात्री वाहक ट्रेन 'दुरंतो' ट्रेन सितंबर, 2009 में शुरू की है। यह नाम्न स्टॉप सुपरफास्ट यात्री वाहक ट्रेन है जो यात्रियों को बेहतर रफ्तार, आराम व सुरक्षाप्रदान करती है। पहली दुरंतों 7 सितंबर, 2009 को सियालदह–नई दिल्ली के बीच आरंभ हुई। 2010–11 के बजट में कुछ दुरंतों गाड़ियों को दिन में चलाने का प्रस्ताव किया गया है।
- **संस्कृति एक्सप्रेस :** ईपार बांग्ला, ओपार बांग्ला (कविगुरू रविन्द्रनाथ टैगोर के 150वें जनमोत्सव के अवसर पर)
- **मातृभूमि गाड़ियाँ (21) :** महिला स्पेशल गाड़ियाँ। कामकाजी महिलाओं के लिए कोलकाता, चेन्नई, नई दिलली और मुंबई जैसे प्रमुख शहरों में।
- **कर्मभूमि गाड़ियाँ :** आम लोगों के लिए अनारक्षित गाड़ियाँ
- **जन्म भूमि गाड़ियाँ :** सैनिकों को सुविधा उपलबध कराने के लिए अहमदाबाद से ऊधमपुर के बीच साप्ताहिक ट्रेन सेवा।
- मेमू और डेमू परंपरागत पैसेंजर गाड़ियों के समान।
- अलुआबाड़ी–सिलीगुड़ी और न्यू जलपाईगुडत्री के बीच एक रिंग रेल किस्म की सेवा।
- राष्ट्रमंडल खेलों के पचार के लिए ''राष्ट्रमंडल प्रदर्शन गाड़ीय''।
- **भारत तीर्थ गाड़ियाँ :** भारत में पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु चलायी जाएंगी। ये हिमालय से कन्याकुमारी तक, द्वारका से विंध्यपर्वत तक, अजमेर शरीफ से गंगासागर तक और मदुरै से पटना साहिब तक, भारत की 'विविधता में एकता' को दृढ़ करेंगी।
- **युवा ट्रेन :** 'पहली युवा ट्रेनें' मुख्य रूप से बेरोजगार युवाओं को लक्ष्य में रखकर चलाई गई हैं। ये हावड़ा–दिल्ली तथा हजरत निजामुद्दीन–बांद्रा टर्मिनल के बीच प्रारंभ की गई है। इसके माध्यम से कम आयु (15–45 वर्ष) वर्ग के युवा कुख्य शहरों के बीच निम्न दरों पर यात्रा कर सकेंगे।
- **इज्जत ट्रेन :** भारतीय रेलवे ने 'इज्जत' नामक एक नई योजना प्रारंभ की है जिसमें 25 रु. के एक समान मूल्य का मासिक सीजन टिकट होगा और उसमें सभी अधिभार शामिल होंगे। ये टिकटें उन व्यक्तियों को ही मिल सकेंगी जो असंगठित क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं तथा जिनकी मासिक आय 1500 रु. से अधिक नहीं है। ये टिकटें 1/8/2009 से जारी की जा रही हैं।
- **तेजश्री पार्सल सेवा :** उच्च मूल्य वाले तथा मार्गस्थ संवेदी हल्के पार्सल ट्रेफिक को आकर्षित करने के लिए, दिल्ली– हावड़ा, दिल्ली– अहमदाबाद/ वापी– हावड़ा के बीच 'तेज श्री–पार्सल सेवा' नामक प्रीमियम पार्सल एक्सप्रेस ट्रेनें प्रायोगिक परियोजना के रूप में प्रारंभ की गई है।
- **रेल इंडिया टेक्नीकल एंड इकोनॉमिक सर्विसेज लिमिटेड (राइट्स) :** यह भारत तथा विदेशों में परिवहन संबंधी परामर्श देने वाली प्रमुख संस्था है।
- **इंडियन रेलवे कंस्ट्रक्शन लिमिटेड (इरकान) :** यह भारत तथाविदेशों में रेल परियोजनाओं को चालू आधार पर बनाकर देने का कार्य करती है।
- **इंडियन रेलवे फाइनेंस कॉरपोरेशन :** यह सार्वजनिक ऋणों के जरिए धन इकट्ठा करता है। दसवीं पंचवर्षीय योजना में रेलवे की पुरानी लाइनों को बदलने, नये पुल बनाने, भिड़ंतरोधी उपकरण तथा रक्षा कवच लगाने आदि पर विशेष बल दिया जा रहा है। इसके अलावा वर्ष 1988 में गठित खन्ना समिति द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट के अनुरूप 17000 करोड़ रुपये का 'रेलवे सुरक्षा कोष' स्थापित किया गया है।

विजन–2020, 2009 में प्रस्तुत करते हुए रेलमंत्री ममता बनर्जी ने स्पष्ट किया कि 1999–2001 में जब वह रेलमंत्री थीं तब भारतीय रेलमार्ग लंबाई की दृष्टि से विश्व में एकल प्रबंधन के अंतर्गत रशियन रेलवे के बाद सबसे बड़ा रेल नेटवर्क था; अब यह खिसककर तीसरे स्थान पर आ गया है।

राष्ट्रीय रेल विकास योजना :

जनवरी, 2003 में रेलवे नेटवर्क को सुदृढ़ बनाने के लिए रेल विकास निगम की स्थापना की गयी। 15,000 करोड़ रुपये की इस महत्वाकांक्षी परियोजना के तहत निम्नलिखित तीन परियोजनाएं शामिल हैं–

1. **स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना :** इसके तहत चार महानगरों दिल्ली, कोलकाता, मुंबई व चेन्नई को जोड़ने वाली हाई डैन्सिटी रेल मार्गों को सुदृढ़ किया जाएगा। इसके तहत रेल मार्गों का दोहरीकरण, मालकाड़ियों की गति को बढ़ाकर 100 किमी. प्रति घंआ करने तथा टर्मिनलों व जंक्शन स्टेशनों के नवीनीकरण आदि के कार्य भी सम्पादित किए जाएंगे।
2. **महासेतु निर्माण परियोजना :** इसके तहत गंगा नदी पर दो पुलों (पटना के निकट दीघा–सोनपुर के मध्य व दूसरा मुंगेर एवं खगड़िया के मध्य रेल सह–सड़क पुल), ब्रह्मपुत्र नदी पर डिब्रूगढ़ के निकट बोगीबील पर एक पुल तथा चौथा कोसी नदी पर निर्मली व भपतियाही के बीच पुल के निर्माण की योजना शामिल है।
3. **बंदरगाहों से द्रुत सम्पर्क परियोजना :** इस परियोजना के तहत निर्यात व्यापार को सुदृढ़ बनाने के लिए बंदरगाहों से जुड़े रेल मार्गों को सुदृढ़ किया जाएगा तथा आवश्यकतानुसार नई रेल लाइनें बिछाई जाएंगी।

भारत में मेट्रो प्रोजेक्ट : भारत में बढ़ती जनसंख्या, अत्यधिक भीड़–भाड़, वाहनों की बढ़ती सघनता, सड़क दुर्घटनाओं में वृद्धि, ईंधन की खराबी तथा पर्यावरणीय प्रदूषण को रोकने की दृष्टि से निजी मोड़ को हतोत्साहित करने तथा सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने के लिए ये मेट्रो प्रोजेक्ट प्रारंभ किए गए हैं।

सामर्पित माल यातायात गलियारा : समर्पित माल यातायात गलियारा परियोजना भारतीय रेलवे की एक महत्वाकांक्षी परियोजना है। वर्ष 2009–10 के रेल बजट में रेल मंत्री ममता बनर्जी ने इस परियोजना 'डायमंड रेल परियोजना' का नाम दिया। पश्चिमी गलियारा उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र से होकर गुजरेगा। पश्चिमी समप्रित माल गलियारे के प्रभाव में दिल्ली–मुंबई औद्योगिक गलियारे काविकास किया जा रहा है जिसमें औद्योगिक हब, रेल पोर्ट संपर्क, लाजिस्टिक पार्क तथा मेगा पावर प्लांट शामिल हैं।

जल परिवहन

अंतर्देशीय जल परिवहन का देश के कुल परिवहन में मात्र 0.15 प्रतिशत की भागीदारी है जिसे बढ़ाया जा सकता हैं अंतर्देशीय जल परिवहन के विकास के लिए केंद्रीय अंतर्देशीय जल परिवहन बोर्ड नयी दिल्ली में स्थापित किया गया है। भारतीय अंतर्देशीय जल परिवहन प्राधिकरण (IWAI) के अन्तर्गत राष्ट्रीय जलमार्गों का विकास, रख–रखाव व प्रबंध किया जा रहा है। इसकी स्थापना 1986 में की गयी थी। प्राधिकरण का मुख्यालय नोयडा में स्थित है। यह प्राधिकरण जहाजरानी मंत्रालय के अंतर्गत आता है।

राष्ट्रीय जलमार्ग :

- **एन.डब्ल्यू–1 :** इलाहाबाद–हल्दिया खंड, 1620 किमी. लंबी गंगा नदी प्रणाली राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या–1 है। इस जलमार्ग पर प्रतिवर्ष लगभग 18 मिलियन टन माल ढोने की क्षमता होने का अनुमान है।
- **एन. डब्ल्यू.–2 :** सदया–धुबरी खंड, 891 किमी. लंबी ब्रह्मपुत्र नदी राष्ट्रीय जलमार्ग संख्या–2 है। यहां से प्रतिवर्ष औसतमन 1.2 मि. टन माल ढोया जाता है।
- **एन. डब्ल्यू.–3 :** चम्पाकारा और उद्योगमंडल कैनाल सहित कोल्लम से कोट्टापुरम तक (205 किमी.) पश्चिम तट कैनाल को 1993 में राष्ट्रीय जलमार्ग के रूप में घोषित किया गया। कोट्टापुरम–कोल्लाम खंड, 168 किमी. पश्चिमी तटवर्ती नहर के साथ 23 किमी. चंपाकार नहर और 14 किमी. उद्योगमंडल नहर को राजमार्ग संख्या–3 घोषित किया गया है। इस जलमार्ग पर लगभग 4 मि. टन माल प्रतिवर्ष ढोया जाता है।
- **एन. डब्ल्यू.–4 : राष्ट्रीय जलमार्ग–4–** कृष्णा नदी का वजीराबाद–विजयवाड़ा प्रखंड और गोदावरी नदी का भद्रचलम–राजामुन्द्री प्रखंड तथा कालूवेली टैंक एवं कैनालों का काकीनाडा पुडुचेरी प्रखंड (राष्ट्रीय जलमार्ग–4 = 1095 किमी.)
- **एन. डब्ल्यू.–5 :** ब्राह्मणी नदी का तलचर–धमरा प्रखंड, पूर्व तट कैनाल के जियोनखली–चरबतिया प्रखंड, मताई नदी के चरबतिया–धमरा प्रखंड और महानदी डेल्टा नदियों का मंगलगड़ी–पारादीप (total 623 किमी.)

प्रस्तावित नए राष्ट्रीय जलमार्ग– (जलमार्ग–6 = 121 किमी.) = असम राज्य में भांगा से लखीपुर तट–बराक नदी।

कालादान मल्टी मोडल पारगमन परिवहन परियोजना– इस परियोजना में देश के पूर्वी भाग से उत्तर–पूर्व क्षेत्र और म्यांमार होकर विलोमतः मालों की ढुलाई में सुविधा देने के लिए एक मल्टीमोडल परिवहन कॉरिडोर के निर्माण का कार्य चल रहा है।

भारत के राष्ट्रीय जलमार्ग

जलमार्ग क्रमांक	कहाँ से कहाँ तक	दूरी (किमी.)	स्थापना
N.W.-1	इलाहाबाद–हल्दिया	1620	1986
N.W.-2	सादिया–धुवरी (ब्रह्मपुत्र नदी)	891	1988
N.W.-3	कोलम–कोट्टपुरम (केरल)	205	1993
N.W.-4	काकीनाडा–मखकानम (गोदावरी तथा कृष्णा नदी क्षेत्र)	1100	प्रस्तावित

समुद्री जल परिवहन : भारत के समुद्री तट पर 12 प्रमुख बंदरगाह तथा 200 छोटे बंदरगाह हैं। छोटे और मझोले बंदरगाह संविधान की समवर्ती सूची में आते हैं। देश के प्रमुख बंदरगाह हैं– कांडला, मुंबई, मोरमुगाओ, नया मंगलौर, कोचीन, न्हावाशेवा (जवाहरलाल नेहरू बंदरगाह), न्यू तूतीकोरीन, चेन्नई, विशाखापट्टनम्, पाराद्वीप और कोलकाता– हल्दिया। प्रमुख बंदरगाह अखिल भारतीय बंदरगाहों के 80 प्रतिशत माल को संचालित करते हैं जिसमें पिछले साम वर्षों में प्रत्येक वर्ष में विशाखापट्टनम यातायात संचालन में सबसे ऊपर रहा है। देश में आधुनिक सामुद्रिक परिवहन के विकास का प्रारम्भ 1854 से 'ब्रिटिश इंडिया स्टीम नेवीगेशन कंपनी' की स्थापना के साथ हुआ। केन्द्र और राज्य सरकारों को बंदरगाहों के विकास के बारे में सलाह देने के लिए 1950 में राष्ट्रीय बंदरगाह बोर्ड की स्थापना की गयी। प्रमुख बंदरगाहों का नियंत्रण भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 ओर प्रमुख पत्तन न्यास अधिनियम, 1963 के अंतर्गत किया जाता है।

भारत का सबसे बड़ा शिपयार्ड कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड है। भारत में कुल 27 शिपयार्ड है। 6–पब्लिक सेक्टर–2 राज्य सरकारों के अंतर्गत 19–प्राइवेट सेक्टर में हैं।

मुंबई देश का सबसे बड़ा बंदरगाह है जहां से देश का सर्वाधिक समुद्री यातायात किया जाता है। जवाहरलाल नेहरू बंदरगाह (न्हावासेवा) आधुनिकतम सुविधाओं से सुसज्जित देश का नवीनतम बड़ा बंदरगाह है। यह सबसे बड़ा कृत्रिम बंदरगाह भी हैं मुंबई व कोचीन के बंदरगाह प्राकृतिक बंदरगाह हैं, जबकि कांडला ज्वारीय बंदरगाह है। विशाखापत्तनम देश का सबसे गहरा बंदरगाह है। पूर्वी तट के बंदरगाहों में चेन्नई सबसे प्राचीन बंदरगाह है।

भारत का पहला समुद्री पुल : दस लेनों वाला बान्द्रा वर्ली समुद्री लिंक पुल, जिसे अधिकारिक तौर पर राजीव गांधी समुद्री लिंक पुल नाम से जाना जाता है, का 30 जून, 2009 से आम लोगों के लिए खोल दिया गया। 5.6 किमी. लंबे भारत के इस प्रथम समुद्री पुल में 1600 करोड़ रुपये की लागत से आम यातायात के लिए 8 लेन एवं दो लेनें बसों के लिए आरक्षित रखी गईं हैं।

सेतुसमुद्रम परियोजना : 2427.40 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाली सेतुसमुद्रम शिप कैनाल प्रोजेक्ट मन्नार की खाड़ी और बंगाल की खाड़ी के बीच छिछले समुद्री इलाके (कम गहरे) में खुदाई करके एक ऐसी गहरी नहर बनाने की योजना है, जिस पर बड़े शिप भी आसानी से यात्रा कर सकें। इस परियोजना की सर्वप्रथम कल्पना एक ब्रिटिश कमांडर ए.डी.टेलर ने वर्ष 1860 ने की थी। इस परियोजना का निर्माण का नोडल एजेंसी तुतीकोरिन पोर्ट ट्रस्ट है।

वायु परिवहन

घरेलू यातायात के अनुसार अमेरिका, चीन तथा जापान के पश्चात 43.29 मिलियन घरेलू यात्रियों के साथ भारत चौथे स्थान पर रहा है। फिलहाल भारत में 82 हवाईअड्डों से अनुसूचित हवाई सेवाएं उपलब्ध हैं। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा नई दिल्ली 15–25 मिलियन यात्रियों को नियंत्रण करने के मामले में विश्व में चौथे स्थान पर है।

भारत में वायुयानों की प्रायोगिक उड़ानें 1911 में प्रारम्भ की गयी थी, लेकिन वायु परिवहन की वास्तविक शुरुआत 1927 में 'नागरिक उड्डयन विभाग' की स्थापना के साथ ही हो पायी। 1929 में एम्पाएर एयर सर्विसेज के वायुयान भारत में उतरे और यहां से यात्रियों को ब्रिटेन, फ्रांस और हालैण्ड ले गये। इसके बाद यहां 1933 में इंडियन नेशनल एयरवेज लिमिटेड, 1936 में एयर सर्विसेज ऑफ इंडिया लिमिटेड तथा 1937 में टाटा एयरवेज कंपनी की स्थापना हुई। धीरे–धीरे ऐसी निजी कंपनियों की संख्या बढ़ने लगी। फलतः 1946 में ाारत में उड़ान के लिए लाइसेंस लेना अनिवार्य कर दिया गया और इसके लिए इसी वर्ष वायु परिवहन लाइसेन्स बोर्ड की स्थापना की गयी। मई 1953 में वायु निगम अधिनियम पास करके भारत सरकार ने वायु परिवहन सेवा का राष्ट्रीयकरण कर दिया। इस अधिनियम के अंतर्गत इंडियन एयरलाइंस कॉरपोरेशन और एयर इंडिया इंटरनेशनल कॉरपोरेशन की स्थापना की भी व्यवस्था की गयी। इन दोनों निगमों ने अगस्त 1953 में अपनी सेवाएं प्रारम्भ की।

देश में तीसरे परिवहन सेवा के रूप में 1981 में वायुदूत लिमिटेड की स्थापना की गयी। उधन पवन हंस लिमिटेड की स्थापना 13 अक्टूबर, 1985 को की गयी। मुंबई, कोलकाता, दिल्ली और चेन्नई (अब तिरुवनंतपुरम भी) में अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डों के विकास के लिए फरवरी 1972 में अंतर्राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण (International Airport Authority) की स्थापना की गयी। केंद्र सरकार ने बंगलौर के पास 'देवनाहाली' और बिहार स्थित गया में नया अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा बनाने की मंजूरी दी है। 1 अप्रैल, 1994 को 'वायु निगम अधिकनयम, 1953' को निरस्त कर दिया गया, जिससे अब अनुसूचित हवाई यातायात सेवाओं पर से एयर इंडिया और वायुदूत का एकाधिकार समाप्त हो गया है।

एयर इंडिया : भारत की सार्वजनिक क्षेत्र की विमानन कंपनियों एयर इंडिया व इंडियन एयर लाइंस का विलय हो गया है। इन कंपनियों के विलय के नागरिक उड्डयन विभाग के प्रस्ताव को उच्चस्तरीय मंत्रिमंडलीय समूह ने 21 फरवरी, 2007 को अनुमोदित कर दिया। इसे मंत्रिमंडल की मंजूरी 31 मार्च, 2007 को प्राप्त हुई। एयर इंडिया व इंडियन एयरलाइंस के विलय के पश्चात् ब्रांड का नया नाम एयर इंडिया रखा गया है। इसका शुभंकर महाराजा एवं नयी इकाई का नाम नेशनल एयरलाइन रखा गया है। नये एयरलाइन का 'लोगो' नारंगी कोणार्क चक्र युक्त लाल रंग का उड़ता हुआ हंस है। हवाई जहाज का रंग हाथी के दांत के रंग का है।

अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे : असम–गुवाहाटी, आंध्र प्रदेश–हैदराबाद, कर्नाटक–बंगलोर, केरल–कोचीन, तिरुवनंतपुरम, गुजरात–अहमदाबाद, गोवा–वासको डी गामा, तमिलनाडु–चेन्नई, कोयंबटुर, पंजाब–अमृतसर, पश्चिम बंगाल–कोलकाता, महाराष्ट्र–मुंबई, नागपुर–पुणे, राजस्थान–जयपुर, दिल्ली इंदिरा गांधी हवाई अड्डा।

नागर विमानन :

- पूर्वोत्तर क्षेत्र में सिक्किम में पेकयांग हवाई अड्डा (ग्रीन फील्ड) का निर्माण कार्य प्रारंभ है।
- चेतू (नागालैण्ड) तथा इटानगर (अरुणाचल प्रदेश) में ग्रीनफील्ड हवाई अड्डों के निर्माण हेतु अनुमोदन लिया जा रहा है।
- एयर इंडिया एवं इंडियन एयरलाइन्स के मर्जर (विलय) के लिए नेशनल एविएशन कंपनी ऑफ इंडिया लिमिटेड (नेसिल) का निर्माण 2007 में किया गया है।

  नेसिल की सहायत कंपनियां निम्न हैं–

  1. होटर कार्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
  2. एयर इंडिया एयर ट्रांसपोर्ट सर्विस
  3. एयर इंडिया इंजीनियरिंग सर्विसेज लिमिटेड
  4. एयर इंडिया चार्टर्स लिमिटेड
  5. आईएएल एयर पोर्ट सर्विसेज लिमिटेड
  6. एयर लाइन एलाइड सर्विसेज लिमिटेड
  7. वायुदूत लिमिटेड
- एयरपोर्ट्स ऑथॉरिटी ऑफ इंडिया (AAI)– की स्थापना 1 अप्रैल, 1995 में हुई। इसका प्रमुख कार्य हवाई अड्डों और नागरिक इन्क्लेव्स की डिजाइन, विकास कार्यान्वयन एवं प्रबंधन करना है।
- भारत सरकार ने 1994 में 'मुफ्त आकाश नीति' (open sky policy) स्वीकार की जिससे विमानन क्षेत्र में निजी निवेश का प्रारंभ हुआ। कुछ प्रमुख निजी विमानन कंपनियां इस प्रकार हैं :

  ► डेक्कन एयरवेज,

  ► पैरामाउन्ट एयरवेज,

  ► किंगफिशर एयरलाइंस,

  ► एयर सहारा,

  ► जेट एयरवेज (Market share = 25%),

  ► इंडिगो,

  ► गो एयर एयर लाइंस,

  ► स्पाइस जेट

TI Highlights

सामान्य परिचय

- झारखण्ड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा में से कौन सा भारतीय राज्य कर्क रेखा के उत्तर में स्थित है ? **–मणिपुर**
- जून माह में, हैदराबाद, चेन्नई, भोपाल एवं दिल्ली में से कहाँ पर दिन की अवधि अधिकतम होगी ? **–दिल्ली में**
- जब भारतीय मानक समय के याम्योत्तर पर अर्द्धरात्रि है, एक स्थान पर सुबह का छः (6) बजता है उस स्थान की अवस्थित जिस याम्योत्तर पर है, वह है **–172° 30' पू.**
- यदि अरुणाचल प्रदेश में तिरप (TIRAP) में सूर्योदय 5:00 बजे प्रातः (IST) होता है, तो गुजरात में काण्डला में सूर्योदय किस समय (IST) पर होगा ?
–लगभग 7:00 प्रातः
- भारत के राज्यों में से किसके तीन तरफ अन्तर्राष्ट्रीय सीमायें हैं ? **–त्रिपुरा**
- भारत का क्षेत्रफल संसार के क्षेत्रफल का 2.4% परन्तु इसकी **–सम्पूर्ण मानव जाति की 17.5% जनसंख्या है**
- भारत विस्तृत है
–उत्तर पूर्वी गोलार्द्ध में 8°4' उत्तर से 37°6' उत्तरी अक्षांशों तथा 68°7' पूर्व से 97°25' पूर्वी देशान्तरों के मध्य
- कर्क रेखा किस राज्य से होकर गुजरती है ?
–गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखण्ड, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा और मिजोरम से
- अगरतला, गाँधीनगर, जबलपुर एवं उज्जैन नगरों में कौन कर्क रेखा से निकटतम दूरी पर स्थित है ? **–गाँधीनगर**
- दिल्ली, कोलकाता, जोधपुर एवं नागपुर नगरों में कौन–सा कर्क रेखा के निकट है ? **–कोलकाता**
- उत्तरी गोलार्द्ध में कर्क संक्रान्ति के समय 12 घण्टे का दिन होगा **–विषुवत रेखा पर**
- गुजरात के सबसे पश्चिमी गांव और अरुणाचल प्रदेश के सबसे पूर्वी छोर पर स्थित वालांग के समय में कितने घण्टे का अन्तराल होगा ? **–2 घंटा**
- भारतीय मानक समय की देशान्तर रेखा (82°30') किस नगर से होकर गुजरती है **–इलाहाबाद (नैनी) से**
- भारतीय मानक समय एवं ग्रीनविच माध्य समय के बीच कितने समय का अन्तर है ? **– +5 घण्टे 30 मिनट**
- यदि भारतीय मानक समय याम्योत्तर पर मध्याह्न है तो 120° पूर्वी देशान्तर पर स्थानीय समय क्या होगा ?**–14.30**
- भारत का सुदूरस्थ दक्षिणी बिन्दु 'इंदिरा प्वाइंट' कहाँ स्थित था ? **–बड़ा निकोबार में**
- भारत का सुदूर पश्चिम का बिन्दु है
–68°7' पूर्व, गौर मोता (गुजरात)
- हुंडू प्रपात निर्मित है **–सुवर्ण रेखा (स्वर्ण रेखा) नदी पर**
- वेम्बानाद झील है **–केरल में**
- कौन सा एक लैगून नहीं है **–पेरियार झील**
- चिल्का झील स्थित है **–ओडिशा में**
- हिमालय काविस्तार अराकान योमा स्थित है **–म्यामांर में**
- बांग्लादेश की अन्तर्राष्ट्रीय सीमा से लगने वाले भारतीय राज्य **–पश्चिम बंगाल, असोम, मेघालय, त्रिपुरा, मिजोरम**
- भारत के राज्यों का कौन सा समूह पाकिस्तान से सीमा बनाता है ?
–पंजाब, जम्मू एवं कश्मीर, राजस्थान तथा गुजरात
- नेपाल के पड़ोसी भारतीय राज्य हैं
–उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, एवं सिक्किम
- किस भारतीय राज्य की अधिकतम सीमा म्यांमार से स्पर्श करती है ? **–अरुणाचल प्रदेश की**
- भारत तथा पाकिस्तान के बीच सीमा निर्धारित की गई थी
–रेडक्लिफ रेखा द्वारा
- भारत और चीन की उत्तर–पूर्वी सीमा का सीमांकन कौन सी रेखा करती है ? **–मैकमोहन रेखा**
- किसके द्वारा भारत–श्रीलंका से अलग होता है ?
–पाक जलडमरूमध्य से
- भारत के किस प्रदेश की सीमाएं तीन देशों क्रमशः नेपाल, भूटान एवं चीन से मिलती हैं ? **–सिक्किम की**

भौतिक विभाजन

- पूर्वी हिमालय की तुलना में ट्री–लाइन का ऊँचाई मान पश्चिमी हिमालय में होता है **–कम**
- हिमालय की चोटियों का पूर्व से पश्चिम दिशा में सही क्रम क्या है ?
–नमचा बरवा, कंचनजंगा, माउण्ट एवरेस्ट, नन्दादेवी
- गोसाई थान, कामेत, नंदा देवी एवं त्रिशूल पर्वत शिखरों में कौन–सा एक भारत में अवस्थित नहीं है ? **–गोसाइ थान**
- 'शान्त घाटी' अवस्थित है **–केरल में**
- **सही सुमेलित है**

सूची–I (पहाड़ी दर्रा)		**सूची–II (राज्य)**
बनिहाल	–	जम्मू एवं कश्मीर
नाथुला	–	सिक्किम
नीति	–	उत्तराखंड
शिपकी ला	–	हिमाचल प्रदेश
बुम ला	–	अरुणाचल प्रदेश
जेलेप ला	–	सिक्किम
मुलिंग ला	–	उत्तराखंड
लिपुलेख	–	उत्तराखंड

- एलीफेंट दर्रा अवस्थित है **–केरल में**
- चौरावाड़ी ग्लेशियर स्थित है
–केदारनाथ मंदिर के उत्तर में
- दण्डकारण्य क्षेत्र अवस्थित है
–छत्तीसगढ़ एवं ओडिशा में
- पीर पंजाल श्रेणी पाई जाती है
–जम्मू एवं कश्मीर में
- विन्ध्य, अरावली, शिवालिक एवं अन्नामलाई में से कौन सबसे नवीन पर्वत श्रेणी है ? **–शिवालिक**
- भारत के प्रादेशिक जल क्षेत्र का विस्तार है
–तट से 12 समुद्री मील तक

THE INSTITUTE

- सही सुमेलित हैं

सूची–I (सागर पुलिन)		**सूची–II (राज्य)**
दीघा	–	पश्चिम बंगाल
गोपालपुर	–	ओडिशा
कलांगुट	–	गोवा
मरीना	–	तमिलनाडु

- भारत कितने प्राकृतिक प्रदेशों में विभाजित है ? **–4**
- चार दक्षिणी राज्य आन्ध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल ओर तमिलनाडु में से कौन सा, सबसे अधिक भारतीय राज्यों के साथ सीमावर्ती है ? **–आंध्र प्रदेश एवं कर्नाटक में से प्रत्येक**
- हिमालय की रचना समांतर वलय श्रेणियों से हुई है जिसमें से प्राचीनतम श्रेणी है **–वृहत् हिमालय श्रेणी**
- **कथन :** हिमालयी मिट्टियों में ह्यूमस प्रचुर मात्रा में पाया जाता है
  कारण : हिमालय में सर्वाधिक क्षेत्र वनाच्छादित है। **–कथन गलत किन्तु कारण सही है**
- भारत का लगभग 30 प्रतिशत क्षेत्र तीन राज्यों में समाहित है ये तीन राज्य है **–राजस्थान, मध्य प्रदेश एवं महाराष्ट्र**
- लघु हिमालय स्थित है **–शिवालिक और महान हिमालय के मध्य में**
- उत्तर भारत में उप हिमालय क्षेत्र के सहारे फैले समतल मैदान को कहा जाता है **–भाबर**
- 'माउन्ट एवरेस्ट' कहाँ है ? **–नेपाल में**
- भारत की सर्वोच्च पर्वत चोटी है **– K_2 गॉडविन ऑस्टिन**
- ऊँचाई का सही क्रम है **–माउन्ट एवरेस्ट, गॉडविन ऑस्टिन, कंचनजंघा**
- नन्दा देवी चोटी **–कुमाऊँ हिमालय का भाग है**
- कौन अक्साई चिन का भाग है ? **–लद्दाख पठार**
- गुरु शिखर पर्वत चोटी अवस्थित है **–राजस्थान में**
- शेवराए पहाड़ियां अवस्थित है **–तमिलनाडु में**
- कुल्लू घाटी जिन पर्वत श्रेणियों के बीच अवस्थित है, वे हैं **–धौलाधर तथा पीर पंजाल**
- कोरी निवेशिका, जिस पर स्थित है, वह है **–कच्छ का रन**
- 'केप कॉमोरिन' के नाम से भी जाना जाता है **–कन्याकुमारी को**
- सुमेलित है– **–बोमडिला–अरुणाचल प्रदेश, भोर घाट–महाराष्ट्र, पालघाट–केरल, डाफ्ला–अरुणाचल प्रदेश, जोजिला–कश्मीर**
- वर्ष 2006 में कौन सा एक, हिमालय दर्रा भारत और चीन के बीच व्यापार बढ़ाने के लिए पुनः खोला गया ? **–नाथुला**
- हिमालय में हिम रेखा निम्न के बीच होती है ? **–4300 से 6000 मीटर पूर्व में**
- कंचनजंघा, रुन्डुन, गंगोत्री एवं केदारनाथ में सबसे बड़ा हिमनद है **–गंगोत्री**
- 'शिवालिक' शैल समूह के दक्षिण में भाबर क्षेत्र उदाहरण है **–गिरिपद की स्थिति का**
- हिमालय का पर्वत पदीय प्रदेश है **–शिवालिक**
- हिमालय के हिमनदों के पिघलने की गति **–सबसे अधिक है**
- शिवालिक श्रेणी का निर्माण हुआ **–सेनोजाइक युग में**
- नर्मदा एवं ताप्ती नदियों के मध्य स्थित है **–सतपुड़ा श्रेणियां**
- भारत से उपबन्ध पुराचुम्बकीय परिणामों से संकेत मिलते हैं कि भूतकाल में भारतीय स्थलपिंड सरका है **–उत्तर को**
- भारतीय उप महाद्वीप मूलतः एक विशाल भूखण्ड का भाग था जिसे कहते हैं **–गोंडवानालैण्ड**
- भारत के प्रायद्वीपीय पर्वत निर्मित हुए**–पैलियोजोइक युग में**
- छोटा नागपुर पठार **–एक अग्रगंभीर है**
- अरावली एवं विंध्य श्रृंखलाओं के मध्य कौन सा पठार स्थित है ? **–मालवा का पठार**
- सबसे प्राचीन पर्वत श्रृंखला कौन सी है ? **–अरावली**
- दक्षिण भारत की सबसे ऊँची चोटी है ? **–अनाइमुडी**
- पूर्वी घाट एवं पश्चिमी घाट का मिलन स्थल है **–नीलगिरि**
- अरब सागर के तल में, मुंबई से पश्चिम–दक्षिण पश्चिम में लगभग 455 किलोमीटर दूर, खोजे गये एक नये 1505 मीटर ऊँचे पर्वत का नाम रखा गया है **–रमन सागर पर्वत**
- भारत की कौन सी पर्वत श्रेणी केवल एक ही राज्य में फैली है **–अजन्ता**
- भारत की तट रेखा की लम्बाई है **–मुख्यभूमि तट रेखा की लम्बाई 6100 किमी. तथा सम्पूर्ण तट रेखा 7516.6 किमी.**
- किस राज्य का समुद्री तट सबसे अधिक लम्बा है ? **–गुजरात का**
- भारत में कितने राज्य तटरेखा से लगे हैं ? **–9**
- भारतवर्ष के पश्चिम तटीय शहरों का उत्तर से दक्षिण क्रम इस प्रकार है **–जंजीरा, सिंधुदुर्ग, कन्नूर एवं नागरकोइल**
- महाराष्ट्र एवं कर्नाटक में पश्चिमी घाट कहलाते हैं **–सह्याद्रि**
- भारत में सर्वाधिक ऊँचाई वाला झरना **–कुँचीकल झरना**
- कौन पश्चिमी तट पर अवस्थित है ? **–जंजीरा एवं उडुपी**
- कार्डमम पहाड़ियां जिनकी सीमाओं पर स्थित है, वे राज्य हैं **–केरल एवं तमिलनाडु**
- सिक्किम के सम्बन्ध में महत्वपूर्ण तथ्य **–1975 में यह भारत का अभिन्न अंग बन गया था, इसे वनस्पति शास्त्रियों का स्वर्ग माना जाता है तथा इसके मुख्य निवासी लेप्चा, भोटिया एवं नेपाली हैं।**

द्वीप समूह

- बैरेन द्वीप अवस्थित है। **–बंगाल की खाड़ी में**
- सही सुमेलित हैं

सूची–I (द्वीप)		सूची–II (अवस्थिति)
वेयंत शयोधर	–	कच्छ की खाड़ी
पिरम	–	खंभात की खाड़ी
द्वारका	–	अरब सागर तट
दीव	–	काठियावाड़ तट

- अंडमान और निकोबार द्वीप समूह का सर्वोच्च शिखर 'पल्याण शिखर' (सैंडल पीक) स्थित है **–उत्तरी अंडमान में**
- अंडमान व निकोबार **–बंगाल की खाड़ी में द्वीप समूह है**
- अंडमान निकोबार द्वीप समूह में द्वीपों की संख्या है **–222**
- दस डिग्री चैनल पृथक करता है **–अण्डमान को निकोबार द्वीप से**
- लक्षद्वीप स्थित है **–अरब सागर में**
- द्वीपों का समूह लक्षद्वीप **–प्रवाल उत्पत्ति का है**
- लक्षद्वीप में कितने द्वीप हैं ? **–36**
- कौन सा द्वीप भारत एवं श्रीलंका के मध्य है ? **–रामेश्वरम**
- दमन और दीव के बारे में सत्य कथन है **–स्वातन्त्र्योत्तर पुर्तगाली आधिपत्य में था, दमन और दीव के बीच खम्भात की खाड़ी है तथा इसकी राजधानी दमन है**
- एक द्वीप पर निर्मित भारत का सबसे बड़ा नगर **–मुंबई**
- मणिपुर में कुछ लोग लटकी हुई गाद (Silt) से बँधे अपतृण (Weeds) और सडत्रती वनस्पति के तिरते द्वीपों पर बने मकानों में रहते हैं, इन द्वीपों को कहते हैं **–फूमडि**
- प्राचीन भारतीय ऐतिहासिक भूगोल में रत्नाकर नाम सूचक था **–हिन्द महासागर का**

राज्य/संघीय क्षेत्र

- पुडुचेरी का क्षेत्र विभाजित पाया जाता है **–तमिलनाडु, केरल एवं आन्ध्र प्रदेश राज्यों में**
- भारत के किस राज्य को ''सिलिकन स्टेट'' के नाम से जाना जाता है ? **–कर्नाटक को**
- सही सुमेलित है

औरंगाबाद	–	महाराष्ट्र
पालनपुर	–	गुजरात
हुबली	–	कर्नाटक
गुन्टूर	–	आन्ध्र प्रदेश

- राजस्थान, हरियाणा, पंजाब एवं उत्तरप्रदेश में से कहां का भाग राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में नहीं सम्मिलित है ? **–पंजाब का भाग**
- कौन से कथन राजस्थान के मरुक्षेत्र के लिए सही है ?
  1. यह विश्व का सबसे घना बसा मरुस्थल है।
  2. यह लगभग 10,000 वर्ष पुराना है, जिसका कारण अत्यधिक मानवीय हस्तक्षेप रहा है।
  3. यहां केवल 40 से 60 प्रतिशत क्षेत्र ही कृषि हेतु उपयुक्त है।
  4. शुद्ध बोये गए क्षेत्र में वृद्धि के कारण चारागाह क्षेत्र के विस्तार पर कुप्रभाव पड़ा है। **–उपर्युक्त सभी**
- उद्यान एवं वानिकी विश्वविद्यालय (हिमाचल प्रदेश) में स्थित है **–सोलन में**

भारत के राज्यों में से किसे 'भारत का कोहिनूर' कहा जाता है ? **–आंध्र प्रदेश को**

- 'विदर्भ' क्षेत्र है **–महाराष्ट्र का भाग**
- 'पाट' अंचल (Pat Region) अवस्थित है **–झारखण्ड में**
- सुमेलित हैं–

छत्तीसगढ़	–	छत्तीसगढ़ मैदान
झारखण्ड	–	छोटा नागपुर पठार
महाराष्ट्र	–	वृष्टिछाया प्रदेश
कर्नाटक	–	मालनड

- क्षेत्रफल के क्रम में भारत के तीन बड़े राज्य हैं **–राजस्थान, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र**
- उत्तर प्रदेश के सीमावर्ती हैं **–राजस्थान, छत्तीसगढ़, झारखण्ड, उत्तराखण्ड, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, बिहार, मध्य प्रदेश एवं नेपाल**
- कौन सा राज्य उत्तर–पूर्वी राज्यों की 'सात बहनों' का भाग नहीं हैं ? **–पश्चिम बंगाल**
- वर्ष 1953 में, जब आंध्र राज्य एक अलग राज्य बना, तब उसकी राजधानी कौन बनी **–कर्नूल**
- असम कुल मिलाकर कितने राज्यों एवं केन्द्र शासित क्षेत्रों से घिरा हुआ है **–7**
- 'दि हिमालयन माउन्टेनियरिंग इन्स्टीट्यूट' स्थित है **–दार्जिलिंग (प. बंगाल) में**

प्रजाति/जनजातियां

- उत्तर–पूर्वी भारत के पहाड़ी एवं जंगली क्षेत्रों में कौन सा एक प्रजातीय समूह पाया जाता है **–मंगोलॉयड**
- सही सुमेलित है

भोटिया	–	उत्तराखण्ड
खासी	–	मेघालय
संथाल	–	झारखण्ड
टोडा	–	तमिलनाडु
अपातामी	–	अरुणाचल प्रदेश
गोंड	–	मध्य प्रदेश

- सही सुमेलित हैं

राज्य		मुख्य भाषा
गोवा	–	कोंकणी
मेघालय	–	खासी
नगालैण्ड	–	अंगामी
सिक्किम	–	लेप्चा/भूटिया

समीर प्लाजा, मनमोहन पार्क, कटरा, बांसमण्डी के सामने, इलाहाबाद
फोन नं. : 0532.3266722, 9956971111, 9235581475

- भोटिया, खासी, संथाल एवं टोडा में से कौन सी जनजाति झूमिंग कृषि करती है ? **–खासी जनजाति**
- भारत की जनजातियां जो बहुपतित्व की प्रथा मानती हैं, वे हैं **–जौनसारी, टोडा**
- प्रोटो–ऑस्ट्रेलॉयड से सम्बन्धित जनजाति है **–संथाल**
- 'थारू' लोगों का निवास कहां है ? **–उत्तर प्रदेश**
- धौलाधर श्रेणी (हिमाचल प्रदेश) क्षेत्र की प्रमुख जनजाति **– गद्दी**
- संथाल निवासी (Inhabitants) हैं ? **–पूर्वी भारत के**
- सुमेलित हैं–

भील–गुजरात	जौनसारी–उत्तराखण्ड
भील–राजस्थान	लेप्चा–सिक्किम
राजी–उत्तराखण्ड	खासी–मेघालय

- ऋतु–प्रवास किया करते हैं **–भूटिया**
- बोडो निवासी हैं **–गारो पहाड़ी के**
- गारो जनजाति है **–मेघालय की**
- भारत की सबसे बड़ी जनजाति है **–गोंड**
- टोडा जनजाति निवासी है **–नीलगिरी की पहाड़ियों की**
- एक जनजाति, जो सरहुल त्योहार मनाती है, वह है **–मुण्डा**
- सुमेलित है

बिहू–असोम	ओणम–केरल
पोंगल–तमिलनाडु	बैसाखी–पंजाब

भील जाति पायी जाती है **–महाराष्ट्र, म.प्र. एवं राजस्थान में**

- सहरिया जनजाति के लोग, निवासी है **–राजस्थान के**
- किसी प्रजाति को विलुप्त माना जा सकता है, जब वह अपने प्राकृतिक आवास में नहीं देखी गई है **–50 वर्ष से**
- धारपारकर प्रजाति कहाँ पाई जाती है ? **–राजस्थान के सीमावर्ती क्षेत्र में**
- भारत में जनजातियों के निर्धारण का आधार है **–सांस्कृतिक विशेषीकरण और विभिन्न आवास**
- सुमेलित हैं–

मोपला–केरल	मुरिया–छत्तीसगढ़
टोडा–तमिलनाडु	मुण्डा–ओडिशा

- शोम्पेन जनजाति पाई जाती है **–निकोबार द्वीपसमूह में**
- भारत एवं भारतीय उपमहाद्वीप में बोली जाने वाली भाषाओं में बोलने वालों की संख्या के आधार पर हिन्दी कें बाद क्रम हैं **–बंगाली का**

➢ अपवाह तन्त्र

- गांगा नदी की एकमात्र सहायक नदी जिसका उद्गम मैदान में है **–गोमती**
- बेतवा, चम्बल, केन और रामगंगा नदियों में से कौन एक यमुना की सहायक नदी नहीं है ? **–रामगंगा**
- यमुना नदी का उद्गम स्थान है **–बन्दरपूँछ पहाड़ी**
- **कथन (A) :** पश्चिमी घाट की नदियाँ डेल्टा का निर्माण नहीं करती हैं।

  कारण (R) : वे छोटे मार्ग से तीव्र गति से कड़ी (कठोर) चट्टानों के ऊपर से प्रवाहित होती है।

  –(A) तथा (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) का सही व्याख्या है
- **कथन (A) :** नर्मदा अपने मुहाने पर डेल्टा का निर्माण करती है।

  कारण (R) : वह एक भ्रंश घाटी में बहती है।

  –(A) गलत है परन्तु (R) सही है
- सोन नदी का वास्तविक स्रोत कहाँ है ? **–शहडोल जिले में अमरकंटक से**
- सही सुमेलित हैं

सूची–I (नदी)		**सूची–II (सहायक नदी)**
गंगा	–	सोन
गोदावरी	–	मंजरा
कृष्णा	–	भीमा
यमुना	–	केन

- अलकनंदा, कोसी, चम्बल एवं गोदावरी नदियों में कौन अध्यारोपित नदी का उदाहरण है ? **–चम्बल**
- संकोश नदी किसकी सीमा बनाती है ? **–असोम एवं पश्चिम बंगाल के बीच**
- हंगरी सहायक नदी है **–तंगभद्रा की**
- सही सुमेलित हैं

शिवसमुद्रम प्रपात	–	कावेरी
चुलिया प्रपात	–	चम्बल
जोग प्रपात	–	शरावती
धुआंधार प्रपात	–	नर्मदा

- चिल्का, कोल्लेरू, लोनार एवं पुलीकट में से कौन दो भारतीय राज्यों की साझेदारी वाली झील है ? **–पुलीकट**
- भारत के किस राज्य में फुल्हर झील स्थित है ? **–उत्तर प्रदेश में**
- सही सुमेलित हैं

वेम्बनाद	–	केरल
लोकटक	–	मणिपुर
डल	–	कश्मीर
पुलिकट	–	आंध्र प्रदेश तमिलनाडु सीमा पर

- भीमताल, पुलीकट, ऊटी एवं सांभर झीलों में से किसको अभी हाल में राष्ट्रीय झील संरक्षण परियोजना के अन्तर्गत सम्मिलित किया गया है ? **–भीमताल को**
- दक्षिण भारत की नदियों में सर्वाधिक बड़ा जलग्रहण क्षेत्र है **–गोदावरी का**
- बांग्लादेश में गंगा नदी को पुकारा जाता है **–पद्मा**
- **कथन (A) :** गंगा बहुत ही प्रदूषित नदी है

  कारण (R) : जो नदी जितनी पवित्र होती है, वह उतनी ही अधिक प्रदूषित होती है

  –A सही है, परन्तु R गलत है

- गंगा की जलोढ़ मृदा की गहराई भूमि सतह के नीचे लगभग **–6000 मीटर तक होती है**
- **कथन (A) :** दामोदर घाटी कार्पोरेशन के विकास के पूर्व दामोदर नदी पश्चिम बंगाल में ''दुख की नदी'' मानी जामी थी।

  कारण (R) : दामोदर अपने ऊपरी भाग में तीव्रता से प्रवाहित होती हे एवं निचले भाग में इसका हिाव बहुत धीमा हो जाता है।

  –A और R दोनों सही हैं व R, A का सही व्याख्या है
- सही कथन है–

  –देव प्रयोग अलकनंदा एवं भागीरथी नदी के संगम पर स्थित है; रूद्र प्रयाग, अलकनंदा एवं मंदाकिनी नदी के संगम पर अवस्थित है ; अलकनंदा नदी बद्रीनाथ से बहती है तथा केदारनाथ आदि शंकराचार्य द्वारा स्थापित पीठ के रूप में नहीं मानी जाती है
- भारत की सबसे बड़ी वाह नदी है **–गंगा**
- गंगा नदी के किनारे सबसे बड़ा शहर है **–कानपुर**
- भागीरथी नदी निकलती है **–गोमुख से**
- तिब्बत में मानसरोवर झील के पास जिस नदी का स्रोत है, वह है **–सतलज**
- मानस नदी किस नदी की उपनदी है ? **–ब्रह्मपुत्र की**
- ब्रह्मपुत्र नदी तिब्बत में किस नाम से जानी जाती है ? **–सांग्पो**
- ब्रह्मपुत्र नदी का बहाव क्षेत्र है **–तिब्बत, बांग्लादेश, भारत**
- नदियों में से किनके स्रोत बिन्दु लगभग एक ही हैं ? **–ब्रह्मपुत्र और सिंधु के**
- नर्मदा नदी का उद्‌गम होता है **–अमरकंटक से**
- कौनसी नदी भ्रंश–द्रोणी से होकर बहती है ? **–नर्मदा**
- पश्चिम की ओर प्रवाहित होने वाली नदियां हैं– **–नर्मदा एवं ताप्ती**
- **कथन (A) :** प्रायद्वीपीय भारत की केवल दो प्रमुख नदियाँ हैं– नर्मदा एवं ताप्त जो अरब सागर में गिरती हैं

  कारण (R) : ये नदियां भ्रंश–जनित हैं

  –A तथा R दोनों सही हैं, तथा R, A की सही व्याख्या है
- कौन सी नदी तीन बार दो धाराओं में विभक्त हो जाती है और कुछ मील आगे जाकर पुनः मिल जाती है और इस प्रकार श्रीरंगपट्टनम, शिवसमुद्रम् और श्रीरंगम के द्वीपों का निर्माण करती है ? **–कावेरी**
- कावेरी नदी गुजरती है **–कर्नाटक एवं तमिलनाडु से**
- सोन, नर्मदा तथा महानदी निकलती हैं **–अमरकंटक से**
- कौन सी नदी एस्चुअरी बनाती है ? **–नर्मदा, ताप्ती एवं माण्डवी**
- नदियों के घाटों में किनमें जल का अभाव है ? **–साबरमती घाट एवं ताप्ती घाट**
- दामोदर नदी निकलती है **–छोटा नागपुर के पठार से**
- दोमेदर किसकी सहायक नदी है ? **–हुगली की**
- भूमिबंधित नदी है **–लूनी**
- कौन सी नदी का स्रोत हिमनदों में नहीं है ? **–कोसी**
- दो राज्यों में पहली बार दो नदियों को जोड़ने की परियोजना के सम्बन्ध में समझौते के स्मृतिपत्र पर हस्ताक्षर किए गए हैं। राज्यों और नदियों के नाम हैं **–उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश–केन एवं बेतवा**
- उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश राज्यों में संयुक्त 'राजघाट नदी घाटी परियोजना' लागू की गई है **–बेतवा नदी पर**
- कौन सी नदी यमुना नदी से नहीं मिलती है ? **–सोन**
- मन्दाकिनी नदी किस जल प्रवाह अथवा मुख्य नदी से सम्बन्धित है ? **–अलकनन्दा से**
- भारत की किस नदी पर विश्व का सबसे ऊँचा पुल बनाया जा रहा है **–चिनाब पर**
- केदारनाथ से रूद्रप्रयाग के मध्य बहने वाली नदी **–मन्दाकिनी**
- सुमेलित है

गोरखपुर–राप्ती	लुधियाना–सतलज
जबलपुर–नर्मदा	सूरत–ताप्ती
अहमदाबाद–साबरमती	हैदराबाद–मूसी
नासिक–गोदावरी	कोटा–चम्बल
लखनऊ–गोमती	उज्जैन–क्षिप्रा
कटक–महानदी	आगरा–यमुना

जलवायु

- तमिलनाडु में शरदकालीन वर्षा अधिकांशतः होती है **–उत्तरी–पूर्वी मानसून से**
- **कथन (A) :** हिमालय में भूस्खलन की आवृत्ति में वृद्धि हुई है।

  कारण (R) : हाल के वर्षों में हिमालय में बड़े पैमाने पर खनन कार्य हुआ है

  –(A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है
- देश के पहले आपदा प्रबन्धन प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना जहां की जा रही है, वह है **–लातूर (महाराष्ट्र)**
- उत्तरी–पूर्वी मानसून से सबसे अधिक वर्षा प्राप्त करने वाला राज्य है **–तमिलनाडु**
- **कथन (A) :** भारत मूलतः एक मानसूनी देश है।

  कारण (R) : उच्च हिमालय उसे जलवायु सम्बन्धी विशिष्टता प्रदान करता है।

  –A और R दोनों सही हैं और R, A का सही स्पष्टीकरण है
- भारत में मानसून का आगमन होता है **–केरल में**
- सही कथन है–

  –जलवाष्प निचले वायुमंडल की अति परिवर्ती गैस है ; शीत कटिबंध उभय गोलार्द्धों में ध्रुर्वामवृत्त एवं ध्रुवों के बीच उपस्थित है तथा जेट वायुधाराएं अत्यधिक ऊँचाई की हवाएं हैं जो धरातलीय मौसमी दशाओं को प्रभावित करती हैं
- भारत में ग्रीष्म कालीन मानसून के प्रवाह की सामान्य दिशा है **–दक्षिण–पश्चिम से उत्तर–पूर्व**
- भारत को उष्ण कटिबंध और उपोष्ण कटिबंध में विभाजन करने के आधार के रूप में मानी गई जनवरी की समताप रेखा है **–18°C**
- तमिलनाडु में मानसून के सामान्य महीने हैं **–नवम्बर–दिसम्बर**
- भारतीय मानसून मौसमी विस्थापन से इंगित है जिसका कारण है **–स्थल तथा समुद्र का विभेदी तापन**
- भारत की सर्वाधिक वर्षा मुख्यतः प्राप्त होती है ? **–दक्षिण–पश्चिम मानसून से**

- कौन सा बादल अत्यधिक तीव्र वर्षा के लिए उत्तरदायी होता है ? **–वर्षा–स्तरी (Nimbo-Stratus)**
- भारत में सबसे कम वर्षा वाला स्थान है **–लेह**
- भारत के किन क्षेत्रों में औसत दो सौ मिलीमीटर वर्षा होती है ? **–जम्मू और कश्मीर**
- भारत का सबसे अधिक बाढ़ग्रस्त राज्य है **–बिहार**
- **कथन (A) :** भारत में अन्तर्देशीय जल मार्गों का पर्याप्त विकास नहीं हुआ है।
  कारण (R) : भारत के अधिकतर भागों में वर्षा साल के चार महीनों में ही होती है।
  –A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है
- भारत के उत्तरी मैदानों में शीतऋतु में वर्षा होती है **–प. विक्षोभों से**
- भारत में शरदकालीन वर्षा के क्षेत्र हैं **–पंजाब–तमिलनाडु**
- **कथन (A) :** भारत के उत्तरी मैदान में जाड़ों में कुछ वर्षा हो जाती है।
  कारणk (R) : जाड़े में उत्तर–पूर्वी मानसून सक्रिय होती है।
  –A तथा R दोनों सही हैं परन्तु R, A की सही व्याख्या नहीं है
- चेरापूँजी अवस्थित है **–मेघालय राज्य में**
- **कथन (A) :** पश्चिम तट की तुलना मेंपूर्वी तट चक्रवातों द्वारा अधिक प्रभावित है।
  कारण (R) : भारत का पूर्वी तट उत्तर–पूर्वी व्यापारिक हवाओं की मेखला में पड़ता है।
  –A और R दोनों सही हैं परन्तु R, A की सही व्याख्या नहीं है
- **कथन (A) :** महाराष्ट्र के कायना क्षेत्र के निकट, भविष्य में अधिक भूकम्प प्रभावित होने की संभावना है।
  कारण (R) : कोयना बांध एक पुराने भ्रंश–तल पर अवस्थित है जो कोयना जलाशय में जल–स्तर के परिवर्तन के साथ अधिक सक्रिय हो सकता है।
  –A तथा R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है
- सर्वाधिक प्राकृतिक आपदाएं आती हैं **–ओडिशा में**
- कौन सा क्षेत्र उच्च तीव्रता की भूकम्पीय मेखला में नहीं आता है। **–कर्नाटक पठार**

मिट्टी

- **कथन (A) :** काली मिट्टी कपास की कृषि के लिए उपयुक्त होती हैं
  कारणk (R) : उसमें नाइट्रोजन तथा जैव पदार्थ प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। **–A सही है, परन्तु R गलत है**
- भारत में सर्वाधिक क्षारीय क्षेत्र हैं **–गुजरात राज्य में**
- भारतीय मृदाओं में जिस सूक्ष्म तत्व की सर्वाधिक कमी है, वह है **–जस्ता**
- मालवा पठार की प्रमुख मिट्टी है **–काली मिट्टी**
- 'रेगड़' (Regur) किसका नाम है ? **–काली मिट्टी का**
- रेगड़ (Regur) मिट्टी सबसे ज्यादा है **–महाराष्ट्र में**
- **कथन (A) :** दक्षिणी ट्रैप की रेगड़ मिट्टियां काली होती हैं
  कारण (R) : उनमें ह्यूमस प्रचुर मात्रा में होता है।
  –A सही है किन्तु R गलत है
- लावा मिट्टियां पाई जाती हैं **–मालवा पठार में**
- कपास की खेती के लिए सबसे उपयुक्त मिट्टी है **–काली**
- लेटेराइट मिट्टियों का प्राधान्य है**–मालाबार तटीय प्रदेश में**
- लेटेराइट मिट्टी मिलती है **–महाराष्ट्र में**
- मिट्टी में खारापन एवं क्षारीयता की समस्या का समाधान है। **–खेतों में जिप्सम का उपयोग**
- भारत में सिक क्षेत्र में मृदा अपरदन (Soil Erosion) की समस्या गम्भीर है ?**–शिवालिक पहाड़ियों के पाद क्षेत्र में**
- कृष्य भूमि में किसके पौधे उगाने से भूमि का अपरदन अधिकतम तीव्रता से होता है ? **–सोर्घम के**
- भारत का कौन सा क्षेत्र मृदा अपरदन (इरोजन) से अत्यधिक प्रभावित है ? **–चम्बल घाटी**
- किस प्रकार की मृदा की जल–धारण क्षमता सबसे कम होती है ? **–बलुई दोमट**
- इस मिट्टी को सिंचाई की कम आवश्यकता होती है, क्योंकि वह पानी बचाती है **–काली**
- किन का उपयोग जैव–उर्वरता के रूप में किया जाता है? **–एजोला, नील हरित शैवाल एवं अल्फाल्फा**
- भारत में सबसे बड़ा मिट्टी का वर्ग है **–कछारी मिट्टी**
- पश्चिमी राजस्थान की मिट्टी में किसी मात्रा अधिक है ? **–कैल्शियम की**
- फसल जो मृदा को नाइट्रोजन से भरपूर कर देती है **–मटर**
- कौन सा मृदा प्रारूप लोहे का अतिरेक होने के कारण अनुर्वर होता जा रहा है ? **–लेटेराइट**
- कौन–सी मिट्ट चाय बागानों के लिए उपयुक्त है ? **–अम्लीय**
- गंगा के मैदान की पुरानी कछारी मिट्टी कहलाती है **–बांगर**
- पॉडजोल है **–कोणधारी वन प्रदेशों में पायी जाने वाली मिट्टी**
- सुमेलित है–
  हल्दिया–प. बंगाल — जामनगर–गुजरात
  नुमालीगढ़–असम — पनागुडी–तमिलनाडु
- किस राज्य में भारत की सबसे बड़ी अन्तर्देशीय लवणीय आर्द्रभूमि है ? **–गुजरात में**

प्राकृतिक वनस्पति

- भारत के कुल भौगोलिक क्षेत्र में सघन वनावरण का प्रतिशत है **–लगभग 12 प्रतिशत**
- सही कथन हैं
  –मध्य प्रदेश में सर्वाधिक वनक्षेत्र है ; अरुणाचल प्रदेश में सर्वाधिक घना वनक्षेत्र है ; मिजोरम भारत का सर्वाधिक वनाच्छादित राज्य है ; एवं हरियाणा भारत का बसे कम वनाच्छादित राज्य है एवं हरियाणा भारत का सबसे कम वनाच्छादित राज्य है
- भारत के राज्यों का उनके वनाच्छादन (कुल क्षेत्र के संदर्भ में वन क्षेत्र का प्रतिशत) के संदर्भ में अवरोही क्रम **–मणिपुर > ओडिशा > महाराष्ट्र > हरियाणा**
- सागौन तथा साल किसके उत्पाद हैं ? **–उष्ण कटिबन्धीय शुष्क पतझड़ी वन के**
- असोम, केरल, छत्तीसगढ़ एवं प. बंगाल में से किस राज्य में सिनकोना वृक्ष नहीं उगता है ? **–छत्तीसगढ़ में**
- **कथन (A) :** एल्युमिनियम हरी धातु है।
  कारण (R) : वह लकड़ी का स्थान लेकर वनों को बचाती है। **–(A) सही है, परन्तु (R) गलत है**
- हिमाचल प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय एवं सिक्किम में से किस राज्य में कुल क्षेत्रफल का सर्वाधिक प्रतिशत वनाच्छादित है ? **–अरुणाचल प्रदेश**

- सामाजिक वानिकी में प्रयुक्त बहुउद्देशीय वृक्ष का एक उदाहरण है **–खेजरी**
- लीसा प्राप्त होता है **–चीड़ के वृक्ष से**
- भारत में प. बंगाल के बाद मैंग्रोव का दूसरा सबसे बड़ा क्षेत्र पाया जाता है **–गुजरात तट के सहारे**
- भारत में कौन सा स्थान मैंग्रोव वनस्पति के लिए प्रसिद्ध है? **–सुन्दरबन**
- रामसर सम्मेलन संबंधित था **–नव भूमि के संरक्षण से**
- जैव विविधता के सन्दर्भ में भारत में कौन सा क्षेत्र 'हॉट स्पॉट' माना जाता है ?
  –पश्चिमी घाट, पूर्वी हिमालय एवं म्यांमार–भारत सीमा, (अंडमान निकोबार द्वीप समूह सहित)
- कौन सा कारक जैव विविधता के ह्रास के लिए सर्वाधिक महत्वपूर्ण कारक है ? **–प्राकृतिक वास का विनाश**
- जीवमण्डल आरक्षित परिरक्षण क्षेत्र है **–आनुवांशिक विभिन्नता के**
- भारतीय पक्षियों गोल्डन ओरिओल, ग्रेट इंडियन बस्टर्ड, इंडियन फैनटेल पिजियन एवं ग्रेट इंडियन सनबर्ड में कौन–सी अत्यधिक संकटापन्न किस्म है ? **–ग्रेट इंडियन बस्टर्ड**
- भारत में उपयुक्त पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने के लिए वनाच्छादन हेतु न्यूनतम संस्तुत भूमि–क्षेत्र हैं **–33%**
- राष्ट्रीय वन नीति में भारत के कुल भौगोलिक क्षेत्र के कितने प्रतिशत पर वन रखने का लक्ष्य है ? **–एक–तिहाई**
- भोजपत्र वृक्ष मिलता है **–हिमालय में**
- भारत के क्षेत्रफल में वनों का क्षेत्रफल कितना है **–23.84%**
- वन क्षेत्र प्रतिशत अधिकतम है क्रमशः
  –मिजोरम, नगालैंड, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर एवं मेघालय में
- भारत में निर्वनीकरण का प्रभाव है
  –हिमालय में जल स्रोतों का सूखन ; जैव विविधता की हानि तथा मृदा अपरदन
- पश्चिमी हिमालय की शीतोष्ण पेटी (Temperate Zone) में किस एक वृक्ष का बाहुल्य है ? **–देवदार**
- **कथन (A) :** वन नवीकरणीय संसाधन हैं।
  कारण (R) : ये पर्यावरण की गुणवत्ता को बढ़ाते हैं।
  –A तथा R दोनों सही हैं पर R, A की सही व्याख्या नहीं है
- किस पौधे में फूल नहीं होते ? **–फर्न में**
- वृक्षाच्छादित क्षेत्र सर्वाधिक हैं
  –पूर्वी दक्कन (क्षेत्रफल में)/पश्चिमी तट (प्रतिशत में)
- सुमेलित हैं–

सागौन–मध्य भारत	देवदार–हिमालय के उच्च क्षेत्र
सुन्दरी–सुन्दरबन	सिनकोना–हिमालय की तराई

- सुमेलित हैं–

उष्ण कटिबंधीय आर्द पर्णपाती	–	तराई
उष्ण कटिबंधीय शुष्क पर्णपाती	–	मध्य गंगा मैदान
अल्पाइन	–	अरुणाचल प्रदेश
उष्ण कटिबंधीय सदाबहार	–	सह्याद्रि

- लम्बी जड़ों ओर नुकीले कांटों अथवा शूलयुक्म झाड़ियों और लघु वृक्षों वाले आरक्षित अवरुद्ध वन सामान्य रूप से पाए जाते हैं **–पूर्वोत्तर तमिलनाडु में**
- कौन सा वृक्ष समुद्र तल से सर्वाधिक ऊँचाई पर पाया जाता है ? **–देवदार**
- किस राज्य के वनों का वर्गीकरण अर्द्ध–उष्ण–कटबंधीय के रूप में किया जाता है ? **–मध्य प्रदेश**
- हिमालयी वनस्पति की प्रजाति नहीं है **–महोगनी की**
- सुमेलित हैं–

सुन्दरबन–पश्चिम बंगाल	भितरकनिका–ओडिशा
पिचवरम–तमिलनाडु	वेम्बनाड–केरल

- **कथन (A) :** ओडिशा तट भारत में सर्वाधिक चक्रवात–प्रवण क्षेत्र है।
  कारण (R) : महानदी डेल्टा क्षेत्र में भारी मात्रा में मैंग्रोव का निर्वनीकरण हुआ है।
  –A तथा R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है

पारिस्थितिकी तथा पर्यावरण एवं प्रदूषण

- भारत में सर्वाधिक जैव–विविधता पाई जाती है **–शान्त घाटी में**
- भारत के अधिकांश वन्य जीव संरक्षित क्षेत्र घिरे हुये हैं **–घने जंगलों से**
- भारत की सबसे बड़ी मछली है **–व्हेल शार्क**
- मानव–जनित पर्यावरणीय प्रदूषण कहलाते हैं **–एंथ्रोपोजेनिक**
- हरित गृह प्रभाव का अर्थ है
  –वायुमंडल में ग्रीन हाउस गैसों के घनीकरण के कारण वायुमंडल के तापमान का बढ़ना
- ''पारिस्थितिकी स्थायी मितव्ययिता है'' – यह किस आन्दोलन का नारा है **–चिपको आन्दोलन का**
- पलाचीमाड़ा जो पर्यावरण की अपार क्षति के कारण चर्चा में था, अवस्थित है **–केरल में**
- भारत में ''रैली फॉर वैली'' प्रोग्राम का आयोजन किस एक समस्या को उजागर करने के लिए किया गया था।
  –नर्मदा घाटी के विस्थापितों के पुनर्वास की समस्या
- मौसम अनुश्रवण युक्ति सोडार स्थापित है **–कैगा तथा कलपक्कम में**
- कौन से पर्यावरण संतुलन के संरक्षण से सम्बन्धित हैं ?
  1. वन नीति, 2. पर्यावरण (सुरक्षा) अधिनियम, 1986
  3. औद्योगिक नीति, 4. शिक्षा नीति **–1 तथा 2**
- कौन–सा वृक्ष पर्यावरणीय संकट माना जाता है **–यूकेलिप्टिस**
- सुंदरबन, मन्नार की खाड़ी, कच्छ का रण एवं नीलगिरि में से कौन एक यूनेस्को के जैवमंडल निचय की सूची में नहीं है ? **–कच्छ का रण**
- सही सुमेलित हैं

सिमलीपाल	–	ओडिशा
नोकरेक	–	मेघालय
दिहांग दिबांग	–	अरुणाचल प्रदेश
अगस्त्यमलाई	–	केरल–तमिलनाडु

- **कथन (A) :** मृदा प्रदूषण औद्योगिक प्रदूषण की अपेक्षा अधिक खतरनाक होता है।
  कारण (R) : उर्वरक तथा कीटनाशक भोजन की श्रृंखला में प्रवेश करते हैं।
  –(A) तथा (R) दोनों सही हैं तथा (R), की सही व्याख्या है

- भारत के किस महानगर में वार्षिक प्रति व्यक्ति सर्वाधिक ठोस अपशिष्ट उत्पन्न होता है ? **–दिल्ली में**
- 'रेड डाटा बुक' का सम्बन्ध है **–विलुप्ति के संकट से ग्रस्त जीव जन्तुओं से**
- भारत का सर्वाधिक प्रदूषित नगर है **–अंकलेश्वर**
- पर्यावरण–अनुकूल उपभोक्ता–उत्पादों को चिन्हित करने के लिए सरकार ने आरम्भ किया है **–इकोमार्क**
- प्रदूषण नियंत्रण के उद्देश्य से राष्ट्रीय झील संरक्षण योजना के अंतर्गत जिन शहरी क्षत्रों में पड़ने वाली जलमग्न भूमि को चुना गया है, उनमें शामिल है **–भोज (मध्य प्रदेश), सुखना (चंडीगढ़), पिचोला (राजस्थान)**

राष्ट्रीय उद्यान/अभयारण्य

- पांच मौसमों का बाग स्थित है **–महरौली के समीप**
- जंगली गदहों का अभयारण्य कहां है ? **–गुजरात में**
- भारत में हाथी परियोजना की शुरुआत की गई थी **–फरवरी 1992 में**
- वन अनुसंधान संस्थान स्थापित है **–देहरादून में**
- सही सुमेलित हैं

सूची–I (बाघ आरक्षित क्षेत्र)		**सूची–II (राज्य)**
मेलघाट	–	अरुणाचल प्रदेश
बुक्सा	–	पश्चिम बंगाल
पकुई	–	महाराष्ट्र
महान हिमालयी राष्ट्रीय उद्यान	–	कुल्लू
राजाजी राष्ट्रीय उद्यान	–	हरिद्वार
केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान	–	भरतपुर
वन विहार राष्ट्रीय उद्यान	–	भोपाल
मानस	–	असोम
सिमलीपाल	–	ओडिशा

- सही सुमेलित है

गिर राष्ट्रीय उद्यान	–	गुजरात
कान्हा राष्ट्रीय उद्यान	–	मध्य प्रदेश
काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान	–	असोम
कार्बेट राष्ट्रीय उद्यान	–	उत्तराखंड
बांदीपुर राष्ट्रीय उद्यान	–	कर्नाटक
संजय राष्ट्रीय उद्यान	–	मध्य प्रदेश

- सही सुमेलित हैं

सूची–I (अभयारण्य)		**सूची–II (राज्य)**
गर्म पानी	–	असोम
नामदफा	–	अरुणाचल प्रदेश
पाखल	–	आंध्र प्रदेश
सरिस्का	–	राजस्थान

- सुमेलित हैं

बांधवगढ़–मध्य प्रदेश	बांदीपुर–कर्नाटक
रोहला–हिमाचल प्रदेश	गिर–गुजरात

- सुमेलित हैं

नवाबगंज पक्षी–विहार	–	उन्नाव
ओखला पक्षी–विहार	–	गाजियाबाद
समसपुर पक्षी–विहार	–	रायबरेली
पार्वती अरंगा पक्षी–विहार	–	गोंडा

- कार्बेट राष्ट्रीय उद्यान जल प्राप्त करता है **–रामगंगा नदी से**
- कान्हा, मानस, पेंच एवं सरिस्का में से कौन सा बाघ आरक्षित क्षेत्र दो राज्यों में विस्तृत है ? **–पेंच**
- नीलगिरी की ''मेघ बकरियां'' पाई जाती हैं **–इरावीकुलम राष्ट्रीय पार्क में**
- सही सुमेलित हैं

सूची–I (अभयारण्य/राष्ट्रीय उद्यान)	**सूची–II (मुख्य संरक्षित वन्य पशु)**
काजीरंगा	गैंडा
गिर	शेर
सुन्दरबन	बाघ
पेरियार	हाथी

- चिनार वन्य जीव विहार अवस्थित है **–केरल में**
- तमिलनाडु का पक्षी विहार अवस्थित है **–कारीकिली में**
- ''वर्ल्ड हेरीटेज साइट'' (विश्व धरोहर स्थल) घोषित हुआ है **–नन्दा देवी जैवमण्डल रिजर्व**
- समस्त विश्व में चीतों की सर्वाधिक आबादी भारत में है। इनकी अनुमानित संख्या है **–6000**
- एक सींग वाला गैंडा पाया जाता है **–पश्चिम बंगाल एवं असोम में**
- राजीव गाँधी राष्ट्रीय उद्यान अवस्थित है **–कर्नाटक में**
- 'फूलों की घाटी' अवस्थित है **–उत्तराखण्ड में**
- किस राज्य में साइबेरियन सारस` लिये आदर्श प्राकृतिक निवास है ? **–राजस्थान में**
- 'सालिम अली राष्ट्रीय उद्यान' स्थित है **–जम्मू व कश्मीर में**
- भारत का प्रथम तितली उद्यान कहां पर स्थित है ? **–बन्नरघट्टा जैविकी उद्यान, बंगलुरु**
- भारतीय वन्य जीव संस्थान स्थित है **–देहरादून में**
- राज्य जिसमें वन्य जीव अभ्यारण्य (नेशनल पार्क और अभयारण्य) की संख्या सर्वाधिक है **–मध्य प्रदेश एवं अण्डमान निकोबार द्वीप समूह में (9–9 वन्य जीवन अभ्यारण्य)**
- व्याघ्र अभ्यारण्य नहीं है **–काजीरंगा**
- बक्सा बाघ परियोजना स्थित है **–पश्चिम बंगाल में**
- विश्व के वन्य जीव, भारत में पाए जाते हैं **–5%**
- यूनेस्को ने अन्तर्राष्ट्रीय मान्यता प्रदान की है **–नीलगिरि, नन्दा देवी, सुन्दरबन, मन्नार की खाड़ी, पंचमढ़ी, नोक्रेक एवं सिमलीपाल जैव मण्डलों को**

सिंचाई

- गत 25 वर्षों में नलकूप सिंचाई का सर्वाधिक शानदार विकास हुआ है **–सरयू पार मैदान में**
- मीठे पानी की कल्पसर परियोजना अवस्थित है **–गुजरात में**
- मंगलम सिंचाई परियोजना है **–केरल में**
- भारत में माला नहर तंत्र को प्रस्तावित किया था **–दिनशों जे. दस्तूर ने**
- सारण (Saran) सिंचाई नहर निकलती है **–गंडक से**
- इंदिरा गांधी नहर का उद्गम स्थल है **–हरिके बैराज**
- राजस्थान (इंदिरा) नहर कहाँ से निकलती है **–सतलज से**
- विश्व की सबसे पुरानी व विकसित नहर व्यवस्था भारत में कौन सी है ? **–गंग नहर**
- सुइल नदी परियोजना स्थित है **–हिमाचल प्रदेश में**
- सरदार सरोवर से सर्वाधिक लाभ मिलता है **–गुजरात को**

- हिमाचल प्रदेश बांध अब सतलज नदी पर बनाया जा रहा है, इस बाँध को बनाने का मुख्य उद्देश्य क्या है **–भाखड़ा बांध में आने वाली तलछट मिट्टी को रोकना**
- भाखड़ा–नांगल एक संयुक्त परियोजना है **–हरियाणा–पंजाब–राजस्थान की**
- भाखड़ा–नांगल बांध बनाया गया है **–सतलज नदी पर**
- नर्मदा बचाओ आन्दोलन किस बांध की ऊँचाई बढ़ाने के निर्णय का विरोध कर रहा है **–सरदार सरोवर**
- शिवसमुद्रम जलप्रपात अवस्थित है **–कावेरी नदी पर**
- तमिलनाडु–कर्नाटक जलविवाद संबंधित है **–कावेरी से**
- कौन महाराष्ट्र, तमिलनाडु, आन्ध्र प्रदेश तथा कर्नाटक का संयुक्त कार्य है ? **–तेलुगू गंगा परियोजना**
- नागार्जुन सागर बांध किस नदी पर आधारित है ? **–कृष्णा पर**
- नागार्जुन सागर परियोजना है **–आन्ध्र प्रदेश में**
- हीराकुण्ड बांध बनाया गया है **–महानदी पर**
- कौन से बांध नर्मदा नदी पर है ? **–बरगी, ओंकारेश्वर एवं इंदिरा सागर**
- कौन सी परियोजना भारत ने भूटान के सहयोग से बनाई गई है ? **–चुक्का बांध**
- बहुउद्देशीय नदी घाटी परियोजनाओं को 'आधुनिक भारत के मंदिर' किसने कहा था ? **–जवाहर लाल नेहरू ने**
- सुमेलित हैं–

कावेरी–मेटूर	कृष्णा–अलमट्टी
पेरियार–इडुक्की	चंबल–गांधी सागर

- सुमेलित हैं–

मेटूर–तमिलनाडु	मयूराक्षी–पश्चिम बंगाल
नागार्जुन सागर–आन्ध्र प्रदेश	हीराकुंड–ओडिशा
बेतवा–माताटीला	गोदावरी–पोचम्पाद

- गांधी सागर बांध किसका भाग है **–चम्बल परियोजना का**
- टिहरी बांध उत्तराखण्ड प्रदेश में निर्मित किया जा रहा है **–भागीरथी नदी पर**
- शारदा सहायक समादेश विकास परियोजना के मुख्य लक्ष्य हैं **–कृषि उत्पादन बढ़ाना, बहु–फसली खेती द्वारा भूमि–उपयोग के प्रारूप को बदलना तथा भू–प्रबन्धन का सुधार**
- काल्पोंग जलविद्युत परियोजना अवस्थित है **–अंडमान व निकोबार द्वीप समूह में**
- भारत में सबसे पुराना जलविद्युत स्टेशन है **–सिद्राबाग**
- हरिके बैराज (इन्दिरा गाँधी नहर का प्रमुख जल स्रोत) किन नदियों के संगम पर है ? **–व्यास और सतलज**
- इंदिरा गांधी नहर जल प्राप्त करती है **–व्यास, रावी एवं सतलज से**
- सही सुमेलित हैं–

सूची–I (परियोजना)		**सूची–II (अवस्थिति)**
भाखड़ा	–	सतलज
हीराकुण्ड	–	महानदी
इडुक्की	–	पेरियार
नागार्जुन सागर	–	कृष्णा

- महाकाली संधि भारत और किस देश के मध्य है ? **–नेपाल**
- सही सुमेलित हैं–

भ्रदा	–	कर्नाटक
कलपक्कम	–	तमिलनाडु
राणाप्रताप सागर	–	राजस्थान
नरोरा	–	उत्तर प्रदेश
तारापुर	–	महाराष्ट्र

- सही सुमेलित हैं–

जवाहर सागर	–	राजस्थान
नागार्जुन सागर	–	आंध्र प्रदेश
भवानी सागर	–	तमिलनाडु
शिवसमुद्रम	–	कर्नाटक
गांधी सागर	–	मध्य प्रदेश
दुलहस्ती	–	चिनाब
उकाई	–	तापी

- तीस्ता लो डैम प्रोजेक्ट–तृतीय, तीस्ता नदी पर प्रस्तावित है। इस प्रोजेक्ट का स्थल है **–पश्चिम बंगाल में**
- सही सुमेलित हैं–

रिहन्द परियोजना	–	रिहन्द
रानी लक्ष्मीबाई बाँध परियोजना	–	बेतवा
टिहरी बांध परियोजना	–	भागीरथी
राम गंगा परियोजना	–	राम गंगा

- किस जलाशय में मध्य प्रदेश का हरसूद कस्बा जलमग्न हुआ ? **–इंदिरा सागर**
- कौन भारत का सबसे पुराना जल–शक्ति उतपादन केन्द्र है ? **–शिवसमुद्रम**
- सुमेलित है–

फरक्का–पश्चिम बंगाल	घाट प्रभा–कर्नाटक
हीराकुंड–ओडिशा	ककरापार–गुजरात

- तुलबुल परियोजना का संबंध है **–झेलम नदी से**
- सुमेलित है

रिहन्द–उत्तर प्रदेश	–	उकाई–गुजरात
हीराकुंड–ओडिशा	–	कोयना–महाराष्ट्र
हल्दिया रिफाइनरी	–	पश्चिम बंगाल
कुंद्रेमुख पहाड़ियाँ	–	कर्नाटक

- कालागढ़ बांध किस नदी पर बना हुआ है ? **–रामगंगा पर**
- चम्बल नदी घाटी परियोजना से लाभ प्राप्त होता है **–राजस्थान एवं मध्य प्रदेश को**
- तवा परियोजना कहां से सम्बन्धित है **–होशंगाबाद (मध्य प्रदेश) से**
- महात्मा गांधी सेतु स्थित है **–बिहार में**
- ओंकारेश्वर परियोजना, किस नदी से सम्बद्ध है ? **–नर्मदा से**
- बगलिहार पोंवर प्रोजेक्ट, जिसके विषय में पाकिस्तान द्वारा विश्व बैंक के समक्ष विवाद उठाया गया, भारत द्वारा जिस नदी पर बनाया जा रहा है वह है **–चिनाब नदी**
- तपोवन और विष्णुगढ़ जलविद्युत परियोजनाएं अवस्थित हैं **–उत्तराखण्ड में**

कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र

- भारत में कृषि को समझा जाता है **–जीविकोपार्जन का साधन**
- भारत में रासायनिक उर्वरकों के दो बड़े उपभोक्ता हैं **–उत्तर प्रदेश एवं आंध्र प्रदेश**

- लोबिया, ढेंचा, मूंग एवं सनई में नई सुधारी गई ऊसर भूमि में हरी खाद के लिए उपयुक्त फसल है **–ढेंचा**
- सन्तुलित उर्वरक प्रयोग किए जाते हैं **–उत्पादन बढत्राने के लिये, खाद्य की गुणवत्ता उन्नत करने हेतु एवं भूमि की उत्पादकता बनाए रखने हेतु**
- केरल तट, तमिलनाडु तट, तेलंगाना एवं विदर्भ में दक्षिणी भारत में उच्च कृषि उत्पादकता का क्षेत्र **–तमिलनाडु तट**
- पुनर्भरण योग्य भौम जल संसाधन में सबसे सम्पन्न राज्य है **–उत्तर प्रदेश**
- भारत में ठेकेदारी कृषि को लागू करने में अग्रणी राज्य है **–पंजाब**
- भारत में संकार्य (चालू) जोतों का सबसे बड़ा औसत आकार है **–राजस्थान में**
- 'हरित क्रान्ति' के फलस्वरूप गेहूं का प्रति एकड़ उत्पादन का रिकार्ड अंक था **–2000 किग्रा.**
- 'नीली क्रांति' सम्बन्धित है **–मत्स्य पालन से**
- मैकोरानी गेहूं सबसे उपयुक्त किन परिस्थितियों में है ? **–असिंचित परिस्थितियों के लिए**
- ब्लास्ट, टिक्का, डस्ट एवं रस्ट में से कौन सा एक गेहूं की फसल का रोग है **–रस्ट**
- कल्याण सोना एक किस्म है **–गेहूं की**
- भारत में कौन सा राज्य चावल का सबसे बड़ा उत्पादक है ? **–पश्चिम बंगाल**
- मसूर, अलसी, सरसों एवं सोयाबीन में से कौन–सी एक खरीफ की फसल है **–सोयाबीन**
- राज्यों का चावल उत्पादन के संदर्भ में आरोही क्रम है **–तमिलनाडु, पंजाब, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल**
- भारत वर्ष में चावल की खेती उन क्षेत्रों में होती है जहाँ वार्षिक वर्षा **–100 सेमी. से अधिक है**
- भारत में चावल की खेती के अन्तर्गत सर्वाधिक क्षेत्र पाया जाता है **–उत्तर प्रदेश में**
- कपास के रेशे प्राप्त होते हैं **–बीज से**
- शक्कर नगर चीनी का एक प्रमुख उत्पादक केन्द्र है **–आंध्र प्रदेश में**
- भारत का 'शक्कर का प्याला' कहलाता है **–उत्तर प्रदेश**
- निम्नलिखित में से किन कारकों ने उत्तरी भारत से दक्षिणी भारत में चीनी उद्योग के स्थानिक स्थानानतरण में सहायता की ?
  1. गन्ने का प्रति एकड़ उच्चतर उत्पादन
  2. गन्ने में शर्करा का अधिक होना
  3. पेराई का अधिक लम्बा मौसम
  4. सस्ता श्रम **–1, 2 एवं 3 ने**
- गन्ने में प्रजनन का कार्य किया जा रहा है **–कोयम्बटूर में**
- भारत में तिलहन का सबसे बड़ा उत्पादक राज्य है **–मध्य प्रदेश**
- चना, सरसों, कपास एवं गेहूं में से राजस्थान किस वस्तु का देश में प्रमुख उत्पादक है ? **–सरसों**
- भारत को तीन–चौथाई से अधिक कच्चा रेशम प्राप्त होता है **–कर्नाटक एवं आंध्र प्रदेश से**
- मूंगा रेशम की एक ऐसी किस्म है, जो पूरे विश्व में केवल भारत में होती है **–असोम में**
- भारत में रबड़ का सबसे बड़ा उत्पादक है **–केरल**
- किस राज्य में कहवा की खेती का क्षेत्र सर्वाधिक पाया जाता है ? **–कर्नाटक में**
- वर्ष 2007–08 में विश्व में चाय के उत्पादन और उपभोग में, भारत का स्थान रहा था **–प्रथम**
- **कथन (A) :** भारत चाय में महत्वपूर्ण निर्यातक देश है
  कारण (B) : भारत मेंचाय की घरेलू खपत बहुत कम है **–(A) सही है, परन्तु (R) गलत है**
- ग्रीन गोल्ड क्या है ? **–चाय**
- चेना, फेजेण्डा, झूमिंग एवं मिल्पा में से कौन एक चलवासी कृषि नहीं है ? **–फेजेण्डा**
- गाय की जो नस्ल अधिक दूध देती है, वह है **–साहिवाल**
- भारत का वह राज्य, जो अनाज उत्पादन में अधिकतम अंशदान करता है **–उत्तर प्रदेश**
- फसल का प्रकार जिसमें हवा से नत्रजन संचित करने की क्षमता होती है **–दालें**
- गुजरात गेहूं, गन्ना, बाजरा एवं नारियन में से किस एक के मुख्य उत्पादकों में से एक हैं ? **–बाजरा**
- दलहनी फसलों के उत्पादन हेतु कौन–सा तत्व आवश्यक है ? **–कोबाल्ट**
- सही सुमेलित है–

ईरी रेशम	–	असोम
मूंगा रेशम	–	असोम
शहतूत रेशम	–	झारखंड
टसर रेशम	–	झारखंड

- सही सुमेलित है–

सूची–I (फसल)		**सूची–II (राज्य)**
मूंगफली	–	गुजरात
सरसों	–	राजस्थान
सोयाबीन	–	मध्य प्रदेश
नारियल	–	केरल
जूट	–	पश्चिम बंगाल
चाय	–	असोम
रबर	–	केरल
गन्ना	–	उत्तर प्रदेश

- प्रसंस्करण हेतु आलू की सबसे अच्छी किस्म है **–कुफरी चिप्सौना–2**
- सही सुमेलित हैं–

अरहर	–	बहार
अलसी	–	नीलम
मूंगफली	–	चन्द्रा
मसूर	–	पन्त एल–406
सरसों	–	वरुणा

- भारत में जूट उद्योग प्रमुखतः केन्द्रित है **–पश्चिम बंगाल में**
- अरहर का जन्म स्थान है **–भारतवर्ष**
- लौंग की खेती होती है **–केरल में**
- चना, राजमा, मटर एवं मूंग में वायुमंडल के नत्रजन का स्थिरीकरण न करने वाली दलहनी फसल है **–राजमा**
- भारत में 'तम्बाकू' के सबसे बड़े उत्पादक दो राज्य हैं ? **–क्रमशः आंध्र प्रदेश एवं उत्तर प्रदेश**
- कौन फसलें अधिकांशतः निर्वाहमूलक कृषि के अन्तर्गत पैदा की जाती है ? **–मोटे अनाज तथा चावल**

- धान, बरसीम, गेहूं एवं मूंगफली की फसलों में जिप्सम की अधिक मात्रा आवश्यक होती है **–मूंगफली की फसल में**
- निम्नलिखित मसालों में भारत किनका सबसे बडत्रा उत्पादक है ?
  1. काली मिर्च 2. इलाइची
  3. लौंग 4. अदरक
  –1 एवं 4 का
- **कथन (A) :** भारत में दालों की कमी है, परन्तु प्रोटीन की नहीं।
  कारण (R) : दालों की मांग की वरीयता है।
  –(A) एवं (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है
- भारत की 'श्वेत क्रान्ति' का जनक किसे कहा जाता है ? **–डॉ. वर्गीज कूरियन को**
- जया, पद्मा एवं कृष्णा किस अनाज की उन्नत किस्में हैं ? **–धान**
- 'एक फसली' कृषि विशेषता है **–व्यापारिक अन्न कृषि की**
- कौन सा मसाला भारत 'काला सोना' के रूप में जाना जाता है ? **–काली मिर्च**
- स्टॉक फार्मिंग है **–पशुओं का प्रजनन**
- 'कौशल' किस फसल की उन्नत प्रजाति है **–मूंगफली की**
- शक्तिमान–1 और शक्तिमान–2 आनुवंशिक परिवर्तित फसलें हैं **–मक्का की**
- पूसा सुगंधा–5 एक सुगन्धित किस्म है **–धान की**
- **कथन (A) :** भारत में पश्चिम बंगाल मछली का सबसे ड़ा उत्पादक है।
  कारण (R) : पश्चिम बंगाल के सागर तट के किनारे मत्स्य उद्योग सुविकसित है।
  –(A) सत्य है परन्तु (R) गलत है।
- भारत में कौन सा कृषि वित्त (Agricultural finance) का स्रोत है
  –व्यापारिक बैंक, सहकारी समितियां एवं क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक
- कौन भारत में सहकारी कृषि के विचार का समर्थक नहीं था **–चरण सिंह**
- कृषि में युग्म पैदावार का आशय .... को उगाने से है
  –विभिन्न मौसमों पर दो फसल
- पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश एवं सिक्किम मेंसे किस एक को छोड़कर सभी में कृषि भूमि का प्रतिशत काफी अधिक है ? **–सिक्किम को**
- धारणीय कृषि का अर्थ है
  –भूमि का इस प्रकार प्रयोग कि उसकी गुणवत्ता अनुक्षण्ण बनी रहे
- किस वर्ष में खाद्यान्न उत्पादन में वृद्धि दर ऋणात्मक रही **–2004–05 में**
- सेन्ट्रल फूड टेक्नोलोजिकल रिसर्च इन्स्टीट्यूट कहां स्थित है ? **–मैसूर में**
- नार्मन अर्नेस्ट बोरलॉग, जो भारत की हरित क्रान्ति के जनक माने जाते हं, किस देश से है ?
  –संयुक्त राज्य अमेरिका से
- हरित क्रांति से गहरा संबंध रहा है **–डॉ. स्वामीनाथन का**
- हरित क्रांति से अभिप्राय है
  –उच्च उत्पादक वैरायटी प्रोग्राम
- किसे 'हरित क्रांति' का सर्वाधिक लाभ उत्पादन एवं उत्पादकता (Production & Productivity) दोनों में हुआ **–गेहूं को**
- भारत के राज्यों में से किसने 'हरितगृह कृषि' (Green House Farming) प्रारंभ की है **–पंजाब ने**
- हरियाली योजना है **–बंजर भूमि के विकास के लिए**
- इन्द्रधनुषीय क्रांति का संबंध है
  –हरित–क्रांति से, श्वेत–क्रांति से एवं नीली–क्रांति से
- चीनी उद्योग से सम्बन्धित निम्न कथनों में से कौन सही है
  –भारत में चीनी उद्योग दूसरा सबसे बड़ा कृषि आधारित उद्योग है एवं भारत चीनी का सबसे बड़ा उपभोक्ता है
- फसलोत्पादन में 'नत्रजन उपयोग क्षमता' की वृद्धि की जा सकती है
  –उर्वरक की मात्रा के बार–बार प्रयोग द्वारा, नत्रजन अवरोधक के प्रयोग द्वारा एवं नत्रजन धीरे छोड़ने वाले उर्वरकों के प्रयोग द्वारा
- सही कथन है
  –भारतवर्ष में फसल बीमा योजना 1985 में प्रारंभ की गयी, उत्तर प्रदेश में शस्य–जलवायु क्षेत्रों की कुल संख्या 9 है, तथा काम के बदले अनाज कार्यक्रम 1977 में प्रारंभ किया गया
- **कथन (A) :** मध्य प्रदेश को भारत का इथियोपिया कहा जाता है
  कारण (R) : उसके प्रमुख लक्षण अत्यधिक बाल मृत्यु दर एवं कुपोषण है
  –A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है
- भारतीय चावल शोध–संस्थान स्थित है **–कटक में**
- रबी फसल की बुआई होती है **–अक्टूबर–नवंबर में**
- कौन सी खरीफ की फसल नहीं है ? **–मसूर, चना**
- कौन सी रबी की फसल नहीं है ? **–भिण्डी**
- सामान्य फसलें उगाने के लिए उर्वरक भूमि का pH मान कितना होने की संभावना है ? **–छः से सात**
- गेहूं की अच्छी खेती के लिए कौन सा परिस्थिति–समुच्चय आवश्यक है **–मध्यम ताप और मध्यम वर्षा**
- किस समूह की फसलें नकदी हैं ?
  –कपास, गन्ना, केला, जूट
- स्वतन्त्रता–प्राप्ति के बाद से भारत ने सर्वाधिक प्रगति की है **–गेहूं के उत्पादन में**
- कौन सा क्रम तीन बड़े गेहूँ उत्पादक राज्यों की दृष्टि से सही है ? **–उत्तर प्रदेश, पंजाब एवं हरियाणा**
- फलीदार पौधों में से कौन पेट्रोपादप भी है ? **–करेज**
- चावल की खेती के लिए आदर्श जलवायु परिस्थितियां हैं
  –100 सेमी. से ऊपर वर्षा और 25°C से ऊपर ताप
- खेती के अन्तर्गत क्षेत्र के अनुसार भारत में सबसे महत्वपूर्ण खाद्य फसल कौन सी है **–चावल**
- भारत के 'चावल के कटोरे' क्षेत्र का नाम बताएं
  –कृष्णा–गोदावरी डेल्टा क्षेत्र
- कौन सी चावल की किस्म नहीं है **–ज्वाला**
- **कथन (A) :** पंजाब चावल का एक महत्वपूर्ण निर्यातक है।
  कारण (R) : यह प्रदेश चावल के उत्पादन में अग्रणी है
  –A सही है परन्तु R गलत है
- कौन सा एक जीव चावल की फसल के लिए जैव उर्वरक का कार्य कर सकता है ? **–नील हरित शैवाल**

THE INSTITUTE

- भारत में कौन सा क्षेत्र कपास का अधिकतम मात्रा में उत्पादन करता है ? **–उत्तर–पश्चिमी और पश्चिमी भारत**
- महाराष्ट्र में कौन सी एक फसल 'श्वेत स्वर्ण' के नाम से जानी जाती है ? **–कपास**
- भारत का सबसे बड़ा कपास उत्पादक राज्य है **–गुजरात**
- भारत में चार गन्ना उत्पादक राज्यों का घटते हुए (Decreasing Order) क्रम में सही अनुक्रम है **–उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक**
- गन्ने में शर्करा की मात्रा घट जाती हे, यदि **–पकने की अवधि में पाला गिर जाए**
- भारत में चीनी के प्रथम तीन अग्रणी उत्पादक हैं **–महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक**
- भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान स्थित है **–कानपुर में**
- 'पीत क्रान्ति' संबंधित है **–तिलहन उत्पादन से**
- कौन अनाज के दानों का उत्पाद है ? **–ओट नील**
- शुष्क भूमि के लिए सर्वाधिक उचित फसल है **–मूँगफली**
- कौन एक तिलहनी फसल है ? **–सूर्यमुखी**
- सर्वाधिक रेशम पैदा करने वाला राज्य है **–कर्नाटक**
- देश का आधे से अधिक उत्पादित चावल जिन चार राज्यों से प्राप्त होता है, वे हैं **–पश्चिम बंगाल, आन्ध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश और पंजाब**
- भारत का सबसे बड़ा रबड़ उत्पादक राज्य है **–केरल**
- भारत के किस राजय में कहवा, रबड़ तथा तम्बाकू सभी की कृषि की जाती है ? **–कर्नाटक में**
- भारत में कहवा (कॉफी) का सबसे बड़ा उत्पादक है **–कर्नाटक**
- कौन सी नकदी फसल से भारत को अधिकतम विदेशी मुद्रा निर्यात से प्राप्त होती है ? (2010के आंकड़ों के आधार पर) **–कच्ची कपास से**
- भारत सर्वश्रेष्ठ उत्पादक एवं उपभोक्ता है **–दाल का**
- भारत का सबसे बड़ा चाय उत्पादक राज्य है **–असोम**
- भारत में बागानी कृषि के अंतर्गत उगाये जाने वाले मुख्य शस्य है **–चाय, रबड़, नारियल, कहवा**
- **कथन (A) :** भारत चाय का महत्वपूर्ण निर्यातक देश है
  कारण (R) : भारत में चाय की घरेलू खपत बहुत कम है
  –(A) सही है, परन्तु (R) गलत है
- झूमिंग अथवा पैड़ा पद्धति क्या है **–जंगल काटकर खेती के लिए सूखने को छोड़ना**
- झूमिंग सर्वाधिक व्यवहृत है ? **–नगालैण्ड में**
- भारत का वह राज्य जो कपास, मूँगफली, नमक व दूध के उत्पादन में प्रथम स्थान पर है **–गुजरात**
- भारत का सर्वाधिक पटसन–उत्पादक राज्य हैं **–पश्चिम बंगाल**
- भारत में जूट का सर्वाधिक क्षेत्रफल है **–प. बंगाल राज्य में**
- 'ऑपरेशन फ्लड' का संबंध है **–दूध उत्पादन एवं वितरण से**
- तम्बाकू का सर्वाधिक उत्पादन करने वाला राज्य **–आंध्र प्रदेश**
- सही कथन है **–चीन विश्व में तम्बाकू का वृहत्तम उत्पादक है एवं भारत विश्व में ज्वार का वृहत्तम उत्पादक है**
- केसर का वाणिज्यिक स्तर पर सर्वाधिक उत्पादन किस राज्य में होता है ? **–जम्मू और कश्मीर में**
- चलवासी कृषि पहाड़ी क्षेत्रों की प्रमुख समस्या है **–असोम तथा झारखण्ड की**
- मक्का की फसल पकने की अवधि है **–140 दिन**
- लौंग प्राप्त होता है **–पुष्पकली से**
- अदरक का तना जो मिट्टी में उगता है और खाद्य का संग्रहण करता है, वह कहलाता है **–प्रकंद**
- किस एक की खेती, पौध का प्रतिरोपण करके की जाती है ? **–प्याज**
- कौन सा फसल चक्र पूर्वी उत्तर प्रदेश के लिए सर्वाधिक उपयुक्त समझा जाता है **–धान–मक्का गेहूं**
- बराक घाटी की महत्वपूर्ण फसल है **–चाय**
- भारतीय कृषि में निम्न उत्पादकता का कारण है **–आवश्यकता से अधिक लोगों का कृषि कार्यों में लगा रहना, जोत का छोटा आकार एवं उत्पादन की पिछड़ी तकनीक**
- सब्जी उत्पादन में भारत का स्थान विश्व में है **–द्वितीय**
- ललित जिसकी उन्नत किस्म है, वह है **–अमरूद**
- सुमेलित है–
  तम्बाकू–आन्ध्र प्रदेश केला–गुजरात
  आलू–उत्तर प्रदेश नारियल–केरल
- एक ऐसा क्षेत्र जहाँ वार्षिक वर्षा 200 सेमी. से अधिक होती है और ढलाव पहाड़ी स्थल है, खेती के लिए उपयुक्त है **–चाय की**
- भारत के जिस राज्य में उसके क्षेत्रफल का अधिकतम प्रतिशत राष्ट्रीय उद्यानों के अन्तर्गत है, वह है **–सिक्किम**

खनिज

- सही कथन है **–लौह अयस्क का सबसे सम्पन्न भण्डार कर्नाटक में पाया जाता है, भारत विश्व में लौह अयस्क का चौथा सबसे बड़ा उत्पादक है तथा भारत में ओडिशा लौह अयस्क का सबसे बड़ा उत्पादक है**
- तांबा, गारनेट, मैंगनीज और पाइराइट में से किसे आप कायांतरित चट्टानों (मेटामॉरफिक चट्टान) से संबद्ध करेंगे **–गारनेट (तामड़ा)**
- झारखंड, मध्य प्रदेश, राजस्थान एवं आंध्र प्रदेश में से कौन एक अभ्रक का उत्पादन नहीं करता है **–मध्य प्रदेश**
- सही सुमेलित हैं
  कोयला – करनपुरा
  स्वर्ण – हट्टी
  अभ्रक – नेल्लोर
  मैंगनीज – भंडारा
- सही सुमेलित हैं–
  अमगुरी – पेट्रोलियम
  लांजगढ़ – बॉक्साइट
  काम्पटी – कोयला
  बेलारी – लौह अयस्क
- सही सुमेलित हैं–
  अमलाई – मध्य प्रदेश
  बल्लारपुर – महाराष्ट्र
  बजराजनगर – ओडिशा
  राजमुन्द्री – आन्ध्र प्रदेश

- सही सुमेलित हैं
  डाली–राजहरा – लौह अयस्क
  राखा – तांबा
  नेल्लोर – तांबा/अभ्रक
  अमरकंटक – बॉक्साइट
- सही सुमेलित हैं–
  ऑवला – उर्वरक
  नेपानगर – कागज
  सिन्द्री – उर्वरक
  नरौरा – अणुशक्ति
- सही सुमेलित हैं
  ब्रजराज नगर – कागज
  कैमूर – सीमेंट
  हल्दिया – पेट्रो–रसायन
  फूलपुर – उर्वरक
- भारत में टिन संसाधन वाला एकमात्र राज्य है **–छत्तीसगढ़**
- किस राज्य का क्रोमाइट उत्पाद में लगभग एकाधिकार है **–ओडिशा का**
- सही सुमेलित हैं
  बेलाडिला – छत्तीसगढ़
  केमानगुण्डी – कर्नाटक
  सिंहभूमि – झारखण्ड
  मयूरभंज – ओडिशा
- बैलाडिला खान किस खनिज से सम्बन्धित है ? **–लौह अयस्क से**
- सही सुमेलित है–

सूची–I (कोयला–उत्पादक क्षेत्र)	**सूची–II कोयला खदान**
दामोदर घाटी	– बराकर
सोन घाटी	– उमरिया
गोदावरी घाटी	– सिंगरेनी
महानदी घाटी	– तालचेर

- सही सुमेलित हैं–
  गैस प्लांट – औरैया
  एल्युमिनियम – कोरबा
  पेट्रोलियम – कोची
- सही सुमेलित हैं

सूची–I	**सूची–II**
एस्बेस्टस	– आंध्र प्रदेश
निकेल	– ओडिशा
जस्ता	– राजस्थान

- भारत में मैंगनीज का अग्रगण्य उत्पादक है **–ओडिशा**
- सही सुमेलित हैं–
  पलामू (झारखण्ड) – अभ्रक
  हजारीबाग (झारखण्ड) – बाक्साइट
  खेतड़ी (राजस्थान) – तांबा
  क्योंझर (ओडिशा) – मैंगनीज
- तालचेर एक प्रसिद्ध कोयला क्षेत्र है **–ओडिशा में**
- **कथन (A) :** कोयले का अन्तर्राज्यीय परिवहन, रेलवे द्वारा सम्पन्न किए जाने वाले परिवहन का एक प्रमुख घटक है।
  कारण (R) : बंगाल–झारखण्ड कोयले की खदानें पश्चिमोत्तर राज्यों को कोयला आपूर्ति का प्रमुख स्रोत है।
  –(A) तथा (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है
- भारत में, आन्ध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, ओडिशा एवं प. बंगाल में से कौन सर्वप्रमुख कोयला उत्पादक है ? **–ओडिशा**
- किन जिलों में भारत की सबसे बड़ी अभ्रक (Mica) मेखला पायी जाती है **–हजारीबाग, गया और मुंगेर**
- भारत में पेट्रोलियम का अग्रणी उत्पादक राज्य है **–गुजरात**
- लुनेज पेट्रोल उत्पादक क्षेत्र किस राज्य में स्थित है **–गुजरात**
- 'हाइड्रोजन विजन–2025'' सम्बन्धित है **–पेट्रोलियम उत्पाद के भंडारण से**
- देश को कच्चे तेल की आपूर्ति में रुकावट से पृथक रखने हेतु, भारत ने 'इण्डिया स्ट्रेटजिक पेट्रोलियम रिजर्व लि.' की स्थापना की है। इस हेतु वह तीन स्थानों पर भूमिगत स्टोरेज का निर्माण करेगा। ये स्थान हैं **–विशाखापट्टनम, मंगलोर एवं पादुर**
- कौन भारत की सबसे पुरानी तेल–शोधन इकाई है **–डिग्बोई**
- भारत में तेल अन्वेषण का कार्य किया जाता है ? **–ओएनजीसी एवं ऑयल इंडिया लिमिटेड द्वारा**
- नूनमाटी का तेल शोधक कारखाना अवस्थित है **–असोम राज्य में**
- एच.बी.जे. पाइपलाइन द्वारा प्राकृतिक गैस का परिवहन कहां से होता है **–दक्षिणी बेसिन से**
- भारत में शक्ति खण्ड में ऊर्जा स्रोतों के भाग का सही क्रम है **–तापीय > जलीय > आण्विक > वायु**
- सही सुमेलित है
  बदरपुर – दिल्ली
  हरदुआगंज – उत्तर प्रदेश
  उतारन – गुजरात
  पारस – महाराष्ट्र
- हाल के वर्षों में औसत अखिल भारतीय तापीय प्लान्ट लोड फैक्टर (पी.एल.एफ.) परिवर्तित होता रहा है **–70–75 प्रतिशत के बीच**
- किस देश के सहयोग से ओबरा ताप विद्युत केन्द्र की स्थापना की गई थी ? **–रूस के**
- तमिलनाडु के कुडनकुलम में रूस परमाणु रिएक्टर्स की कितनी इकाइयां लगाने हेतु राजी हुआ है ? **–कुल 6**
- सही सुमेलित हैं

सूची–I (यूरेनियम केन्द्र)	**सूची–II (राज्य)**
दोमाईसान	– मेघालय
लंबापुर	– आंध्र प्रदेश
रोहेल	– राजस्थान
गोगी	– कर्नाटक

- वर्ष 2010–11 में भारत में कुल उत्पादित ऊर्जा में नाभिकीय ऊर्जा का प्रतिशत था **–2.61 प्रतिशत**
- भारत के किस राज्य का बिजली की प्रति व्यक्ति क्षमता और उत्पादन में प्रथम स्थान है **–महाराष्ट्र**
- भारत में ऊर्जा–उत्पादन में सर्वाधिक अंश है **–तापीय या ऊष्मीय (थर्मल) ऊर्जा का**

- सही सुमेलित हैं–

सूची–I (राज्य)		सूची–II (स्थापित तापीय शक्ति क्षमता में स्थान)
गुजरात	–	द्वितीय
महाराष्ट्र	–	प्रथम
उत्तर प्रदेश	–	चतुर्थ
पश्चिम बंगाल	–	तृतीय

- रामपुरा, जो भारत में प्रथम गाँव अपना सौर ऊर्जा प्लांट लगाने वाला बना, वह कहां स्थित है ? **–उत्तर प्रदेश में**
- विन्ध्य शैलों मं वृहद् भण्डार पाए जाते हैं **–चूना पत्थर के**
- भारत में लौह–अयस्क किस क्रम की शैलों में पया जाता है ? **–धारवाड़**
- भारत में खनिज संसाधनों के सबसे बड़े भंडार हैं ? **–उत्तर में**
- भारत का सर्वाधिक खनिज सम्पन्न शैल तन्त्र है **–धारवाड़ तन्त्र**
- क्वार्ट्जाइट कायांतरित होता है **–बलुआ पत्थर से**
- लौह क्षेत्र है **–कुद्रेमुख**
- लौह अयस्क उपलब्ध नहीं हैं **–पंजाब में**
- भारत में जस्ते का अधिकतम उत्पादक राज्य है **–राजस्थान**
- भारत के किस राज्य में चाँदी उत्पादन होता है **–राजस्थान, कर्नाटक**
- बॉक्साइट अयस्क है **–एल्युमिनियम का**
- भारत का सर्वाधिक अभ्रक उत्पादक राज्य हैं **–आंध्र प्रदेश**
- किस उद्योग में अभ्रक कच्चे माल के रूप में प्रयुक्त होता है ? **–वैद्युत में**
- भारत विश्व में अग्रणी उत्पादक है **–अभ्रक का**
- सर्वोत्तम किस्म का संगमरमर पाया जाता है **–मकराना में**
- संगमरमर क्या है ? **–कायान्तरित चट्टान**
- संगमरमर है ? **–पुनर्रवीकृत चूना पत्थर**
- भारत किस खनिज के उत्पादन में आत्मनिर्भर है ? **–लौह अयस्क, बाक्साइट, चूना पत्थर, क्रोमाइट आदि में**
- सुमेलित हैं–

बदाम पहाड़ (ओडिशा)	–	लौह अयस्क
कोडरमा (झारखण्ड)	–	अभ्रक
मोसाबानी (झारखण्ड)	–	तांबा
रवा (कृष्णा–गोदावरी के अपतटीय क्षेत्र)	–	खनिज तेल

- भारत के किस राज्य को 'सिलिकन स्टेट' के नाम से जाना जाता है **–कर्नाटक को**
- तांबा, सोना, लोहा, कोयले की खानों का सही क्रम है **–खेतड़ी–कोलार–कुद्रेमुख–झरिया**
- सुमेलित है–
  कोयला–तालचेर तांबा–खेतड़ी
  लौह आयस्क–कुद्रेमुख चाँदी–जावर
- कहाँ हाल में ही हीरा–युक्त किम्बरलाइट के वृहत भंडार पाए गए हैं **–रायपुर में**
- जादूगुड़ा प्रसिद्ध है **–यूरेनियम के लिए**
- सुमेलित हैं
  पलामू–अभ्रक हजारीबाग–बाक्साइट
  खेतड़ी–तांबा केउंझर–मैंगनीज
- भारत के राज्यों का उनके कोयला उत्पादन का अवरोही क्रम **–छत्तीसगढ़, ओडिशा, झारखण्ड एवं मध्य प्रदेश**
- भारत के कोयला उतपादन में छोटानागपुर का योगदान है, लगभग **–80 प्रतिशत**
- नामचिक–नामफुक कोयला–क्षेत्र अवस्थित है **–अरुणाचल प्रदेश में**
- किसके कोयला भंडार सर्वाधिक हैं **–प्रमाणित भण्डारों के अनुसार झरिया एवं कुल भण्डारों के अनुसार रानीगंज में**
- भारत के सर्वाधिक कोयला भंडार पाये जाते हैं **–झारखण्ड में**
- शैल तंत्रों में से कौन भारत के कोयला निचयों (डिपॉजिट्स) का प्रमुख स्रोत है ? **–गोंडवाना तंत्र**
- **कथन (A) :** लिग्नाइट निकृष्ट कोटि का कोयला है जिसमें कार्बन की मात्रा 35–40 प्रतिशत है।
  कारण (R) : भारत में झारखण्ड लिग्नाइट का सर्वप्रमुख उत्पादक है **– A सत्य है परन्तु R गलत है**
- बिसरामपुर खनन के लिए प्रसिद्ध है **–कोयला के**
- अंकलेश्वर प्रसिद्ध है **–पेट्रोल के भण्डार के लिए**
- मंगला–भाग्यम्, शक्ति एवं ऐश्वर्या **–बाड़मेर–सांचौर बेसिन में खोजे गए तेल क्षेत्र हैं**
- रिलायन्स इंडस्ट्रीज लि. द्वारा भारत के किस भाग में प्राकृतिक गैस के प्रचुर भंडार का पता लगाया गया है? **–आंध्र अपतटीय क्षेत्र में (कृष्णा, गोदावरी बेसिन में)**
- भारत में ऊर्जा का सर्वाधिक स्रोत है **–कोयला**
- पश्चिम बंगाल में राष्ट्रीय ताप ऊर्जा कार्पोरेशन (NTPC) द्वारा सुपर ताप विद्युत उत्पादन केन्द्र स्थापित है **–फरक्का में**
- नेवेली ताप विद्युत संयंत्र का भरण किससे करते हैं **–तृतीयक कोयला (लिग्नाइट) से**
- भारत में प्रचुर मात्रा में उपलब्ध महत्वपूर्ण नाभिकीय ईंधन है **–थोरियम**
- केरल के समुद्री तट पर कौन सा परमाणु खनिज पाया जाता है **–मोनोजाइट**
- किस खनिज से रेडियम प्राप्त किया गया था ? **–पिचब्लेंड से**
- सुमेलित हैं–

कोटा (रावतभाटा) नाभिकीय संयंत्र	–	राजस्थान
तारापुर नाभिकीय संयंत्र	–	महाराष्ट्र
काकरापार नाभिकीय संयंत्र	–	गुजरात
नरोरा नाभिकीय संयंत्र	–	उत्तर प्रदेश
कैगा नाभिकीय संयंत्र	–	कर्नाटक

- सुमेलित हैं–

श्रीहरिकोटा	–	आंध्र प्रदेश
थुम्बा (तिरुवनंतपुरम)	–	केरल
भाभा एटामिक रिसर्च सेन्टर	–	महाराष्ट्र
पोखरन	–	राजस्थान

- **कथन (A) :** भारत में देश की भावी ऊर्जा माँग की आपूर्ति का आशाप्रद स्रोत अणु ऊर्जा है।
  कारण (R) : भारत में अणु खनिज सर्वत्र सुलभ है। **–A सही है, परन्तु R गलत है**
- कहाँ जल विद्युत गृह स्थित है ? **–कोयना में**
- भारत में पहला पनबिजली (Hydro Power) शक्ति केंद्र आरंभ हुआ। **–शिवसमुद्रम में**

- राणा प्रताप सागर पर विद्युत गृह स्थापित है **–कोटा में**
- किस एक के लिए सतारा प्रसिद्ध है ? **–पवन ऊर्जा संयंत्र**
- भारत में ज्वारीय ऊर्जा की सर्वाधिक संभावनाएं कहां पर हैं **–भावनगर (गुजरात) में**
- सुमेलित हैं

खनिज तेल–गुजरात	जिप्सम–राजस्थान
सोना–कर्नाटक	बॉक्साइट–ओडिशा

- स्टेनलेस स्टील बनाने के लिए क्या प्रयोग में लाया जाता है ? **–क्रोमियम और निकेल**
- स्टेनलेस स्टील मिश्र धातु है **–लोहे और क्रोमियम की**

➢ उद्योग

- चाय, जूट, लौह एवं इस्पात तथा चीनी में से कौन सा एक उद्योग भारत के लिए सबसे अधिक विदेशी मुद्रा कमाता है **–लौह एवं इस्पात**
- सही सुमेलित है

भिलाई	–	छत्तीसगढ़
दुर्गापुर	–	पश्चिम बंगाल
जमशेदपुर	–	झारखण्ड
राउरकेला	–	ओडिशा

- राउरकेला इस्पात संयंत्र को लौह अयस्क की आपूर्ति होती है **–क्योंझर से**
- सही सुमेलित है

सूची–I (केन्द्र)		**सूची–II (उद्योग)**
आँवला	–	उर्वरक
मोदीनगर	–	रबर
बाराबंकी	–	पॉलीफाइबर
कानपुर	–	विस्फोटक

- सही सुमेलित है

डीजल लोकोमोटिव	–	वाराणसी
इंडियन टेलीफोन इंडस्ट्रीज	–	रायबरेली
भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लि.	–	गाजियाबाद
तेलशोधन कार्य	–	मथुरा

- मध्य प्रदेश का कौन सा नगर कीटनाशक उद्योग हेतु प्रसिद्ध है ? **–भोपाल**
- सही सुमेलित है

रामागुण्डम	–	उर्वरक
चितरंजन	–	लोकोमोटिव
कोरबा	–	एल्युमीनियम
पिम्परी	–	उर्वरक

- भारत का सबसे बड़ा पेट्रो रसायन कारखाना किस राज्य में स्थित है **–गुजरात में**
- भिलाई स्टील प्लान्ट भातर सरकार तथा किस देश का संयुक्त उपक्रम है ? **–रूस**
- स्टील अथॉरिटी ऑफ इण्डिया की स्थापना का वर्ष है **–1974**
- राज्य जिसमें सर्वाधिक कागज मिलें स्थित हैं, है **–पश्चिम बंगाल**
- सही सुमेलित है

सूची–I (उद्योग)		**सूची–II (केंद्र)**
रेशम वस्त्र	–	मैसूर
पेट्रो रसायन	–	जवाहर नगर
उर्वरक	–	तालचेर
औषधि–निर्माण	–	ऋषिकेश

- छोटा नागपुर औद्योगिक क्षेत्र का विकास सम्बन्धित रहा है **–कोयला की खोज से**
- सही सुमेलित है

आण्विक संयंत्र	**चालू होने का वर्ष**
कोटा	1973
ककरापार	1993
कैगा	2000
कलपक्कम	1984

- किसक 'दक्षिण गंगोत्री' के नाम से जाना जाता है **–भारत का प्राम अंटार्कटिक शोध केन्द्र**
- खेतों में प्रयुक्त होने वाले औजारों और मशीनों पर शोध और विकास कार्य 'सेन्ट्रल इन्स्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग– में किया जा रहा है, जो स्थित है **–भोपाल में**
- छत्तीसगढ़ में कोरबा का महत्व है **–एल्युमिनियम उद्योग के कारण**
- सुमेलित हैं–

बाल्को–बोकारो	हिण्डालको–रेणुकूट
नाल्को–भुवनेश्वर	एच.सी.एल.–खेतड़ी

- डीजल रेल इन्जन बनाए जाते हैं **–मडुवाडीह (वाराणसी)में**
- सुमेलित हैं
  भारी इंजीनियरिंग उद्योग – रांची
  मशीन औजार – पिंजौर
  एल्युमीनियम – रेणुकूट
  उर्वरक – सिंद्री
- एगमार्क है **–गुणवत्ता गारण्टी की मोहर**
- जिसके लिए चुनार प्रसिद्ध है, वह है **–सीमेंट उद्योग**
- कौन सीमेंट का मुख्य संघटक है ? **–चूना पत्थर**
- सुमेलित है
  विशाखापट्टनम् – पोत निर्माण
  मूरी – एल्युमीनियम
  गुड़गाँव – मोटर गाड़ियाँ
  पनकी – उर्वरक
- केन्द्रीय शुष्क भूमि–खेती अनुसंधान संस्थान **–हैदराबाद में**

परिवहन एवं पत्तन

- राष्ट्रीय राजमार्ग विकास परियोजना से संबंधित सही कथन हैं
  –इसकी कुल लम्बाई 5846 किलोमीटर है, उत्तर–दक्षिा गलियारा श्रीनगर–कन्याकुमारी को जोड़ता है, एवं पूर्व पश्चिम गलियारा सिलचर को पोरबंदर से जोड़ता है
- भारत में किस राज्य मेंप्रदेश राजमार्ग की लम्बाई सर्वाधिक है ? **–महाराष्ट्र में**
- सही सुमेलित है

हलिदिया–इलाहाबाद	–	राष्ट्रीय जलमार्ग
नासिक–पुणे	–	राष्ट्रीय राजमार्ग–50
दुर्गापुर–कोलकाता	–	एक्सप्रेस राजमार्ग
सिकंदराबाद	–	दक्षिणी मध्य रेलवे का मुख्यालय

- निम्नलिखत राज्यों का उनके राष्ट्रीय राजमार्ग की लम्बाई के आधार पर अवरोही क्रम है।
  –अरुणाचल प्रदेश > मिजोरम > नगालैंड > सिक्किम

- सही सुमेलित है

सूची–I	सूची–II
रेल कोच फैक्ट्री	कपूरथला
व्हील एवं एक्सल संयंत्र	बंगलुरु
डीजल लोकोमोटिव वर्क्स	वाराणसी
इन्टीग्रल कोच फैक्टरी	पेरम्बूर

- तीसरी रेल कोच फैक्टरी स्थापित की जा रही है **–रायबरेली में**
- सुमेलित है
  हल्दिया – प. बंगाल
  पाराद्वीप – ओडिशा
  कांडला – गुजरात
  मर्मुगाओ – गोवा
- दमन, जंजीरा, कारीकल एवं रत्नागिरि में से कौन भारत के पश्चिमी तट पर स्थित नहीं है ? **–कारीकल**
- कृष्णापटनम बन्दरगाह के संवर्धन से कौन राज्य सर्वाधिक लाभान्वित होगा **–आन्ध्र प्रदेश**
- भारत का सबसे बड़ा बंदरगाह है **–मुंबई में**
- देश का सबसे लम्बा आन्तरिक जलमार्ग कौन सा है **–इलाहाबाद–हल्दिया**
- राष्ट्रीय अन्तर्देशीय नौवहन संस्थान (NINI) अवस्थित है **–पटना में**
- भारत का कोयले को संचालित करने वाला बारहवां प्रमुख पत्तन विकसित हो रहा है **–चेन्नई के निकट एन्नौर में**
- भारतीय पर्यटन मंत्रालय ने भारत में पर्यटन को प्रोत्साहित करने हेतु जिस अवधारणा को लोकप्रिय करने का उपयोग किया है, वह है **–अतुल्य भारत**
- राष्ट्रीय मार्ग क्र. 4 होकर जाता है **–महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक एवं तमिलनाडु से**
- किस राज्य में राष्ट्रीय राजमार्गों की सर्वाधिक लम्बाई पाई जाती है ? **–उत्तर प्रदेश में**
- दो राष्ट्रीय राजमार्ग, कन्याकुमारी–श्रीनगर राजमार्ग एवं पोरबन्दर–सिलचर राजमार्ग, जो राष्ट्रीय राजमार्ग विकास परियोजना के अन्तर्गत निर्मित हो रहे हैं, एक दूसरे से मिलेंगे **–झाँसी में**
- नगर युग्मों में से कौन सा 6 पथ एक्सप्रेस मार्ग द्वारा सम्बद्ध किया गया है **–मुम्बई तथा पुणे**
- कौन से नगर राष्ट्रीय राजमार्ग 3 से जुड़े हैं **–आगरा, धुले, ग्वालियर, इंदौर एवं मुंबई**
- प्रधानमंत्री की ग्राम सड़क योजना है **–उन गांवों में सामुदायिक जीवन के विकास हेतु जो सड़क से भली–भाँति सम्बद्ध नहीं हैं**
- स्वर्ण चर्तुभुज परियोजना का सम्बन्ध है **–राजमार्ग से**
- भारत की पहली रेलवे लाइन किन स्थानों के बीच बनी **–मुम्बई–थाणे के बीच सन् 1853 में**
- भारत में प्रथम बार रेल कब चली ? **–1853 में**
- 'बड़ी लाइन' की दो पटरियों के बीच की दूरी होती है **$-5\frac{1}{2}$ फीट (1.676 मीटर)**
- गोरखपुर से मुंबई की रेलयात्रा का न्यूनतम दूरी वाला मार्ग है **–इलाहाबाद से होकर**
- भारत के रेल मंत्रालय की बुलेट–ट्रेन चलाने की योजना है **–मुम्बई–अहमदाबाद के बीच**
- दक्षिणी–पूर्वी रेलवे का मुख्यालय है **–कोलकाता में**
- पाराद्वीप बन्दरगाह स्थित है **–उड़ीसा में**
- काण्डला बन्दरगाह स्थित है **–कच्छ की खाड़ी में**
- सुमेलित है
  विशाखापत्तनम – भारत का सबसे गहरा पत्तन
  कोचीन – प्राकृतिक पत्तन
  कांडला – ज्वारीय पत्तन
  जवाहरलाल नेहरू पत्तन – भारत का एकमात्र मशीनीकृत पत्तन
- कौन सा बन्दरगाह भारत के पूर्वी तट का नही है **–कांडला**
- पाराद्वीप का विकास जिन बंदरगाहों का भार कम करने के लिए किया गया था, वे हैं **–कोलकाता–विशाखापत्तनम**
- मर्मुगाओ पत्तन स्थित है **–गोवा में**
- भारत के बंदरगाहों में से कोन सा एक आयात नौभार (Import Cargo) का उच्चतम टन भार संभालता है **–कांडला**
- कौन सा एक भारत का प्राकृतिक बन्दरगाह नहीं है **–चेन्नई**
- पत्तन जहाँ एल.एन.जी. टर्मिनल है **–दाहेज, हजीरा एवं कोच्चि**
- किस स्थान पर तीन अर्द्ध–चन्द्राकार समुद्र तट मिलते हैं **–कन्याकुमारी में**
- सेतुसमुद्रम परियोजना में नौपरिवहन नहर की लम्बाई है **–167 किलोमीटर**
- सेतुसमुद्रम परियोजना, जिन्हें जोड़ती हैं, वे हैं **–मन्नान की खाडत्री और पाक खाड़ी**
- सुमेलित हैं
  चकराता–उत्तराखण्ड हफ्लांग–असोम
  कालिमपोंग–पश्चिम बंगाल कुफरी–हिमाचल प्रदेश
- सुमेलित हैं
  जम्मू एवं कश्मीर–गुलमर्ग हिमाचल प्रदेश–कसौली
  गुजरात–उडवाड़ा तमिलनाडु–प्वाइंट कैलीमर
- सुमेलित हैं
  जयपुर–गुलाबी नगर उज्जैन–महाकाल का नगर
  कोलकाता–आनन्द का नगर उदयपुर–झीलों का नगर
- सुमेलित हैं
  कलपक्कम–तमिलनाडु राणाप्रताप सागर–राजस्थान
  नरोरा–उत्तरप्रदेश तारापुर–महाराष्ट्र
- भारतीय अंतरिक्ष प्रक्षेपण केन्द्र श्रीहरिकोटा स्थित है **–आंध्र प्रदेश में**
- रामगुण्डम सुपर थर्मल पावर स्टेशन अवस्थित है **–आंध्र प्रदेश में**
- सुमेलित हैं
  औरंगाबाद–महाराष्ट्र पालनपुर–गुजरात
  हुबली–कर्नाटक गुन्टूर–आंध्र प्रदेश
- भारत का सबसे प्राचीन उद्योग है **–सूती वस्त्र**
- भारत की लगीाग एक तिहाई गाय–बैलों की संख्या तीन राज्यों में पाई जाती है, ये हैं– **–मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल एवं उत्तर प्रदेश**

विविध

- सही सुमेलित है
  श्रीहरिकोटा – आंध्र प्रदेश
  थुम्बा – केरल
  भाभा एटॉमिक रिसर्च सेन्टर – महाराष्ट्र
  पोखरन – राजस्थान
- विश्व सांख्यिकी 2008 के अनुसार विश्व की आबादी का लगभग कितने प्रतिशत एशिया में रहता है ? **–61 प्रतिशत**
- राजासांसी अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा कहाँ है ? **–अमृतसर में**
- भारत का सबसे बड़ा जहाज तोड़ने का यार्ड गुजरात में किस स्थान पर स्थित है ? **–अलंग (गुजरात) में**

राष्ट्रीय महत्व के संस्थान

वे राष्ट्रीय संस्थान जहां आरक्षण लागू नहीं होगा।

- होमी भाभा नैशनल इंस्टीट्यूट, मुंबई
- भाभा अटॉमिक रिसर्च सेंटर, ट्रॉम्बे
- इंदिरा गांधी अटॉमिक रिसर्च सेंटर, कलपक्कम
- साहा परमाणु भौतिकी संस्थान, कोलकाता
- राजा रमन्ना सेंटर फॉर एडवांस्ड टेक्नोलॉजी, इंदौर
- इंस्टीट्यूट फॉर प्लाज्मा रिसर्च, गांधीनगर
- वेरिएबल एनर्जी साइक्लॉट्रान सेंटर कोलकाता
- इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिक्स, भुवनेश्वर
- इंस्टीट्यूट ऑफ मैथेमेटिकल साइंस, चेन्नई
- हरीशचंद्र रिसर्च इंस्टीट्यूट, इलाहाबाद
- टाटा मेमोरियल सेंटर, मुंबई
- नैशनल ब्रेन रिसर्च सेंटर, गुड़गांव
- फिजिकल रिसर्च लैबोरेटरी, तिरुवनंतपुरम
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ रिमोट सेंसिंग, देहरादून
- टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च, मुंबई
- नॉर्थ ईस्टर्न इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ एंड मेडिकल कॉलेज, शिलांग
- नेहरू सेंटर फॉर एडवांस्ड साइंटिफिक रिसर्च, बंगलुरु

अन्य महत्वपूर्ण राष्ट्रीय संस्थान

- इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, भोपाल
- कल्पना चावला स्मारक तारामंडल, कपूरथला
- भारतीय वानस्पतिक सर्वेक्षण विभाग, कोलकाता
- भारतीय प्राणी सर्वेक्षण विभाग, कोलकाता
- भारतीय वन सर्वेक्षण विभाग, देहरादून
- इंदिरा गांधी फॉरेस्ट अकादमी, देहरादून
- सेन्ट्रल एरिड जोन रिसर्च इंस्टीट्यूट, जोधपुर
- इंडियन फॉरेस्ट मैनेजमेंट, भोपाल
- राष्ट्रीय पतझड़ वन अनुसंधान केन्द्र, जबलपुर
- वुड साइंस एंड टेक्नोलॉजी सेन्टर, बंगलुरु
- फॉरेस्ट जेनेटिक सेन्टर, कोयंबटूर
- राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमशीलता एवं प्रबंधन संस्थान, कुंडली (सोनीपत), हरियाणा
- टिड्डी चेतावनी संगठन, चोधपुर
- केन्द्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, कुफरी (शिमला)
- राष्ट्रीय पौध संरक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान, हैदराबाद
- चौधरी चरण सिंह राष्ट्रीय कृषि विपणन संस्थान, जयपुर
- केन्द्रीय चारा बीज उत्पादन फार्म, हैसरघट्टा (बंगलुरु)
- केन्द्रीय कपास अनुसंधान संस्थान, नागपुर
- केन्द्रीय मत्स्य पालन और समुद्री इंजीनियरी प्रशिक्षण संस्थान, कोचीन
- केन्द्रीय कृषि अनुसंधान संस्थान, पोर्ट ब्लेयर
- केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, नई दिल्ली
- केन्द्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण, नई दिल्ली
- वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट (असम)
- वन आनुवांशिकी तथा वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयंबटूर
- भारतीय मानक ब्यूरो, दिल्ली
- राष्ट्रीय परीक्षण गृह, कोलकाता
- नैनों केंद्र, बंगलुरु
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रॉपिकल मीटिरियोलॉजी, पुणे
- जलवायु परिवर्तन संस्थान, पुणे
- राष्ट्रीय हिमालय हिमनद विज्ञान केंद्र, देहरादून
- नैनो साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी संस्थान, मोहाली
- भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान, बंगलुरु
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ जिओमैगनेटिज्म, मुम्बई
- आर्यभट्ट अनुसंधान वेधशाला, नैनीताल
- भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, नई दिल्ली
- भारतीय राष्ट्रीय इंजीनियरिंग अकादमी, नई दिल्ली
- इलेक्ट्रॉनिक कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, हैदराबाद
- परमाणु खनिज अनुसंधान और अन्वेषण निदेशालय, हैदराबाद
- प्लाज्मा अनुसंधान संस्थान, अहमदाबाद
- भारतीय राष्ट्रीय महासागर और सूचना सेवा केन्द्र, हैदराबाद
- लाल बहादुर शास्त्री तटवर्ती अनुसंधान एवं उच्च अध्ययन संस्थान, मुम्बई
- भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण, नोएडा
- हिन्दुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड, विशाखापत्तनम
- राष्ट्रीय जलक्रीड़ा संस्थान, गोवा
- केन्द्रीय मृदा तथा पदार्थ अनुसंधान केन्द्र, नई दिल्ली
- राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान, रुड़की
- राष्ट्रीय केमिकल्स एवं फर्टिलाइजर्स लिमिटेड, ट्रॉम्बे
- हिंदुस्तान एंटीबायोटिक्स लिमिटेड, पिम्परी (पुणे)
- भारतीय खान ब्यूरो, नागपुर
- हिन्दुस्तान जिंग लिमिटेड, उदयपुर
- केन्द्रीय जल तथा विद्युत अनुसंधान केन्द्र, खड्गवासला, (पुणे)
- राष्ट्रीय परियोजना निर्माण निगम लिमिटेड, नई दिल्ली
- भारत का सुनामी चेतावनी केन्द्र, हैदराबाद
  हाई सिक्युरिटी एनिमल डिजीज सेंटर, भोपाल (बर्ड फ्लू से संबंधित मामलों का परीक्षण यहीं होता है।)

****

THE INSTITUTE

सावधान

One Day की रिक्तियों को ध्यान में रखते हुए आज कई संस्थान खुल गए हैं जहाँ अनुभवहीन शिक्षक छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ करते हैं।

ऐसे संस्थान सिर्फ One Day के रिक्तियों की घोषणा का इन्तजार करते हैं। यहाँ न कोई Research Work होता है न ही Material Development।

ये सिर्फ गाँव के भोले–भाले छात्रों को बरगला कर कमाई कर रहे हैं। जागरूक बने एवं हमेशा अनुभवी, प्रतिष्ठित संस्थान को चुनें, जहाँ गुणवत्ता, ईमानदारी एवं सफलता की पूजा की जाती है और जहाँ ज्ञान नहीं सेलेक्शन दिया जाता है।

THE INSTITUTE
जहाँ सेलेक्शन एक जिद है.

2010-11 में UPP, CPO, B.Ed., SSC, BANK, RAILWAY में
सर्वाधिक Selection देने के बाद अब...

सिपाही
UP & CPO

SSC
Pre & Mains
(New Syllabus)

BANK
Clerk
(New Pattern)

OUR FACULTY

Team Maths	:	S.P. Singh, K.M. Mishra, B.K. Dubey, & Vipin Sir
Team Reasoning	:	R.R. Gupta & K.N. Sir
Team G.S. — Hindi	:	Dr. K.B. Pandey
Sci. & Tech.	:	Ajay Singh
History	:	V.P. Singh
Geography	:	M.M. Khan
Polity	:	Ashok Pandey
Economics	:	Subhash Paul
Team Tech.	:	Pawan Shukla
Team English — Grammar	:	R.S. Singh
Word Power	:	C. Shekhar

B.Ed. / T.E.T.
प्रवेश परीक्षा हेतु

सभी कोर्सों के लिए अलग-अलग एवं विशेष बैच प्रारम्भ

रेलवे
टेक्निकल

प्रिंटेड नोट्स एवं प्रैक्टिस पेपर के साथ सम्पूर्ण तैयारी

Individual Maths, Reasoning & English Also Available ; CSAT – Maths + Reasoning

THE INSTITUTE
जहाँ सेलेक्शन एक जिद है.

समीर प्लाजा, मनमोहन पार्क, कटरा, बांसमण्डी के सामने, इला0 Mob. :0532-3266722, 9956971111, 9235581475
website : www.theinstituteedu.com email : info@theinstituteedu.com

पूरी फीस, पूरी पढ़ाई, पूरा सेलेक्शन ; अधूरी फीस, अधूरी पढ़ाई, अधूरा सेलेक्शन